3 राजधानी
सीजेआई ने ट्रैफिक जाम का लिया संज्ञान

6 अभिमत
एक धरती-एक स्वास्थ्य की अवधारणा

11 विदेश
अबू धाबी का मंदिर बना है गुलाबी बलुआ पत्थर से

12 स्पोर्ट्स
जुरेल, सरफराज को मिल सकता है मौका

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 99
नई दिल्ली, बुधवार, 14 फरवरी, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

एमएसपी कानून जल्दबाजी में नहीं लाया जा सकता

राष्ट्रीय-10

किसान अड़े, दिल्ली बनी जंग का मैदान

राजेश कुमार। नई दिल्ली

अंबाला में मंगलवार को दिल्ली चलो अभियान के दौरान शंभू बॉर्डर (पंजाब-हरियाणा) पर पहुंचे किसान।

पंजाब-हरियाणा (शंभू) और जींद सीमा पर मंगलवार को उस समय अराजकता फैल गई जब प्रदर्शनकारी किसानों ने बैरिकेड हटाना शुरू कर दिया, जिसके बाद हरियाणा पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे, उनमें से कुछ ड्रोन से गिराए गए। हरियाणा में अंबाला के पास शंभू सीमा पर घंटोंचली झड़प में पथराव करने वाले प्रदर्शनकारियों के समूहों को तितर-बितर करने की कोशिश की। हरियाणा पुलिस ने जींद जिले की सीमा पर भी प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले और पानी की बौछारें छोड़ी गईं। प्रदर्शनकारी किसानों ने पंजाब-हरियाणा सीमा के पास पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स तक पहुंचने का बार-बार प्रयास किया। लेकिन पुलिस ने भीड़ को पीछे खदेड़ दिया। बैरिकेड्स के पास किसी भी निर्माण से बचने के लिए ड्रोन का उपयोग करके आंसू गैस के गोले छोड़े। जैसे ही पुलिस द्वारा छोड़ा गया आंसू गैस का गोला जमीन पर गिरता है, प्रदर्शनकारी धुएं को रोकने के लिए तुरंत उसे गीले जूट के थैलों से ढक देते थे।

इससे पहले केंद्र-किसान संगठनों की बैठक में बेनतीजा रही लेकिन इसमें एक बात यह रही कि केंद्र सरकार 2020-21 के आंदोलन के दौरान दर्ज किसानों के खिलाफ मामले वापस लेने पर सहमत हो गई है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अर्जुन मुंडा की अध्यक्षता में सोमवार देर रात चंडीगढ़ में पांच घंटे की लंबी बैठक के बाद, फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और किसानों को पेंशन की कानूनी गारंटी की कुछ निर्माता संगठनों की प्रमुख मांग पर कोई विचार नहीं हो सका। सूत्रों ने बताया कि ऐसा समझा जाता है कि बैठक में केंद्र 2020-21 के आंदोलन के दौरान दर्ज किसानों के खिलाफ मामले वापस लेने पर सहमत हो गया है। हालांकि सूत्रों ने कहा, किसान नेता फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और किसानों को पेंशन की कानूनी गारंटी पर अड़े हुए हैं, जो उनकी प्रमुख मांगों में से एक है। माना जा रहा है कि केंद्रीय मंत्री पिछले आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिजनों को मुआवजा देने पर भी सहमत हुए हैं। हालाँकि, केंद्र सरकार में कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा, जो खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल के साथ किसान नेताओं के साथ दूसरे दौर की वार्ता में शामिल हुए, ने कहा कि (शेष पेज 9)

बंदोबस्त से दिल्ली-एनसीआर में रेंगते रहे वाहन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/नोएडा/गाजियाबाद/गुरुग्राम

मंगलवार सुबह दिल्ली को उत्तर प्रदेश और दिल्ली को हरियाणा से जोड़ने वाले राजमार्गों पर कई किलोमीटर लंबा जाम देखा गया क्योंकि पुलिस ने प्रदर्शनकारी किसानों को प्रवेश करने से रोकने के लिए सड़कों पर बैरिकेड्स, लोहे की कीलें, कंटेनरों की दीवारें, कंक्रीट स्लैब लगा दिए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में किसानों के विशाल मार्च से पहले कई बदलावों के कारण दिल्ली को उसके सेटेलाइट शहरों से जोड़ने वाले प्रमुख सीमा बिंदु अवरुद्ध हो गए। मंगलवार की सुबह दिल्ली-एनसीआर में यातायात कछुए की गति से रेंगता रहा क्योंकि पुलिस ने सिंघू, टिकरी, नोएडा और गाज़ीपुर सीमाओं पर कई परतों की बैरिकेडिंग लगा दी और बड़ी संख्या में लोगों को पैदल ही दिल्ली-हरियाणा और दिल्ली-गाज़ियाबाद के बीच सिंघू सीमा पार करनी पड़ी। यात्रियों को सड़कों पर कठिन समय का सामना करना पड़ा, बड़े पैमाने पर ट्रैफिक जाम से जूझना पड़ा, दिल्ली को भारी सुरक्षा घेरे में रखा गया है और दंगा-रोधी गियर में कर्मियों को रणनीतिक रूप से तैनात किया गया था और कई प्रमुख सड़कों तक पहुंच को नियंत्रित करने के लिए धातु और कंक्रीट के बैरिकेड लगाए गए थे। सिंघू और टीकरी बॉर्डर पर भारी बैरिकेडिंग और पुलिस चेकिंग के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सुबह 7 बजे से ही गाज़ीपुर, नोएडा, गाजियाबाद, सिंघु, गुरुग्राम और टिकरी बॉर्डर पर बंपर टू बंपर ट्रैफिक देखने को मिला। प्रदर्शनकारी किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोकने के लिए गाज़ीपुर, सिंघू और टिकरी सहित कई सीमा बिंदुओं पर किलेबंदी कर दी गई है। (शेष पेज 9)

अबू धाबी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान भारत के डिजिटल रूपे और डेबिट कार्ड पर आधारित जेवान कार्ड से लेन-देन के प्रत्यक्षदर्शी बने।

अयोध्या से अबू धाबी तक मोदी मंदिर अभियान पर

एजेंसी। अबू धाबी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ व्यापक बातचीत की जिसमें उन्होंने रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की, सहयोग के नए क्षेत्रों पर चर्चा की और उनकी उपस्थिति में एक द्विपक्षीय निवेश संधि समेत कई समझौतों पर दस्तखत हुए। मोहम्मद बिन जायद ने हवाई अड्डे पर मोदी की अगवानी की जहां उन्होंने एक दूसरे को गले लगाकर अभिनंदन किया। बाद में मोदी ने सलामी गारद का निरीक्षण किया। मोदी ने एक्स पर लिखा, अबू धाबी हवाई अड्डे पर मेरे स्वागत के लिए समय निकालने के लिए मेरे भाई मोहम्मद बिन जायद के प्रति अत्यंत आभारी हूं। प्रधानमंत्री के यहां पहुंचने पर दोनों नेताओं ने परस्पर आमने-सामने और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। उन्होंने द्विपक्षीय साझेदारी की समीक्षा की और सहयोग के नए क्षेत्रों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने व्यापार और निवेश, डिजिटल बुनियादी ढांचे, फिनटेक, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, संस्कृति और लोगों से लोगों के संबंधों सहित सभी क्षेत्रों में व्यापक रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने का स्वागत किया। चर्चा में क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दे भी शामिल रहे। प्रधानमंत्री ने यूएई के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक में अपने उद्घाटन वक्तव्य में कहा, मेरा और मेरे दल का भव्य स्वागत करने के लिए मैं आपका आभारी हूं। जैसा कि आपने कहा कि मैं जब भी यहां आया हूं, मैंने हमेशा महसूस किया है कि मैं अपने घर और परिवार में आया हूं। उन्होंने कहा, हम पिछले सात महीने में पांच बार मिले हैं। आज भारत और यूएई के बीच हर क्षेत्र में परस्पर साझेदारी है (शेष पेज 9)

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण कांग्रेस छोड़ भाजपा में हुए शामिल

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण कांग्रेस छोड़ने के एक दिन बाद मंगलवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। चव्हाण (65) को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले, पार्टी की मुंबई इकाई के प्रमुख आशीष शेलार और कैबिनेट मंत्री गिरीश महाजन समेत कई नेताओं की उपस्थिति में मुंबई स्थित पार्टी कार्यालय में भाजपा में शामिल किया गया। कांग्रेस में लगभग चार दशक बिताने वाले चव्हाण ने अपने राजनीतिक जीवन के नए चरण के बारे में कहा कि आज का दिन उनकी नई राजनीतिक यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री एस बी चव्हाण के बेटे अशोक चव्हाण ऐसे समय में भाजपा में शामिल हुए हैं जब ये अटकलें लगाई जा रही हैं कि उन्हें राज्यसभा का नामांकन दिया जा सकता है। जब चव्हाण से यह पूछा गया कि क्या उन्हें वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कोई फोन किया, तो उन्होंने इसका कोई जवाब नहीं दिया। आदर्श घोटाले को लेकर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत द्वारा उन पर निशाना साधे जाने पर चव्हाण ने अपना बचाव करते हुए कहा, बंबई उच्च न्यायालय ने मेरे पक्ष में फैसला दिया है। मैं कह सकता हूं कि यह एक राजनीतिक दुर्घटना थी। कुछ एजेंसियों ने अदालत के फैसले को चुनौती दी है। मैंने इसका बहुत सामना कर लिया है और मुझे नहीं लगता कि अब यह कोई चिंता का विषय है। पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने भी आदर्श हाउसिंग घोटाला मामला उठाते हुए सोमवार को अशोक चव्हाण पर निशाना साधते हुए कहा था कि अगर भाजपा उन्हें राज्यसभा भेजती है, तो यह शहीद सैनिकों का अपमान होगा।

आप ने कांग्रेस का कद छोटा किया दिल्ली में एक सीट की पेशकश की

राजेश कुमार। नई दिल्ली

लोकसभा चुनावों के लिए तैयार हो रही राजनीतिक शतरंज की बिसात के बीच आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को दिल्ली में छह सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की और कांग्रेस को सिर्फ एक सीट देने की पेशकश की। साथ ही इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटक से सहमत होने और सीट तय करने के लिए कहा। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि सीट बंटवारे पर 'प्रेस कॉन्फ्रेंस में फैसला नहीं किया जा सकता।' टीएमसी द्वारा अकेले चुनाव लड़ने का फैसला करने के बाद आप कांग्रेस को पछाड़कर अपना मन व्यक्त करने वाली तीसरी पार्टी है, जबकि जेडीयू और आरएलडी ने गठबंधन से बाहर निकलने का फैसला किया है। यह प्रस्ताव आप के इस दावे के बावजूद आया है कि कांग्रेस को अपने प्रदर्शन के आधार पर एक भी सीट की पात्र नहीं है। इससे पहले, आप ने घोषणा की थी कि वह पंजाब की 13 लोकसभा सीटों और चंडीगढ़ की एकमात्र सीट के लिए उम्मीदवारों की घोषणा करेगी। राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) ने पीएसी की बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'हम दिल्ली में छह सीटों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं और हाल के चुनावों में वोट शेयर के आधार पर कांग्रेस को एक सीट की पेशकश करना चाहते हैं। हम फिलहाल दिल्ली के लिए किसी भी उम्मीदवार की घोषणा नहीं कर रहे हैं, लेकिन अगर सीट-बंटवारे पर बातचीत जल्दी नहीं होती है तो हम दिल्ली की छह सीटों के लिए भी आप उम्मीदवारों की घोषणा करेंगे।'

2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की थी। 2019 के लोकसभा चुनावों में आप का वोट शेयर 18.1 प्रतिशत था और उसने तीसरा स्थान हासिल किया था, जबकि कांग्रेस को 22.5 प्रतिशत वोट मिले थे और सात लोकसभा सीटों में से पांच पर दूसरे स्थान पर थी। भाजपा को 56.5 फीसदी वोट शेयर हासिल हुआ था।

पाठक ने इस बात पर जोर दिया कि योग्यता के आधार पर कांग्रेस पार्टी दिल्ली में एक भी सीट की हकदार नहीं है, लेकिन 'गठबंधन के धर्म' को ध्यान में रखते हुए हम उन्हें दिल्ली में एक सीट की पेशकश कर रहे हैं। हम कांग्रेस पार्टी को एक सीट पर और आप को छह सीटों पर लड़ने का प्रस्ताव देते हैं।' उन्होंने दोहराया कि वे विपक्षी समूह इंडिया गुट का हिस्सा हैं। पाठक ने कहा कि वे एक महीने से अधिक समय से दिल्ली के लिए सीट बंटवारे पर बातचीत फिर से शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं लेकिन (कांग्रेस की ओर से) कोई संवाद नहीं हुआ है। '8 जनवरी और 12 जनवरी को कांग्रेस और आप के बीच दो आधिकारिक बैठकें हुईं। बातचीत अच्छे माहौल में हुई लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला।' उन्होंने कहा, 'इन दो आधिकारिक बैठकों के बाद पिछले एक महीने में कोई बैठक नहीं हुई है। हमें बताया गया कि कांग्रेस पार्टी को (भारत जोड़ो न्याय) यात्रा चल रही है और इसमें देरी होगी। इस दौरान हमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से मिलने का मौका मिला, लेकिन फिर भी उन्हें कोई जानकारी नहीं थी।' आप ने दिल्ली में अपने पिछले मजबूत चुनावी प्रदर्शन का लाभ उठाते हुए कांग्रेस के साथ बातचीत पर जोर दिया है, जहां उसने अधिकांश विधानसभा सीटें हासिल कीं। इस बीच, हाल के दिनों में कई चुनावी (शेष पेज 9)

वैश्विक श्रद्धालुओं से रामलला के दर्शन में विलंब करने का अनुरोध

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

अयोध्या में नवनिर्मित श्री राम लला के दर्शन के लिए प्रतिदिन देश के लाखों श्रद्धालुओं के आने से अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को सलाह दी जा रही है कि वे अपनी योजना को आगे बढ़ाते हुए भक्तों की भीड़ कम होने पर दर्शन को आएं। पर्यटन उद्योग के राष्ट्रीय निकाय, इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ) ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद से इस प्रतिष्ठित स्थल पर जाने के संबंध में प्रवासी भारतीयों और समान संस्कृति-उन्मुख विदेशियों के प्रश्नों में भारी वृद्धि हुई है। आईएटीओ के अध्यक्ष और उदय टूर्स एंड ट्रैवल्स के मालिक राजीव मेहरा ने पायनियर को बताया, राम मंदिर ने प्रवासी भारतीयों, मुख्य रूप से हिंदुओं के बीच बेहद उत्साह व श्रद्धा है। हालाँकि वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या का सही आंकड़ा उपलब्ध नहीं है (जो व्यक्तिगत रूप से आ रहे हैं)। अमेरिका, ब्रिटेन, फिजी, मलेशिया, सूरीनाम और पश्चिम कैरेबियन जैसे देशों से जहां भारतीयों की तीसरी और चौथी पीढ़ी निवास कर रही है, वहां के पर्यटकों के समूहों ने अयोध्या के राम मंदिर में रुचि देखी गई है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दुनिया भर में 30 मिलियन से अधिक एनआरआई हैं, आतिथ्य क्षेत्र के खिलाड़ियों का मानना है कि यदि रणनीतिक रूप से इसका दोहन किया जाए, तो इससे विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ावा देने के साथ-साथ देश के भीतर रोजगार पैदा करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि घरेलू पर्यटकों के विपरीत, विदेशी पर्यटकों की छुट्टियों की योजना आमतौर पर महीनों तक चलती हैं। एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रजनीश कायस्थ ने सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि अयोध्या क्षेत्र धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में दुनिया भर में मजबूती से उभर रहा है। अपने गहन सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व के साथ, नवनिर्मित राम मंदिर दुनिया भर के हिंदुओं के लिए एक केंद्र बिंदु बन गया है। एनआरआई इस प्रतिष्ठित स्थल पर आध्यात्मिक माहौल का अनुभव करने, अनुष्ठानों में भाग लेने और श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आकर्षित हो रहे हैं। पैराडाइज हॉलीडेज (आई) प्राइवेट लिमिटेड की प्रमुख कायस्थ ने मेहरा की भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, रुचि बढ़ने के साथ, एनआरआई अयोध्या और उसके आसपास की यात्रा व्यवस्था पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, वास्तव में 2022 में, हमने अयोध्या को एक धार्मिक पर्यटन हॉटस्पॉट के रूप में प्रचारित किया था और टूर ऑपरेटरों को इस क्षेत्र में पारिवारिक यात्राओं पर ले गए थे ताकि उन्हें उत्पाद तैयार होने से पहले उसके बारे में जानकारी हो। (शेष पेज 9)

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से इंदिरा गांधी और नरगिस दत्त के नाम हटाए गए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के लिए विभिन्न श्रेणियों में दिए जाने वाले पुरस्कारों को तर्कसंगत बनाने के उद्देश्य से 'सर्वश्रेष्ठ पहली फिल्म के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार' और 'राष्ट्रीय एकता पर सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए नरगिस दत्त पुरस्कार' का नाम बदल दिया गया है। इंदिरा गांधी पुरस्कार का नाम अब 'निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ पहली फिल्म' कर दिया गया है, जबकि 'नरगिस दत्त पुरस्कार' को अब राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म' कहा जाएगा। एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। सत्तरहवें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2022 के नियम विभिन्न श्रेणियों में दिए जाने वाले पुरस्कारों को तर्कसंगत बनाने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा गठित एक समिति के सुझाए परिवर्तनों को दर्शाते हैं। इन बदलावों में दादा साहब फाल्के पुरस्कार सहित नकद पुरस्कारों में बढ़ोतरी और कई पुरस्कारों को शामिल किया जाना शामिल है।

यह पता चला कि ये परिवर्तन करने का निर्णय अंतत: सर्वसम्मति से लिया गया था। फिल्म निर्माता प्रियदर्शन, जो पैनल के सदस्य भी हैं, उन्होंने मीडिया को बताया कि उन्होंने दिसंबर में अपनी अंतिम सिफारिशें दी थीं। उन्होंने कहा, मैंने ध्वनि जैसे

तकनीकी विभाग में कुछ सिफारिशें की हैं। 2022 के राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियाँ 30 जनवरी को बंद हो गईं। महामारी के कारण पुरस्कार एक साल देरी से चल रहे हैं और 2021 के राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 में दिए जा रहे हैं। समिति द्वारा सुझाए गए और विनियमों में शामिल परिवर्तनों के अनुसार, निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ पहली फिल्म के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार का नाम बदलकर निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ पहली फिल्म कर दिया गया है। पुरस्कार राशि, जो पहले निर्माता और निर्देशक के बीच विभाजित होती थी, अब केवल निर्देशक के पास जाएगी।

इसी तरह, राष्ट्रीय एकता पर सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए नरगिस दत्त पुरस्कार को अब राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म कहा जाएगा। यह श्रेणी सामाजिक मुद्दों और पर्यावरण संरक्षण के लिए पुरस्कार अनुभागों को भी एक में मिला देती है। समिति की अध्यक्षता सूचना और प्रसारण (आई एंड बी) मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव नीरजा शेखर ने की थी। इसमें फिल्म निर्माता प्रियदर्शन, विपुल शाह, हाओबम पबन कुमार, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के प्रमुख प्रसून जोशी, छायाकार एस नल्लामुथु के साथ-साथ संयुक्त सचिव पृथुल कुमार और मंत्रालय के निदेशक (वित्त) कमलेश कुमार सिन्हा शामिल थे। इस वर्ष आयोजित होने वाले पुरस्कारों के 70वें संस्करण के लिए प्रविष्टियाँ उस समिति की सिफारिशों के आधार पर मांगी गई थीं, जिसने सम्मानों की समीक्षा की और उन्हें तर्कसंगत बनाया।

दादा साहब फाल्के पुरस्कार के लिए पुरस्कार राशि 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 15 लाख रुपये कर दिया गया है। यह पुरस्कार हर साल भारतीय सिनेमा में उत्कृष्ट योगदान देने लए प्रमुख फिल्म हस्ती को दिया जाता है। इसके अलावा, विभिन्न श्रेणियों में स्वर्ण कमल पुरस्कारों के लिए पुरस्कार राशि बढ़ाकर 3 लाख रुपये और रजत कमल विजेताओं के लिए 2 लाख रुपये कर दी गई है। पहले, पुरस्कार राशि अलग-अलग श्रेणी के हिसाब से अलग-अलग होती थी। स्वर्ण कमल पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ फिल्म, पहली फिल्म, भरपूर मनोरंजन प्रदान करने वाली फिल्म, निर्देशन और बच्चों की फिल्म की श्रेणियों में प्रदान किया जाता है। रजत कमल राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सभी अभिनय श्रेणियों, सर्वश्रेष्ठ पटकथा, संगीत और ऐसी अन्य श्रेणियों के विजेताओं को दिया जाता है।

एक और उल्लेखनीय बदलाव में, 'सर्वश्रेष्ठ एनीमेशन फिल्म' और 'सर्वश्रेष्ठ विशेष प्रभावों' के पुरस्कार को दो उप-श्रेणियों के साथ सर्वश्रेष्ठ एवीजीसी (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स) फिल्म नामक एक नई श्रेणी के तहत जोड़ा गया है। 'सर्वश्रेष्ठ ऑडियोग्राफी' श्रेणी, जिसमें लोकेशन साउंड रिकॉर्डिस्ट, साउंड डिजाइनर और अंतिम मिश्रित ट्रैक के रिकॉर्डिस्ट को सम्मानित करने वाली तीन उप-श्रेणियां थीं, अब सर्वश्रेष्ठ साउंड डिजाइन के रूप में जानी जाएगी। पुरस्कार राशि, (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 14 फरवरी, 2024

अवैध निर्माण करने वालों को नहीं मिलेगा बिजली का कनेक्शन

- ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में अवैध निर्माण रोकने के लिए प्राधिकरण ने कमर कस ली है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार की अध्यक्षता में प्राधिकरण में बैठक हुई, जिसमें डीएम मनीष वर्मा सहित जिला प्रशासन, एनपीसीएल, यूपीपीसीएल और पुलिस महकमों के अधिकारी शामिल हुए। इस बैठक में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया में अवैध निर्माण करने पर विद्युत कनेक्शन न देने का निर्णय लिया गया।

अधिसूचित एरिया में अवैध निर्माण को रोकने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से लगातार प्रयास किया जा रहे हैं। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर अभियान चलाकर अवैध निर्माण को तोड़ा जा रहा है। प्राधिकरण की टीम रोजाना अलग.अलग जगहों पर जाकर अवैध निर्माण को ढहाने के साथ ही कालोनाइजरों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करा रही है। अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई को और प्रभावी बनाने के लिए सीईओ की पहल पर सोमवार को प्राधिकरण में बैठक हुई। इस बैठक में डीएम मनीष वर्मा सहित जिला प्रशासन, एनपीसीएल, यूपीपीसीएल और पुलिस महकमों के कई अधिकारीगण शामिल हुए, जिसमें निर्णय लिया गया कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया में अवैध निर्माण करने पर विद्युत कनेक्शन नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही विद्युत कनेक्शन के लिए आवेदनों को एनपीसीएल/यूपीपीसीएल ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को भेजेंगे।

प्राधिकरण से एनओसी दिए जाने पर विद्युत कनेक्शन मिलेगा। विद्युत कनेक्शन के आवेदनों पर निर्णय लेने के लिए हर शुक्रवार को शाम चार बजे ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में संयुक्त समिति की बैठक होगी, जिसमें प्राधिकरण के संबंधित अधिकारी के साथ ही एनपीसीएल/यूपीपीसीएल संबंधित एसडीएम व एसीपी शामिल होंगे। यही समिति उन आवेदनों पर बैठक करेगी। इसके साथ ही जहां भी अवैध निर्माण हुए हैं उन एरिया को चिंहित कर उनके खिलाफ नियमित रूप से कार्रवाई करने के लिए अभियान चलाया जाएगा। आवेदकों को सुविधा प्रदान करने के लिए जल्द ही एक पोर्टल बनाया जाएगा।

यह सिंगल विंडो सिस्टम की तरह काम करेगा। इसी पोर्टल पर उपभोक्ता ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने अपील की है कि कालोनाइजरों और भूमाफियाओं के बहकावे में आकर अपनी गाढी कमाई न फंसाएं। अधिसूचित एरिया में किसी भी निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा। इस बैठक में एसीईओ मेधा रूपम, एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग, एसीईओ सुनील कुमार सिंह, ओएसडी हिमांशु वर्मा, ओएसडी विशु राजा, एनपीसीएल के जीएम सारनाथ गांगुली समेत अलग.अलग महकमों के तमाम वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

खाली प्लाट में बने सेफ्टी टैंक में गिरा बच्चा, मौत

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना इंदिरापुरम इलाके में एक खाली प्लॉट में बने सेफ्टी टैंक में 3 साल का बच्चा डूब गया। सेफ्टी टैंक के बराबर में टॉयलेट है जहां बच्चे की मां गई थी। मां के पीछे-पीछे जाता बच्चा सेफ्टी टैंक में डूब गया। जब बच्चे को तलाश करना शुरू किया तो कई घंटे बाद बच्चे का शव सेफ्टी टैंक में मिला।

गाजियाबाद में 3 साल का अंशु अपनी मां के साथ थाना इंदिरापुरम के मकनपुर इलाके में रहता है। अंशु की दादी मीरा ने बताया कि जहां यह परिवार रहता है वही खाली प्लॉट में सेफ्टी टैंक बना हुआ है।

अंशु की मां टॉयलेट गई तो उसके पीछे-पीछे अंशु भी चला गया। अंशु सेफ्टी टैंक में डूब गया। अंशु की मां जब टॉयलेट से आई तो उसे जब कहीं अंशु दिखाई नहीं दिया तो उसकी खोजबीन शुरू की गई। कई घंटे की खोजबीन के बाद लोगों का ध्यान सेफ्टी टैंक की तरफगया। जब सेफ्टी टैंक को देखा गया तो उसमें अंशु का पैर दिखाई दिया।

नोएडा में 30 करोड़ रुपये की जमीन को कब्जा मुक्त कराया

- प्राधिकरण की जमीन पर हो रही थी अवैध प्लाटिंग

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के सेक्टर-138 स्थित इला बांस गांव में प्राधिकरण ने जेसीबी चलाया। यहां 5000 वर्गमीटर से ज्यादा जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया। इस जमीन की लागत करीब 30 करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

कलोनाइज़र ने गांव के खसरा नंबर.215, 216, 413, 414 और 415 जमीन पर कब्जा किया और अवैध रूप से प्लाटिंग की। प्लाट को बेचा गया। अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण के समय कब्जा करने वाले कलोनाइज़र फरार हो गए। जिनको चिह्नित किया जा रहा है। इनके खिलाफ कानूनी एक्शन लिया जाएगा। प्राधिकरण ने एडवाइजरी की इस तरह से किसी कलोनाइज़र के फेर में नहीं फंसे। प्राधिकरण को जानकारी मिली थी कि नोएडा के इला बांस गांव में बड़े स्तर पर अवैध प्लाटिंग की जा रही है। इसके बाद प्राधिकरण पुलिस और जेसीबी के साथ मौके पर पहुंची। करीब दो से तीन घंटे तक चले अभियान में यहां बनाए गए प्लाट, निर्माण और कब्जा की जमीन को मुक्त कराया गया। इस जमीन पर प्राधिकरण ने अपना बोर्ड लगाया साथ से फेंसिंग कराकर अपने कब्जे में लिया। दरअसल ये जमीन मास्टर प्लान 2031 के अनुसार नियोजित की गई है। इसलिए जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि कब्जा करने वाले नोएडा या आसपास के नहीं है। बल्कि ये बाहरी है। इन लोगों यहां अवैध निर्माण और कब्जा कर प्लाटिंग की। यही नहीं कई लोगों को सस्ती जमीन का लालच देकर बेचा भी है। इनका पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

बाइक पर जा रहे दंपति को कार ने कुचला

- दोनों की मौत, बच्ची घायल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

अलग-अलग स्थानों पर बेलगाम वाहनों की चपेट में आने से पति-पत्नी सहित चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसों के बाद दुर्घटना के आरोपी वाहन चालक मौके से फरार हो गए हैं। ग्राम भंगेल निवासी रंजन कुमार सिंह अपनी पत्नी रूबी कुमारी व बेटी मिल्की के साथ बाइक से जा रहे थे। सेक्टर 31/25 के चौराहे पर बीती रात्रि तेज गति में आ रही एक आई-10 कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि रंजन कुमार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि उनकी पत्नी रूबी कुमारी और मिल्की गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची थाना सेक्टर-24 पुलिस ने घायल रूबी व मिल्की को सेक्टर-71 स्थित कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया।

रूबी कुमारी की भी मौत हो गई। जबकि मिल्की की हालत गंभीर बनी हुई है। इस संबंध में मृतक के बेटे अतुल कुमार सिंह ने अज्ञात कार चालक के खिलाफथाना सेक्टर-24 में मुकदमा दर्ज कराया है। थाना प्रभारी का कहना है कि कार नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

थाना बादलपुर क्षेत्र के जीटी रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर स्थिति में पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों से मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान हरदोई निवासी रजनीश पुत्र अनिल के रूप में हुई।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा में आयोजित ग्रैंड मैराथन में शामिल प्रतिभागी।

ग्रैंड मैराथन में 300 से अधिक लोग दौड़े

नोएडा। नोएडा में मंगलवार को ग्रैंड मैराथन का आयोजन किया गया। इस 8वें संस्करण में 3000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और बेहतर फिटनेस का संदेश दिया। इस मैराथन का आयोजन सीआरसी समूह के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के महोत्सव के दूसरे दिन उत्तर प्रदेश ट्रैफिक पुलिस, पीकू स्पोर्ट्स के सहयोग से किया गया। मैराथन के दूसरे दिन नोएडा के डीसीपी राम बदन सिंह ने 10 किलोमीटर की दौड़ को हरी झंडी दिखाकर मैराथन की शुरुआत की। वहीं सीआरसी समूह के संस्थापक और सीएमडी सतीश गर्ग ने सीआरसी समूह के निदेशक सलिल कुमार के साथ 21.1 किलोमीटर की हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाई।

दसवीं के छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

नोएडा। थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र के जलपुरा गांव में एक दसवीं कक्षा के छात्र ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मूल रूप से उत्तराखंड निवासी राजेश कुमार अपने परिजनों के साथ जलपुरा गांव में किराए पर रह रहे हैं। सोमवार को वह ड्यूटी पर चले गए घर पर उनका 16 वर्षीय बेटा मनोज काल्पनिक नाम व उनकी पत्नी थे। किसी कार्य से राजेश कुमार की पत्नी घर से बाहर चली गई कुछ समय बाद जब वापस लौटी तो उन्हें मनोज फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। उन्होंने पड़ोसी की मदद से उसे फंदे से नीचे उतारा लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची थाना ईकोटेक 3 पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। थाना प्रभारी का कहना है कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है प्रारंभिक जांच पता चला है कि मनोज पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था।

पीजी में लटका मिला युवक का शव

नोएडा। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के हाजीपुर गांव में पी जी चलाने वाले एक युवक का शव कमरे में लटका हुआ मिला। युवक के पार्टनर इसे आत्महत्या बता रहे हैं। वहीं परिजनों का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है परिजन उसके पार्टनरों पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। ग्राम चिरोड़ी निवासी दीपक बैंसला अपने दो साथियों के साथ मिलकर हाजीपुर गांव में पी जी चला रहा था। सोमवार को दीपक बैंसला पीजी के एक कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। सूचना थाना सेक्टर 39 पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	पंकज बहुगुणा/ शिवानी बहुगुणा/ LBDEL00002049284	यूनिट नंबर-एच3-504, 5वीं मंजिल, टॉवर-एच3, एल्डिको हिलसाइड, निक (एम), नीमराना, प्लॉट नंबर जीएच-12-238, अलवर- 301001/ फरवरी 12, 2024	जुलाई 31, 2023 रु. 18,95,978.00/-	दिल्ली/ अलवर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : फरवरी 14, 2024
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

रुंगटा इरीगेशन लिमिटेड

Rungta Irrigation Limited

रजि. कार्यालयः 101, प्रगति टावर 26, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली 110008
फोनः 011-40453330,31,32, ई-मेलः cs@rungtairrigation.in, वेबसाइटः www.rungtairrigation.in
सीआईएनः L74899DL1986PLC023934

31-12-2023 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए स्टैंडअलोन अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण

(लाख रूपये में)

विवरण	तिमाही समाप्ति हेतु			नौ माह समाप्ति हेतु		वर्ष समाप्ति
	31.12.2023 अलेखापरीक्षित	30.09.2023 अलेखापरीक्षित	31.12.2022 अलेखापरीक्षित	31.12.2023 अलेखापरीक्षित	31.12.2022 अलेखापरीक्षित	31.03.2023 लेखापरीक्षित
संचालनों से कुल आय	4200.79	3137.80	4344.05	9997.23	8659.85	13192.49
अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पूर्व, आपवादिक और/या असाधारण मद)	200.84	136.37	198.12	601.76	263.85	400.91
कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मद पश्चात्)	200.84	136.37	198.12	601.76	263.85	400.91
कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मद पश्चात्)	150.27	102.55	148.26	450.87	197.38	298.32
अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	150.45	102.67	148.79	451.04	197.64	322.89
इक्विटी शेयर पूंजी	1992.35	1992.35	885.61	1992.35	885.61	1659.52
रिजर्व (पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर) जैसा कि पिछले वर्ष लेखापरीक्षित तुलन पत्र में दर्शाया है	-	-	-	-	-	-
प्रति शेयर आय (प्रत्येक 10 रुपये का) (जारी और बंद किए गए परिचालन हेतु)- 1. मूलभूत	1.19	0.81	1.67	3.56	2.23	2.93
2. तरलीकृत	1.19	0.81	1.67	3.56	2.23	2.93

- उपरोक्त वित्तीय परिणामों की समीक्षा लेखापरीक्षा समिति द्वारा की गई है और 12 फरवरी, 2024 को आयोजित बैठक में निदेशक मंडल द्वारा रिकॉर्ड पर लिया गया है।
- उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग और अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों के साथ दायर किए गए त्रैमासिक और अर्धवार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सारांश है। त्रैमासिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.bseindia.com पर उपलब्ध है।

कृते रुंगटा इरिगेशन लिमिटेड
हस्ता/-
श्रुति रुंगटा
कार्यकारी निदेशक
डीआईएनः00229045

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 12.02.2024

शुद्धिपत्र

मैसर्स सुपीरियर फिनलीज लिमिटेड के यूएफआर विज्ञापन में, जो 13-02-2024 को प्रकाशित हुआ, के संदर्भ में बिंदु 8 को प्रति शेयर आय (प्रति रु. 10/- का) के स्थान पर "**प्रति शेयर आय (रु. 1/- का)**" के रूप में पढ़ा जाए। इस असुविधा के लिए खेद है।

PUBLIC NOTICE

Be known to all that my client Mohd. Shakeel S/o Mohd. Zalud R/o 1718, Hauz Suiwalan, Daryaganj, Delhi- 110002, has inherited and debarred his daughter namely Ms. Subhana from all his movable and immovable properties, assets etc. and has severed all out relations with her as she is no long in control of my client. If anyone deals with her in any manner whatsoever, my client shall not be responsible for any of act and omission done by her in any manner whatsoever.

Sd/-
Akbar Rashid, Advocate. Ch No- C-163, C.L.Joseph Block Tis Hazari Court Delhi-110054

कैमक कमर्शियल कंपनी लिमिटेड

रजि. कार्यालयः प्रथम तल, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली - 110002
कॉर्पोरेट पहचान सं. L70109DL1980PLC169318
फोनः - 7303495374, ई-मेल-camaccommercial@gmail.com,
वेबसाइट - www.camaccommercial.com

31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का सारांश
(प्रति शेयर डेटा को छोड़कर लाख रुपये में)

क्र. सं.	विवरण	स्टैंडअलोन			
		तिमाही समाप्ति दिसम्बर 31, 2023 (अलेखापरीक्षित)	नौ माह समाप्ति दिसम्बर 31, 2023 (अलेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्ति दिसम्बर 31, 2022 (अलेखापरीक्षित)	वर्ष समाप्ति मार्च 31, 2023 (लेखापरीक्षित)
1.	संचालनों से कुल आय	167.23	271.83	45.97	343.41
2.	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पूर्व और आपवादिक मद)	130.59	91.99	17.39	140.65
3.	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पूर्व और आपवादिक मद)	130.59	91.99	17.39	(329.45)
4.	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) और आपवादिक मदे	115.78	77.92	17.47	(329.25)
5.	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	(2,704.81)	(3,755.75)	2,151.22	14,976.80
6.	इक्विटी शेयर पूंजी	88.28	88.28	88.28	88.28
7.	अन्य इक्विटी				1,73,162.50
8.	प्रत्येक 10 रुपये के प्रति शेयर आय (क) मूलभूत (रु. में)	13.12	8.83	1.98	(37.30)
	(ख) तरलीकृत (रु. में)	13.12	8.83	1.98	(37.30)

टिप्पणियाँ:
1. उपरोक्त वित्तीय परिणामों की लेखापरीक्षा समिति द्वारा समीक्षा की गई है और 13 फरवरी, 2024 को आयोजित उनकी संबंधित बैठकों में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित और रिकॉर्ड पर लिया गया है।
2. उपरोक्त 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए सेबी (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों के साथ दायर किए गए अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सारांश है। कंपनी के वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है और इसे 13 फरवरी, 2024 को कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को भी भेजा गया है।

बोर्ड के आदेश द्वारा
कृते कैमक कमर्शियल कंपनी लिमिटेड
हस्ता/-
(मोनिशा सराफ)
निदेशक
डीआईएनः 07503642

स्थानः नई दिल्ली
तिथिः 13 फरवरी, 2024

माई मनी सिक्योरिटीज लिमिटेड

CIN: L67120DL1992PLC047890
पंजीकृत कार्यालय : 10 ए, अंडरहिल लेन, सिविल लाइस, दिल्ली-54
ई मेल आई डी : mymoneyviews@outlook.com, फोन नं. : 011-23937870, 23930655
31 दिसम्बर, 2023 को समाप्त तिमाही एवं नौ महीने के लिए एकल अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम
(राशि लाख में)

क्र. सं.	विवरण	समाप्त तिमाही 31.12.2023 अलेखापरीक्षित	समाप्त तिमाही 30.09.2023 अलेखापरीक्षित	समाप्त तिमाही 31.12.2022 अलेखापरीक्षित	समाप्त नौ महीने 31.12.2023 अलेखापरीक्षित	समाप्त नौ महीने 31.12.2022 अलेखापरीक्षित	समाप्त वर्ष 31.03.2023 लेखापरीक्षित
1	प्रचालनो से कुल आय (शुद्ध)	73.46	87.99	17.73	189.44	63.45	101.51
2	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (कर विशिष्ट और/या असाधारण मदों के पूर्व)	40.49	60.36	(4.79)	103.31	(4.04)	12.07
3	कर पश्चात अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (विशिष्ट और/या असाधारण मदों के पश्चात)	31.98	47.31	(47.79)	81.20	(4.04)	26.34
4	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु निहित लाभ/हानि (कर के बाद)]	31.98	47.31	(47.79)	81.20	(4.04)	26.34
5	इक्विटी शेयर कैपिटल	1680.03	1680.03	1680.03	1680.03	1680.03	1680.03
6	प्रति शेयर अर्जन (रु 10/- प्रत्येक के) (अवधि के लिए-वार्षिकीकृत नही) मूल	0.191*	0.282*	(0.033)*	0.484*	(0.028)*	0.162
	तनुकृत	0.191*	0.282*	(0.033)*	0.484*	(0.028)*	0.162

टिप्पणी :
उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग और अन्य धोषणा आवश्यकताए) नियमनों 2015 के नियमन 33 के अनुरुप स्टॉक एक्सचेजेज के पास दायर किये गये तैमाहिक/वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारुप का एक सार है। तैमाहिक/वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण स्टॉक एक्सचेज वेबसाइट्स (www.bseindia.com) और कम्पनी की वेबसाइट्स www.mymoneyviews.com पर उपलब्ध है।

कृत्ते व निदेशक मंडल की ओर से
हस्ता/-
संजय सेठ
पूर्वकालिन निर्देशक
डीआईएन : 00350518

स्थान : दिल्ली
दिनांक : 13.02.2024

रोटोग्राफिक्स (इंडिया) लिमिटेड

CIN : L74899DL1976PLC008036
पंजी. कार्या : यूनिट नं. 8, ग्राउंड फ्लोर पॉकेट-एम, सरिता विहार, नई दिल्ली 110076
फोन नं. : 011-47366600, ईमेल आईडी : info@rotoindia.co.in, वेबसाइड : www.rotoindia.co.in
31 दिसम्बर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए अनंकेक्षित वित्तीय परिणामों का सार
(लाखों मे)

	विवरण (नीचे टिप्पणी देखें)	समाप्त तिमाही (31.12.2023) (अनंकेक्षित)	तिथि तक वर्ष के आंकडे (31.12.2023) (अनंकेक्षित)	पूर्व वर्ष समाप्त तत्स्थानीय 3 महीने (31.12.2022) (अनंकेक्षित)
1.	परिचालनों से कुल आय	1.27	42.03	1.27
2.	अवधि के लिये शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, विशिष्ट एवं/अथवा असाधारण मदों से पूर्व*)	(1.55)	(2.72)	(1.46)
3.	कर से पूर्व अवधि के लिये शुद्ध लाभ/(हानि) (विशिष्ट एवं/अथवा असाधारण मदों के बाद*)	(1.55)	(2.72)	(1.46)
4.	कर से बाद अवधि के लिये लाभ/(हानि) (विशिष्ट एवं/अथवा असाधारण मदों के बाद)	(1.55)	(2.72)	(1.46)
5.	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु कर के बाद) लाभ/हानि एवं व्यापक आय (कर के बाद) से शामिल)	(1.55)	(2.72)	(1.46)
6.	इक्विटी शेयर पूंजी	360.13	360.13	360.13
7.	आरक्षित (पूर्व वर्ष के अंकेक्षित तुलन पत्र के अनुसार पुनर्मूल्यांकन आरक्षितों के अतिरिक्त आरक्षित	0.00	0.00	0.00
8.	आय प्रति शेयर (रु 10/- प्रति का) (जारी तथा अवरुद्ध प्रचालनों के लिए) 1. मूल	-0.04	-0.08	-0.04
	2. तरल	-0.04	-0.08	-0.04

टिप्पणी :
1. उपरोक्त विवरण सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल की गई तिमाही वित्तीय परिणामों के सम्पूर्ण विवरण प्रारुप का सार है। तिमाही वित्तीय परिणामों का सम्पूर्ण प्रारुप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट www.bseindia.com तथा कम्पनी की वेबसाइट www.rotoindia.co.in. पर उपलबध है।
2. वित्तीय परिणाम कंपनी (भारतीय लेखा मानक) (संशोधन) नियम, 2016 द्वारा संशोधित कंपनी (भारती लेखा मानक) नियम, 2015 के तहत अधिसूचित भारतीय लेखा मानक (आईएनडी एएस) के अनुसार तैयार किए गए है।
3. उपरोक्त अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों की लेखापरीक्षा समिति द्वारा समीक्षा की गई और 12.02.2024 को आयोजित बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया।

कृत्ते रोटोग्राफिक्स (इंडिया) लिमिटेड
हस्ता/-
नाम : मनीष कुमार कोरी
पदनाम : निदेशक
डीआईएन : 10426839

दिनांक : 12.02.2024

परीक्षा सेंटरों पर नहीं लगे सीसीटीवी तो प्रिंसिपल पर होगी कार्रवाई

नोएडा। नकल विहीन तथा पारदर्शी तरीके से यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा कराने के लिए प्रदेश सरकार सख्त है। कल 14 फरवरी तक परीक्षा केन्द्रों पर विजिबल सीसीटीवी/डीवीआर न लगाने वाले परीक्षा केंद्रों तथा वहां के प्रिंसिपल पर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी तथा 3 वर्ष तक परीक्षा केन्द्र प्रतिबंधित घोषित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश भर में 22 फरवरी से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं की शुरुआत होने जा रही है जो कि 9 मार्च तक चलेंगी।

माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने बताया कि वर्ष 2024 की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षाओं के परीक्षा केंद्रों की परिषद कार्यालय में स्थापित कमांड एंड कंट्रोल रूम से ऑनलाइन मॉनिटरिंग किया जाना है।

परीक्षा केंद्रों के स्ट्रांग रूम को परिषद के कंट्रोल रूम से जोड़ा गया है। इसमें गौतमबुद्धनगर कई जनपदों में कुछ ऐसे परीक्षा केंद्र चिन्हित हुए हैं जिनके स्ट्रांग रूम के सीसीटीवी कैमरे डीवीआर कंट्रोल रूम से विजीबल नहीं है।

Public Notice

This is to inform the general public that M/s Raj industries through its prop. Mr. Ajeet Kumar Singh is the sole owner of Property bearing no. 40, area measuring 208.0 sq. mtrs., situated in Block B of Sector 8, NOIDA, Distt. Gautam Budh Nagar NOIDA. This ownership was legally acquired through a Transfer Cum Sale Deed dated 07.04.2021 vide doc no. 1956, executed by M/s SS Engineering works.

The above said owners have misplaced the Original Transfer cum Sale Deed dated 12-02-2007 Doc. No.722 executed by Mr. Dev Raj Pahuja in favour of M/s Alok Udyog. Anyone who finds the above-mentioned documents, kindly handover the same to the Manager of **HDFC Bank Ltd. Moti Nagar. M/s Raj industries through its prop. Mr. Ajeet Kumar Singh is currently in the process of mortgaging the aforementioned property with HDFC Bank Ltd. Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 7 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 7-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.** If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 7-day period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683 /4562809; e-mail: accounts@lvnorth.in**

कामा होल्डिंग्स लिमिटेड

KAMA Holdings

सीआईएनः L92199DL2000PLC104779
पंजीकृत कार्यालयः द गैलेरिया, डीएलएफ मयूर विहार, यूनिट नं. 236 और 237, दूसरी मंजिल, मयूर प्लेस, नोएडा लिंक रोड, मयूर विहार फेज I एक्सटेंशन, दिल्ली - 110091
कॉर्पोरेट कार्यालयः ब्लॉक सी, सेक्टर 45, गुड़गांव-122003, दूरभाष नं. (+91-11) 49482870 • फैक्सः (+91-11) 49482900
ईमेलः info@kamaholdings.com; वेबसाइटः www.kamaholdings.com

दिनांक 31.12.2023 को समाप्त तिमाही और नौ माह हेतु
अलेखापरीक्षित स्टैंडअलोन एवं समेकित वित्तीय परिणामों का सारांश
(लाख रूपये में)

क्र. सं.	विवरण	स्टैंडअलोन				समेकित			
		तिमाही समाप्ति		नौ माह समाप्ति		तिमाही समाप्ति		नौ माह समाप्ति	
		31.12.23	31.12.22	31.12.23	31.12.22	31.12.23	31.12.22	31.12.23	31.12.22
		अलेखापरीक्षित				अलेखापरीक्षित			
		(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1	संचालनों से कुल आय	849.42	6.97	6237.32	20035.89	307583.45	350322.71	964460.92	1130647.08
2	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि)	709.61	(29.01)	6056.65	19962.28	35356.76	64802.67	126494.83	226065.67
3	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि)	530.89	(20.57)	5852.94	19523.30	25464.38	52447.74	91603.99	175865.86
4	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	530.87	(20.49)	5852.39	19523.06	35729.00	63252.45	106068.99	154715.07
5	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी	3209.06	645.26	3209.06	645.26	3209.06	645.26	3209.06	645.26
6	प्रति शेयर आय (प्रत्येक 10 रुपये का)								
	(क) मूलभूतः	1.65	(0.06)	18.24	60.77	40.25	84.51	144.50	300.84
	(ख) तरलीकृतः	1.65	(0.06)	18.24	60.77	40.25	84.51	144.50	300.84

टिप्पणीः- उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग और अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताओं) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों के साथ दायर त्रैमासिक/वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सारांश है। त्रैमासिक/वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइटों (www.bseindia.com) और कंपनी की वेबसाइट (www.kamaholdings.com) पर उपलब्ध है।

बोर्ड और उसकी ओर से
कार्तिक भरत राम
अध्यक्ष
(डीआईएनः 00008557)

स्थानः गुरूग्राम, हरियाणा
दिनांकः 13.02.2024

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	हरद्वारीलाल मदन गोपाल/ अंकित गर्ग/ शिखा गर्ग/ पुलकित गर्ग/ अमय गर्ग/ सुनीता गर्ग/ स्वाति गर्ग/ 072151000005	बियरिंग नगर पालिका संख्या-09-ए नई मंडी, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश/ फरवरी 09, 2024	अक्टूबर 05, 2023 रु. 1,32,73,923.00/-	नोएडा

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : फरवरी 14, 2024
स्थान : नोएडा

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

मेट्रो स्टेशन के बाहर लंबी कतार....

लालकिले की मुख्य सड़क पर लेग बैरिकेड....

फोटोः रंजन डिमरी

सीमा पर दिन भर जूझते रहे लोग, देर से पहुंचे दफ्तर

कई स्तर पर बैरिकेड लगाने से एक समय में केवल दो वाहन ही गुजर पा रहे थे

संजय राय, रिंकू यादव। नई दिल्ली/ नोएडा

न्यूनतम समर्थन मूल्य समेत कई मांगों को लेकर किसान संगठनों दिल्ली चलो मार्च को रोकने के लिए दिल्ली की सिंघू को बंद कर दिया और टिकरी, गाजीपुर सीमाओं पर कई स्तर पर बैरिकेड लगाए थे। इसकी वजह से दिल्ली - एनसीआर में यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। सुबह से ही कई इलाकों में भीषण जाम लग गया है। दफ्तर जाते हुए लाखों लोग रास्ते में घंटों फंसे रहे।

किसानों के प्रवेश को रोकने के लिए दिल्ली को किले में तब्दील कर दिया गया। पुलिस ने शहर के सीमा बिंदुओं पर कई चरणों में बैरिकेड लगाने के अलावा कंक्रीट ब्लॉक, लोहे की कीलें और कंटेनर की दीवारें बनाकर सुरक्षा बढ़ा दी है। सुबह सात बजे से ही गाजीपुर, सिंघु और टिकरी बॉर्डर पर वाहन बेहद धीमी गति से चलते नजर आए। कम से कम एक घंटे तक जाम में फंसी रहीं जूली लॉरेंस ने कहा, मुझे आज होने वाले किसानों के मार्च के बारे में पता था और वह गुरुग्राम के सेक्टर-29 स्थित अपने घर से एक घंटे पहले कार्यालय के लिए निकली थी। यातायात की स्थिति को देखकर ऐसा लगता है कि जल्दी निकलने के बावजूद, मैं मध्य दिल्ली में अपने कार्यालय में कुछ घंटे देरी से पहुंच सकूंगी।

यह देखते हुए कि कामकाजी घंटों के दौरान हर दिन दिल्ली और गुड़गांव के बीच दो लाख से अधिक लोग यात्रा करते हैं, एक यातायात पुलिस अधिकारी ने लोगों को मेट्रो सेवाओं का उपयोग करने की सलाह दी। गाजीपुर बॉर्डर पर नोएडा और दिल्ली को जोड़ने वाले प्रमुख हिस्से के आधे भाग पर बैरिकेड लगे होने के कारण एक समय में केवल दो वाहन ही गुजर पा रहे थे। गाजीपुर बॉर्डर के पास पुलिस ने लिंक सड़कों को बंद कर दिया था और वाहन एक कतार में चल रहे थे। एक अन्य यात्री कृतिका शर्मा ने कहा कि वह सुबह छह बजे अपने दफ्तर के लिए निकली थीं लेकिन 9 बजे तक भी जाम में फंसी रहीं। सिंघू और टिकरी बॉर्डर पर भी वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं।

दिल्ली मेट्रो के आठ स्टेशन पर एक या उससे अधिक प्रवेश व निकासी गेट मंगलवार को सुबह बंद कर दिए गए। कई स्टेशन राजीव चौक, मंडी हाउस, केंद्रीय सचिवालय, पटेल चौक, उद्योग भवन, जनपथ और बाराखंभा रोड पर कुछ गेट बंद कर दिए गए हैं। पुलिस के निर्देश पर सुरक्षा कारणों के लिए गेट बंद कर दिए गए हैं। खान मार्केट मेट्रो स्टेशन पर भी मंगलवार को एक गेट बंद कर दिया गया है।

गाजियाबाद में गाजीपुर बॉर्डर पर नेशनल हाईवे-9 की सर्विस लेन को सीमेंटेड दीवार लगाकर बंद कर दिया है। ये सर्विस लेन गाजियाबाद को गाजीपुर मुर्गा मंडी के रास्ते दिल्ली से जोड़ती है।

सीमेंटेड दीवार करीब 3 फुट ऊंची और इतनी ही चौड़ी है। इसके ऊपर लोहे के सरिए लगाए गए हैं, ताकि कोई इस दीवार को फांदकर भी क्रॉस न कर पाए। ठीक इसी तरह दिल्ली से गाजियाबाद आने वाली सर्विस लेन भी गाजीपुर बॉर्डर पर सीमेंटेड दीवार से ब्लॉक कर दी है। यूपी पुलिस ने भारतीय किसान यूनियन हरपाल गुट के बुलंदशहर नोएडा हापुड़ सहित कई जनपदों के अध्यक्ष और प्रमुख पदाधिकारी को आज सुबह से ही हाउस अरेस्ट कर लिया है।

हरपाल गुट ने गाजीपुर बॉर्डर पर पहुंचने का आह्वान किया था। दिल्ली पुलिस ने गाजीपुर बॉर्डर पर आने-जाने वाले रास्तों पर करीब 100 मीटर एरिया में कई लेयर बैरिकेडिंग की है। इन बैरिकेड्स को अब पैदल चलने वाले लोग भी पार नहीं कर सकते।

हर तरह के ट्रैफिक पर पूरी पाबंदी लगा दी गई है। हालांकि अभी दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के ऊपर ट्रैफिक चालू है, जिस पर सफर करके यूपी-दिल्ली आना और जाना हो सकता है।

लाल किला पर्यटकों के लिए अस्थाई रूप से बंद

नई दिल्ली। किसानों के प्रदर्शन के मद्देनजर भारी संख्या में पुलिस और अर्द्धसैन्य बलों की तैनाती के बीच भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने ऐतिहासिक लाल किला परिसर को सुरक्षा कारणों से पर्यटकों के लिए अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। पुरानी दिल्ली में स्थित मुगल काल के इस विश्व धरोहर स्थल को सुरक्षा कारणों से सोमवार देर रात को अचानक सील कर दिया गया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के एक अधिकारी ने मीडिया से बातचीत में बताया, लाल किला परिसर को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। यह पूछे जाने पर कि 17वीं सदी का यह स्मारक कब खुलेगा, इस पर अधिकारी ने कहा, इसका निर्णय सुरक्षा एजेंसियां लेंगी।

गाजियाबाद में किसान नेताओं को किया नजरबंद

गाजियाबाद। किसानों के दिल्ली कूच की संभावनाओं को देखते हुए गाजियाबाद के किसान नेताओं को पुलिस ने सुबह सवेरे उनके घर पर पहुंचकर नजरबंद कर दिया। हालांकि उन किसान नेताओं के आवास पर भी पहुंची जो इस संगठन में शामिल नहीं है। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के प्रदेश उपाध्यक्ष राजवीर सिंह ने कहा कि दिल्ली में किसानों के अन्य संगठनों द्वारा घेराव किया जा रहा है जिसके चलते हमारा संगठन इसमें शामिल न होने के बाद भी पुलिस ने कई पदाधिकारियों को नजरबंद कर दिया है। भाकियू अराजनैतिक के प्रदेश उपाध्यक्ष राजवीर सिंह, जिलाध्यक्ष मनोज तेवतिया, जिला उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, महेन्द्र सिंह के नजर बंद किया।

इसके अलावा पुलिस ने भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के प्रदेश उपाध्यक्ष मास्टर मनोज नागर को भी नजर बंद कर दिया है। वहीं एक ओर अन्य भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के प्रदेश अध्यक्ष सचिन शर्मा ने दिल्ली कूच का ऐलान किया था। सचिन मलिक ने बताया कि संगठन से जुडे सैंकडों किसान अप्सरा बॉर्डर से दिल्ली में प्रवेश करना चाहते थे लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने भोपुरा बॉर्डर पर सभी को रोक दिया और नजरबंद कर दिया।

गौतमबुद्धनगर के किसानों ने प्राधिकरण को दी चेतावनी

नोएडा प्राधिकरण में आयोजित बैठक में सीईओ, जिलाधिकारी व किसान नेता।

हाई पॉवर कमेटी बनाने के लिए दी डेडलाइन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पंजाब के किसानों और हरियाणा पुलिस के बीच पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर और जिन बॉर्डर पर एक ओर जहां इस समय टकराव चल रहा है। वहीं नोएडा गौतमबुद्धनगर के किसानों ने भी प्रशासन व प्राधिकरण को बड़ी चेतावनी दे डाली है।

किसानों ने 18 फरवरी तक किसानों की मांगों को लेकर हाई पॉवर कमेटी बनाने की डेड लाइन दी है। जिसके बाद किसान अपने आंदोलन को लेकर बड़ा फैसला लेंगे। नोएडा.ग्रेटर नोएडा और एनटीपीसी दादरी से प्रभावित किसान पिछले कई दिनों से अपनी मांगों को लेकर नोएडा.ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। एनटीपीसी से प्रभावित किसानों का आंदोलन तो 55 दिनों से चल रहा है। किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर चल रहे इस आंदोलन को देखते हुए मंगलवार को सूरजपुर स्थित डीएम कार्यालय पर किसानों के प्रतिनिधियों के साथ जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमार एनजी, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा लोकेश एम तथा गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के साथ बैठक हुई। भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर खलीफा तथा अखिल भारतीय किसान सभा के अध्यक्ष डा रूपेश वर्मा ने बताया कि प्राधिकरण के सीईओ तथा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक लगभग 3 घंटे तक चली। इस बैठक में किसानों की विभिन्न मांगों पर अधिकारियों के साथ बातचीत हुई। बैठक में किसान संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि 18 फरवरी तक उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हाई पॉवर कमेटी गठित नहीं की गयी तो 18 फरवरी के बाद किसान दिल्ली कूच करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली ओलंपिक गेम्स 2024 हॉकी टूर्नामेंट में पुरुष वर्ग की विजेता श्याम लाल कॉलेज की टीम ट्रॉफी के साथ।

श्याम लाल कॉलेज ने जीता हॉकी खिताब

नई दिल्ली। श्याम लाल कॉलेज ने जामिया यूनिवर्सिटी को सडन डेथ में 5-4 से हराकर दिल्ली ओलंपिक गेम्स 2024 में पुरुष वर्ग की हॉकी चैंपियनशिप जीती। निर्धारित समय में मैच 1-1 की बराबरी पर रहा। पेनल्टी शूटआउट में भी 3-3 का स्कोर रहा। सडन डेथ में श्याम लाल कॉलेज ने जीत हासिल की। महिला वर्ग के फाइनल में यूनाइटेड क्लब ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज को 10-1 से हराया। यूनाइटेड क्लब ने की तरफ से शुभम और मुस्कान ने तीन-तीन गोल किए, दिव्या ने दो गोल, सोनू और अंजलि ने एक-एक गोल किया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज की तरफ से कोमल ने एक गोल किया। समापन समारोह में दिल्ली हॉकी के वाइस प्रेसिडेंट अरविंद छाबड़ा, वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी राकेश बाली और द्रोणाचार्य अवार्ड विजेता एनएस सैनी ने पुरस्कार दिए।

मॉक ड्रिल में बताया भूकंप से बचाव का तरीका

नई दिल्ली। एनडीआरएफ और डीडीएमए के सहयोग से आयोजित मॉक ड्रिल में भूकंप से बचाव का तरीका बताया। दक्षिणी दिल्ली स्थित वेगस मॉल में आयोजित कार्यक्रम में आम जनता और कर्मचारियों को आपदा के दौरान कम करने और अपने बचाव करने के बारे में बताया गया। वेगस मॉल के वाईस प्रेसिडेंट रविंदर चौधरी का कहना है कि समय-समय पर इस तरह के मॉक ड्रिल करने से अलग-अलग एजेंसियों के बीच तालमेल बना रहता है।

किसानों से बातचीत के दरवाजे खुले: ठाकुर

बोले: प्रदर्शन की आड़ में कुछ लोग सेक रहे राजनैतिक रोटी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि किसानों के साथ केंद्र सरकार सदैव चर्चा के लिए तैयार रहती है। इस बार भी मंत्री चंडीगढ़ गए और लगातार कई घंटे रात्रि में चर्चा हेतु बैठे रहे।

पत्रकारों से बात करते हुए ठाकुर ने बताया कि मोदी सरकार पहले दिन से किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है।

अनुराग सिंह ठाकुर

पिछले 10 वर्षों में कई योजनाएं लाई गईं जिन्होंने धरातल पर देश के करोड़ों किसानों को लाभ पहुंचाया।

सरकार स्पष्ट तौर से चर्चा की पक्षधर है इसीलिए बातचीत से उठकर हम नहीं गए, लेकिन प्रदर्शनकारी पहले चले गए। लेकिन सरकार आगे भी चर्चा हेतु तैयार है। ठाकुर ने आगे कहा कि प्रदर्शनकारियों को समझना चाहिए कि एकदम से नए मुद्दों को चर्चा में जोड़ते रहने से उनका तत्काल समाधान नहीं हो सकता।

कुछ लोग इस मुद्दे पर राजनीतिक रोटियां सेकना चाहते हैं। यूपीए काल के मुकाबले मोदी सरकार का कृषि 5 गुना ज्यादा है। ठाकुर ने आगे एमएसपी पर बातचीत करते हुए बताया, कांग्रेस के समय के मुकाबले मोदी सरकार ने दाल, गेहूं दलहन और तिलहन ज्यादा खरीदा। साठ साल कांग्रेस की केंद्र में सरकार रही मगर किसानों के हित के लिए इन्होंने कुछ नहीं किया। किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह व स्वामीनाथन जी को भारत रत्न मोदी सरकार ने दिया। आज तक कांग्रेस की गारंटियां फेल ही हुई हैं।

सरकारी अस्पतालों में सुधार को विशेषज्ञ समिति गठित हो : कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी के सरकारी अस्पतालों में अपर्याप्त अवसंरचना और मानव बल की समस्या से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए एक विशेषज्ञ समिति के गठन का आदेश मंगलवार को दिया।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में अवसंरचना और श्रम शक्ति को मजबूत करने के लिए विशेषज्ञ समिति उपाय सुझाएगी और चार सप्ताह में अदालत में अपनी पहली रिपोर्ट जमा करेगी। पीठ में न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा भी शामिल रहे। पीठ ने कहा, अदालत की राय है कि आरोप-प्रत्यारोप के बिना सरकारी अस्पतालों के संचालन के लिए भारी निवेश के साथ-साथ संरचनात्मक सुधार समय की जरूरत है। आदेश की विस्तृत प्रति का इंतजार है। अदालत ने एक जनहित याचिका पर यह आदेश सुनाया है जिस पर उसने सरकारी अस्पतालों में आईसीयू बिस्तरों और वेंटिलेटरों की कथित कमी को लेकर 2017 में स्वत: संज्ञान लेने के बाद अमल किया था।

माल की आवाजाही सुनिश्चित हो : कैट

नई दिल्ली। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स किसानों आंदोलन से व्यापारी चिंतित है लेकिन केंद्र सरकार पर भरोसा जताया कि वह इस आंदोलन के कारण दिल्ली के व्यापार को प्रभावित नहीं होने देगी।

कैट ने उपराज्यपाल विनय कुमारा सक्सेना से अनुरोध किया है कि माल की आवाजाही को सुनिश्चित किया जाये। इस कार्य में व्यापारी सरकार का सहयोग करने के लिए तत्पर हैं।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि किसान आंदोलन के कारण आनेजाने वाले माल की आवाजाही में कोई बाधा न आए, इसके लिए सरकार आवश्यक व्यवस्था करे तथा किसान की भी जिम्मेदारी है कि वो भी इस बात को सुनिश्चित करें।

376 सेवानिवृत्त अधिकारियों की नियुक्ति को मिली मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अदालतों में पर्सनल असिस्टेंट के 112 , जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट के 254 पद शामिल

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने अदालतों में नियमित कामकाज के लिए स्वीकृत रिक्त पदों पर एक वर्ष की अवधि के लिए या पद भरे जाने तक संविदा के आधार पर 376 सेवानिवृत्त अधिकारियों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

उपराज्यपाल ने डीएसएसएसबी के माध्यम से अदालतों में 1251 नियमित पदों को भरने की मंजूरी दी थी और इसे भरने की प्रक्रिया चल रही है। इन पदों में कुल रिक्त 1251 पदों में से 30 प्रतिशत शामिल है। जिसमें पर्सनल असिस्टेंट के 112, जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट के 254 और चपरासी/अर्दली/डाक चपरासी के 10 पद शामिल हैं। दिल्ली सरकार के कानून विभाग, ने प्रस्तुत किया कि उसे प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के कार्यालय से दिनांक 7 दिसंबर 2023 को एक पत्र के माध्यम से सूचित किया गया था कि दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड के माध्यम से रिक्त पदों के लिए सीधी भर्ती प्रक्रिया चल रही है। हालांकि, कानून विभाग का कहना है कि चूंकि इस प्रक्रिया में समय लगेगा और विभाग को कर्मचारियों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रेन के डिब्बे में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के पटेल नगर रेलवे स्टेशन पर खड़ी एक खाली यात्री ट्रेन के एक डिब्बे में मंगलवार को दोपहर में आग लग गई। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि विभाग को सूचना मिली और दमकल की पांच गाड़ियों को वहां भेजा गया। हालांकि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। दिल्ली अग्निशमन सेवा विभाग (डीएफएस) के एक अधिकारी ने कहा कि आग पर दोपहर दो बजकर 25 मिनट पर काबू पा लिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सिरसा एक्सप्रेस के एक डिब्बे में आग लगी थी जो प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर खड़ी थी। अधिकारी ने बताया कि घटना के वक्त सभी डिब्बे खाली थे। उन्होंने बताया कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है।

'लक्ष्य हासिल करने को प्रतिस्पर्धी बने छात्र'

एनसीडब्ल्यूईबी ने चलाया विकसित भारत अभियान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आयोजित कार्यक्रम में प्रो. बलराम पाणि, गीता भट्ट और प्रो. रमा शर्मा।

दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) ने मंगलवार को शंकर लाल ऑडिटोरियम में 'विकसित भारत अभियान' पर केंद्रित कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रो. बलराम पाणि ने छात्राओं को अपनी कैपिसीटी और कैपिबिलिटी को बढ़ाते हुए विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. विकास गुप्ता ने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रतिस्पर्धी होने की बात पर बल दिया। प्रो. विजयलक्ष्मी ने छात्राओं को भारत के सुनहरे भविष्य का आधार बताया और उन्हें जागरूक रहते हुए सक्रिय योगदान के लिए प्रेरित किया। प्रो. रमा ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और कहा कि विकसित भारत अभियान आपसे ही समृद्ध होगा। डॉ. प्रेमपाल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में एनसीडब्ल्यूईबी की निदेशक प्रो. गीता भट्ट, एनसीडब्ल्यूईबी उप-निदेशक डॉ. सुरेन्द्र कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्तित्वों की उपस्थिति रही। सभी प्रतियोगिताओं की विषयवस्तु विकसित भारत अभियान सम्बन्धी उद्देश्यों से जुड़े थे, जो भारत सरकार के इस अभियान सम्बन्धी उद्देश्यों से छात्राओं को परिचित कराता है। प्रतियोगिता के उपरांत सभी विजेताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए लगभग 500 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया।

एक लाख से अधिक नागरिकों व स्कूली बच्चों ने कराया है पंजीकरण

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

आयुष विभाग और हरियाणा योग आयोग के तत्वावधान में सूर्य नमस्कार का अभ्यास गुरुग्राम जिला के सभी स्कूलों, कॉलेज, खेल स्टेडियम, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, योग व्यायामशालाओं तथा आयुष वैलनैस सेंटरों पर 20 फरवरी तक करवाया जा रहा है। सूर्य नमस्कार के रजिस्ट्रेशन की संख्या एक लाख से ज्यादा हो चुकी है।

जिला में सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है सूर्य नमस्कार अभियान

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. मंजू कुमारी ने बताया कि आयुष विभाग के 25 योग सहायक सूर्य नमस्कार के प्रशिक्षण अभियान में उत्साहपूर्वक कार्य कर रहे हैं और अब एक लाख से अधिक विद्यार्थियों तथा नागरिकों का पंजीकरण करवा चुके हैं। उन्होंने बताया कि एक से बीस फरवरी तक जिला में सूर्य नमस्कार करवाए जाने का अभियान चलाया जा रहा है। सूर्य नमस्कार अभियान में लोगों की संख्या तेजी से जुड़ती जा रही है।

गुरुग्राम में सूर्य नमस्कार अभियान के तहत सूर्य नमस्कार करते लोग।

इनमें अधिकांश संख्या बच्चों की है। उन्होंने बताया कि खेल विभाग, शिक्षा विभाग, आयुष विभाग के सहयोग से यह अभियान सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।

डा. मंजू कुमारी ने जिला योग कोर्डिनेटर डा. शिवशंकर, जिला योग विशेषज्ञ डा. भूदेव व डा. विकास की देखरेख में सूर्य नमस्कार का अभियान चलाया जा रहा है। डा. भूदेव ने बताया कि सूर्य नमस्कार श्वास-प्रश्वास के साथ करने से हमारे शरीर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और मन के अंदर नए उत्साह और ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को डिप्रेशन, मांसपेशियों में कमजोरी महसूस होती है, उनको सूर्य नमस्कार करना चाहिए। सूर्य नमस्कार अभियान के दौरान 108 सूर्य नमस्कार करने वाले बच्चों का चयन कर उनका नाम जिलास्तरीय प्रतियोगिता के लिए भिजवाया जाएगा।

आरती राव ने लोगों को 16 फरवरी को रेवाड़ी आने का दिया न्यौता

सोहना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 16 फरवरी को रेवाड़ी जिले के माजरा में निर्माणाधीन एम्स अस्पताल के उदघाटन करेंगे। इस समारोह में शामिल होने के लिए गुरुग्राम से भाजपा सांसद राव इन्द्रजीत सिंह की बैटी आरती राव सोहना में पहुंची। आरती राव ने शहर की पंजाबी धर्मशाला में एक बैठक करते हुए मौजूद जनसमूह से आग्रह करते हुए 16 फरवरी को रेवाड़ी में पहुंचने की अपील की। शहरवासियों को संबोधित करते हुए आरती राव ने कहा देश का भविष्य भारतीय जनता पार्टी के हाथों में सुरक्षित है। भारत जल्द ही विकसित देशों की श्रेणी में गिना जाने लगेगा। जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अथक प्रयास में जुटे हैं। नई नई योजनाएं शुरू करके देश की तकदीर को संवारने के कार्य कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी रेवाड़ी से हरियाणा को देंगे करोड़ों की सौगात : राव इंद्रजीत सिंह

भालखी माजरा में देश के 22वें एम्स की आधारशिला रखेंगे पीएम

राव इंद्रजीत सिंह ने गुरुकमल में ली कार्यकर्ताओं की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में भाजपा कार्यालय में रेवाड़ी में पीएम के कार्यक्रम को लेकर बैठक को संबोधित करते केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 16 फरवरी को रेवाड़ी में होने वाली रैली के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। रैली को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह मंगलवार को गुरुग्राम पार्टी कार्यालय गुरुकमल पहुंचे। उन्होंने पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं की बैठक ली।

बैठक में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 फरवरी को रेवाड़ी के भालखी माजरा में एम्स की आधारशिला रखने के साथ ही हरियाणा को करोड़ों की सौगात भी देंगे और एक भव्य रैली को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का रेवाड़ी आना हम सभी दक्षिणी हरियाणा के लोगों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से ज्यादा से ज्यादा लोगों को रेवाड़ी लेकर आने का आहवान किया। इससे पहले यहां पहुंचने पर जिला अध्यक्ष कमल यादव ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया।

राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 फरवरी को रेवाड़ी के भालखी माजरा में एम्स की आधारशिला रखने के साथ ही गुरुग्राम में मेट्रो के नए रूट की भी आधारशिला रखेंगे। इसके अलावा कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, रोहतक जिला को भी करोड़ों का तोहफा देंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को हरियाणा से काफी लगाव है, इसलिए वे 22वें एम्स की आधारशिला रखने खुद रेवाड़ी आ रहे हैं, यह हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि अन्य प्रदेशों में भी एम्स का उद्घाटन व आधारशिला रखी जानी है लेकिन प्रधानमंत्री वहां ना पहुंचकर रेवाड़ी आ रहे हैं यह बहुत बड़ी बात है।

राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि पहले मनेठी में एम्स बनाने की योजना थी, लेकिन किन्हीं कारणों से मनेठी की जमीन नामंजूर हो गई थी। उन्होंने कहा कि इसके बाद भालखी माजरा के लोगों ने एम्स को अपनी जमीन पर बनवाने का बीड़ा उठाया। लोगों का कहना था कि जब प्रधानमंत्री मोदी हरियाणा को तोहफा देना चाह रहे हैं तो उसे लेना चाहिए। भालखी माजरा के लोगों ने बड़ा दिल करते हुए 210 एकड़ जमीन पहले हरियाणा सरकार को दी और हरियाणा सरकार ने भारत सरकार को दी जिससे आज क्षेत्र में एम्स बनने का सपना साकार हो रहा है।

चेयरमैन सहित दर्जनों ने थामा भाजपा का दामन

मंगलवार को केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, जिला अध्यक्ष कमल यादव, जिला परिषद के वाइस चेयरमैन ओम प्रकाश यादव और कल्याण सिंह चोहान की उपस्थिति में कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा गुरुग्राम के चेयरमैन मुफीद खान के साथ दर्जनों लोगों ने भाजपा का दामन थाम लिया। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत ने पार्टी में शामिल होने वाले सभी नए सदस्यों को पार्टी का प्रतीक पटका पहनाकर भाजपा की सदस्यता दिलाई।

कार सवार युवकों ने गाड़ी चालक को टोल पर पीटा

सोहना। गुरुग्राम-सोहना एलिवेटेड मार्ग के घामडौज टोल पर तीन युवकों ने गाड़ी चालक को लात,घुसे और थप्पड़-मुक्के मारते हुए पिटाई कर दी। पीड़ित गाड़ी चालक के खिलाफ भोंडसी थाना पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए उनकी पहचान और गिरफ्तार करने के प्रयास में जुट गई है। जिला पलवल का गांव सैलोटी निवासी सतीश ने भोंडसी थाना में तीन कार सवार युवकों के खिलाफ बिना कारण मारपीट करने का मामला दर्ज कराया है। सतीश ने पुलिस को बताया कि वह गुरुग्राम जाने के लिए घामडौज टोल पर टोल फीस कटवाने के लिए लाइन में खड़ा था। उसका कार्ड स्कैन नहीं होने के कारण गाड़ी पास नहीं हो रही थी। जिसकी बार-बार ट्राई करने से देरी हो रही थी। उसकी गाड़ी के पीछे कार लगी थी। कार का चालक बार-बार हॉरण बजा रहा था। उसने कार को पीछे करने को कहा तो मना कर दिया और कार चालक अपने साथ बैठे दो युवकों लेकर उसके पास चलकर आए। जिन्होंने लाइन में खड़ी गाड़ी के दौरान उसे नीचे उतरकर मारा। उसके मुंह पर मुक्कों व थप्पड़ के निशान साफ देखे जा सकते है। दो अन्य ने भी कार चालक का साथ देते हुए लात-घुसों से पीटा। पुलिस ने टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपियों की गाड़ी नंबर से उनकी पहचान तथा गिरफ्तार करने में जुट गई है।

नगर परिषद और पुलिस प्रशासन के अतिक्रमण के खिलाफ अभियान से दुकानदारों में मचा हडकंप

मंगलवार को अतिक्रमण के खिलाफ चलाया अभियान में सड़कों पर रखा सामान को उठाकर ले जाते हुए परिषद कर्मचारी।

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नगर परिषद और पुलिस प्रशासन ने शहर में सयुंक्त रुप से अतिक्रमण के खिलाफ चलाया अभियान से दुकानदारों में हडकंप मचा। सडक और आम रास्ते पर रखा सामान को दुकान में रखने की लेकर दुकानदारों समेटा लिया। लेकिन अतिक्रमण के हटाने कई टीम कर्मचारियों ने करीब दो ट्राली सामान भरकर जब्त किया। इस अवसर पर 10 पटरी दुकानदारों का 500-500 रुपये का चालान काटा गया।

शहर में अतिक्रमण का खात्मा करने के अभियान में मंगलवार को नगर परिषद की टीम इंस्पेक्टर सतेन्द्र यादव के नेतृत्व में तथा शहर चौकी पुलिस प्रभारी एसआई राजबीर के नेतृत्व में भारी पुलिस ने मिलकर अतिक्रमण हटाया। अभियान की शुरुआत बस स्टैंड मार्ग से की गई। क्योंकि इस मार्ग पर बैठें दुकानदार अतिक्रमण करने से बाज नहीं आ रहे है। अभियान के दूसरे दिन अपना सामान सड़क व आम रास्ते पर रखकर बैठ जाते है।

अतिक्रमण अभियान को चलता देखा दुकानदारों में हडकंप मच गया। 5 से 8 फुट तक रखा सामान को टीम के आने से पहले समेटना दुकानदारों को भारी पड गया।

इस अवसर पर दुकानदारों ने एक दूसरे की मदद करके सामान को दुकान में रखवाया। लेकिन इसके बावजूद परिषद के कर्मचारियों ने रेहड़ी, टेबल, सामान आदि को उठाते हुए अपने कब्जे में ले लिया।

10 दुकानदारों पर लगाया जुर्माना : बस स्टैंड मार्ग से पुराना लेबर चैक, खेल चौक और फव्वारा चैक सड़क पर बैठे पटरी दुकानदारों पर जुर्माना लगाया गया। प्रत्येक दुकानदार से 500-500 रुपये का चालान काटते हुए जुर्माना वसूला। चालान काटने के साथ दुकानदार को दोबारा से अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी गई।

> "नगर परिषद और पुलिस प्रशासन की टीम सप्ताह में तीन दिन कम से कम अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाएगी। अतिक्रमण करने वालों से लेकर जुर्माना लगाने की फोटो व वीडियोग्राफी की जा रही है। जो दुकानदार बार-बार अतिक्रमण के दोषी पाएं जा रहे है। उनके खिलाफ अब के बाद एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।
>
> (सुमन लता -कार्यकारी अधिकारी नप)

अन्नदाताओं के साथ नहीं चलेगी झूठ-फरेब की राजनीति : पंकज डावर

निहत्थे अन्नदाताओं पर आंसू गैस के गोले दाग रही भाजपा की पुलिस

पंकज डावर।

गुरुग्राम। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पंकज डावर ने कहा कि भाजपा की सरकार जिस तरह पूरे देश के लोगों को झूठे वादों पर गुमराह कर रही है, उसी तरह हरियाणा व पंजाब के अन्न दाताओं के साथ भी झूठ व फरेब की राजनीति करना चाहती है। भाजपा सरकार में बैठे सभी नेता यह जान लें कि इन अन्न दाताओं के साथ उनकी झूठ वाली राजनीति चलने वाली नहीं है।

पंकज डावर ने कहा कि हमारे हरियाणा व पंजाब के अन्नदाता भाजपा सरकार के किए गए वादों को भाजपा की सरकार को याद दिलाना चाहते है। एमएसपी की गारंटी चाहते है, लेकिन यह सरकार देश के अन्न दाताओं को सिर्फ गुमराह करने पर तुली है। पंकज डावर ने कहा कि हरियाणा व पंजाब के किसान शांति पूर्वक दिल्ली में पहुंचकर अपनी आवाज उठाना चाहते हैं लेकिन भाजपा सरकार की पुलिस इस अन्नदाताओं पर आसू गैस के गोले दाग कर उन्हे डराने में जुटी है। पंकज डावर ने कहा कि देश के अन्नदाताओं के साथ सरकार का आसू गैस के गोले दागने का कारनामा ठीक नहीं है। इस मामले में भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व को समझ आकर अन्न दाताओं की मांगों को जल्द से जल्द पूरा करना चाहिए।

प्रतिदिन पर्याप्त सफाई सुनिश्चित करें सफाई शाखा से जुड़े अधिकारी : डा. बलप्रीत सिंह

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह ने कहा कि सफाई शाखा के अधिकारी प्रतिदिन पर्याप्त सफाई सुनिश्चित करवाएं, ताकि शहर साफ-सुथरा बना रहे। अगर हमारा शहर साफ रहेगा तो हम सभी नागरिक भी स्वस्थ रहेंगे। क्योंकि स्वच्छता और स्वास्थ्य का सीधा संबंध होता है। यह निर्देश अतिरिक्त निगमायुक्त ने सेक्टर-34 स्थित निगम कार्यालय में सफाई शाखा से जुड़े अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में दिए।

उन्होंने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सभी सैकेंडरी कलैक्शन प्वाईंटों से नियमित कचरा उठान हो तथा वहां पर चूना आदि डालकर पर्याप्त सफाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही सड़कों के किनारों पर किसी भी सूरत में कूड़े के ढ़ेर ना लगें। अधिकारी प्रतिदिन इधर-उधर फैले कचरे को उठाकर सैकेंडरी प्वाईंट पर भिजवाएं तथा पर्याप्त सफाई सुनिश्चित करवाएं। उन्होंने कहा कि सड़कों के किनारों, ग्रीन बैल्ट, मार्किट, सर्विस रोड़ सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों की प्रतिदिन सफाई करवाई जाए तथा कचरा उठान सुनिश्चित करवाया जाए।

बैठक में डि-सैंट्रलाइड्ड कचरा प्रबंधन के बारे में डा. सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निगम गुरुग्राम द्वारा विभिन्न स्थानों पर स्थापित डि-सैंट्रलाइज्ड कचरा प्रबंधन केन्द्रों का संचालन शुरू करवाया जाए। अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-44 स्थित केन्द्र का संचालन शुरू कर दिया गया है। शेष का संचालन करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

सेक्टर-34 स्थित निगम कार्यालय में सफाई शाखा से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक करते नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह।

अतिरिक्त निगमायुक्त ने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम की सीमा में स्थित सभी बल्क वेस्ट जनरेटरों को भी ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 की पालना सुनिश्चित करवाई जाए। नियमों के तहत बल्क वेस्ट जनरेटर को अपने यहां से निकलने वाले कचरे का खुद के स्तर पर ही निष्पादन करना अनिवार्य है। इसके तहत गीले, सूखे व हानिकारक कचरे को अलग-अलग किया जाए तथा गीले कचरे से खाद बनाकर अपने परिसर में हरियाली बढ़ाने में इसका उपयोग करें। सूखे व हानिकारक कचरे को अधिकृत रिसायकलर को सौंपा जाए। नियमों की अवहेलना करने वालों के चालान किए जाने का प्रावधान भी किया गया है। बैठक में संयुक्त आयुक्त (स्वच्छ भारत मिशन) डा. नरेश कुमार, सलाहकार अनिल मेहता, शरद भटनागर व ओपी गोयल, कार्यकारी अभियंता निजेश कुमार सहित स्वच्छता शाखा से जुड़े अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

गुरुग्राम-दिल्ली सरहौल टोल पर लगा वाहनों का जाम, बाद में खोली एंट्री

गुरुग्राम-दिल्ली बॉर्डर सरहौल टोल पर लगा वाहनों का जाम।

गुरुग्राम। मंगलवार को किसानों के दिल्ली कूच को लेकर गुरुग्राम में पुलिस अलर्ट पर रही। गुरुग्राम से दिल्ली का मुख्य प्रवेश सरहौल टोल प्लाजा से होता है। वहां पर दिल्ली पुलिस की तरफ से भी कड़े इंतजाम किए गए थे। इस दौरान गुरुग्राम की तरफ कई तीन किलोमीटर लंबा जाम लग गया। किसी भी गाड़ी को दिल्ली में प्रवेश नहीं होने दिया जा रहा था। गुरुग्राम पुलिस व दिल्ली पुलिस यहां वाहनों को नियंत्रित करने में जुटी रही। यहां टोल पर पहुंचने के बाद यू-टर्न भी दिल्ली में प्रवेश के बाद फ्लाईओवर के नीचे से है। इस पर पुलिस काफी मंथन करती रही। पुलिस किसानों के कूच को किसी भी तरह से सफल नहीं होने देना चाहती थी। जब स्थिति नियंत्रण से बाहर होने लगी। गुरुग्राम की तरफ जाम बढ़ता जा रहा था तो पुलिस ने निर्णय लिया कि गाड़ियों को ना रोककर यहां आने वाले ट्रैक्टर को रोका जाएगा। किसी भी ट्रैक्टर को दिल्ली में प्रवेश नहीं होने दिया जाएगा। गाड़ियों की एंट्री के बाद ही जाम से राहत मिल पाई। किसानों के दिल्ली प्रवेश को लेकर गुरुग्राम व दिल्ली पुलिस के जवान सैंकड़ों की संख्या में यहां सरहौल बॉर्डर पर तैनात रहे।

टिस्का चोपड़ा ने 'मनदीप मीट्स मनदीप' ब्लड कैंसर को मात देने वाले व्यक्ति के सफर से जुड़ी एक प्रेरणादायक पुस्तक का अनावरण किया

अभिनेत्री ने DKMS-BMST फाउंडेशन इंडिया के साथ स्टेम सेल डोनर के रूप में अपना रजिस्ट्रेशन भी कराया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

(L-R) Dr. Esha Kaul, Dr. Sona Sharma, Tisca Chopra and Patrick Paul

नई दिल्ली में आयोजित दिल को छू लेने वाले एक कार्यक्रम के दौरान, बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री एवं लेखिका, टिस्का चोपड़ा की मौजूदगी में "मनदीप मीट्स मनदीप" नामक पुस्तक लॉन्च की गई, जो अपने आप में एक अनोखी किताब है। यह एक नॉन-फिक्शन किताब है जो मनदीप नाम के एक मरीज की असल जिंदगी की कहानी पर आधारित है। मनदीप ने ब्लड कैंसर के खिलाफ अपनी लड़ाई तब जीती, जब उनका हमनाम मनदीप स्टेम सेल ट्रांसप्लांट के लिए सबसे उपयुक्त डोनर बनकर सामने आया। "मनदीप मीट्स मनदीप" पुस्तक डॉ. सोना शर्मा द्वारा लिखी गई है, जो पेशे से एक चिकित्सक एवं लेखिका हैं। सच्ची घटनाओं पर आधारित यह पुस्तक दो जिंदगियों की एक अद्भुत कहानी बयां करती है, और किस्मत से एक-दूसरे से जुड़ने वाले दोनों लोगों का नाम मनदीप है, जिनका HLA-टाइप भी एक-दूसरे से मेल खाता है। ब्लड कैंसर को मात देने वाले 35 साल के मनदीप पंजाब के किसान हैं, जिन्हें 2009 में पता चला कि वे क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया (CML कैंसर) से पीड़ित हैं। हालांकि डॉक्टरों ने मनदीप को स्टेम सेल ट्रांसप्लांट कराने की सलाह दी थी, लेकिन बदकिस्मती से उन्हें अपने परिवार में कोई स्टेम सेल डोनर नहीं मिला, जिसका ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंटीजन (HLA) उनसे मेल खाता हो। उन्हें DKMS BMST फाउंडेशन इंडिया की मदद से एक असंबंधित डोनर का पता लगाने में 3 साल से अधिक समय तक इंतजार करना पड़ा, और जनवरी 2020 में उनका स्टेम सेल ट्रांसप्लांट किया गया। अलग-अलग पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने के बावजूद, उनके आनुवंशिक मेल की वजह से मरीज को जीवनदान मिला। यह कहानी त्याग की भावना, समुदाय के सहयोग और जीवन के नाजुक संतुलन के ताने-बाने पर आधारित है, जिसमें किस्मत बड़े अनोखे तरीके से दो लोगों के बीच नाता जोड़ देती है। DKMS BMST फाउंडेशन इंडिया के सीईओ, पैट्रिक पॉल ने कहा, "जीवन बदलने वाला नाता जोड़ने में मदद करना ही DKMS-BMST कैमिशन का सबसे अहम हिस्सा है। बेसब्री से एक डोनर की तलाश से लेकर मनदीप मान के साथ भावनात्मक मुलाकात तक, मनदीप सिंह का यह सफर हमारे संकल्प को और मजबूत करता है।

बेटी के जन्म पर थाना प्रभारी ने मां-बेटी को किया सम्मानित

गुरुग्राम। फर्रुखनगर पुलिस थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अनिल पहलवान ने कहा कि सरकार की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ मुहिम बेटियों के लिए एक वरदान साबित हो रही है। एक समाज ऐसा भी था जब बेटी या बेटों के बीच में समानता नहीं थी। उन्हें समानता का अधिकार पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता था। सरकार की बेटियों के उत्थान के लिए चलाई गई योजनाओं का ही परिणाम है कि बेटियां हर क्षेत्र में बेटों के बराबर सम्मान अर्जित करके देश व समाज का नाम रोशन करने में सबसे आगे है। यह बात उन्होंने मंगलवार को फर्रुखनगर के वार्ड-13 में कन्या जन्म पर कुआं पूजन कार्यक्रम में मां-बेटी का सम्मान करते हुए कही। इस दौरान पूर्व नगर पार्षद नीरू शर्मा भी मौजूद रहीं। उन्होंने कहा कि गौरव पुत्र सुखबीर प्रजापति नवजात बेटी ताव्या का कुआं पूजन करके बेटी को समानता का अधिकार देकर समाज को आईना दिखाया है। इसके लिए यह परिवार बधाई का पात्र है। गौरव ने बताया कि उसकी पत्नी शीतल ने 6 जनवरी 2024 को बेटी ताव्या ने जन्म दिया है उनकी यह पहली संतान है। उनके परिवार में करीब 22 वर्ष बाद बेटी ताव्या ने जन्म लिया है। पोती के जन्म पर दादी पुष्पा प्रजापति फूली नहीं समाई और गली मोहल्ले में मिठाई बंटवायी और पोती का पूरी शान-ओ-शोकत से कुआं पूजन करके बेटे की भांति सारी रस्म निभाई। भोज का आयोजन करके डीजे की धुन पर कुआं पूजन किया है। इस मौके पर सब इंस्पेक्टर विकास कुमार, कैलाश चंद शर्मा, समाजसेविका रेखा यादव, सुनीता, सुमित्रा सैनी, राशि, कांता, सरोज देवी, आरती, मीनू अशोक कुमार रोहिल्ला आदि मौजूद थे।

फर्रुखनगर में बेटी के जन्म पर कुआं पूजन समारोह में मां-बेटी का सम्मान करते थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अनिल पहलवान व पूर्व नगर पार्षद नीरू शर्मा।

बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने इसरो की उत्कृष्ट उपलब्धियों को सलाम करते हुए अपनी अनूठी फिटनेस पहल-प्लैंकथॉन के साथ एक और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स खिताब हासिल किया

पायनियर समाचार सेवा। मेरठ/आगरा

भारत की अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, बजाज आलियांज लाइफ ने चंद्रयान और सौर मिशन, आदित्य एल1 के संबंध में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए बेंगलुरु के श्री कांतीरावा आउटडोर स्टेडियम में प्लैंकथॉन के चौथे संस्करण का आयोजन किया। यह ऑन-ग्राउंड प्लैंकथॉन कार्यक्रम कंपनी के बेहद लोकप्रिय अभियान प्लैंकफॉरएसेज का समापन था, जिसके तहत भारत में लोगों को एब्डॉमिनल प्लैंक का वीडियो अपलोड कर इसरो के प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों को धन्यवाद देने के लिए एक साथ आने के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्लैंकफॉरएसेज की सफलता और कंपनी के लिए एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने पर टिप्पणी करते हुए, बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के मुख्य विपणन अधिकारी, श्री चंद्रमोहन मेहरा ने कहा, "बजाज आलियांज लाइफ प्लैंकथॉन हमारे प्रमुख फिटनेस पहल से कहीं अधिक आगे बढ़ गया है। यह भारत की भावना को दर्शाता है। हम उन हजारों प्रतिभागियों के आभारी हैं, जिन्होंने इसरो की उत्कृष्ट उपलब्धियों सराहना के लिए ऑफलाइन और ऑनलाइन कार्यक्रम पेश किए, जिससे हम सभी को बेहद गर्व महसूस हो रहा है। इसरो इस वैश्विक रिकॉर्ड को तोड़ने वाली उपलब्धि का हकदार है क्योंकि इससे कुछ भी कम उसके लिए अपर्याप्त होता।"

बेंगलुरु में प्लैंकथॉन कार्यक्रम में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय के क्षमता निर्माण और सार्वजनिक संपर्क विभाग के निदेशक, श्री एन सुधीर कुमार उपस्थित थे। भारतीय सिनेमा की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक सुश्री तापसी पन्नू ने पूरे ऑन-ग्राउंड पर पूरे प्लैंकथॉन कार्यक्रम का नेतृत्व किया। उन्होंने मिशन मंगल सहित कई लोकप्रिय हिंदी फिल्मों में काम किया है और उनकी सबसे ताजातरीन फिल्म डंकी है। सुश्री पन्नू के साथ बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के मुख्य विपणन अधिकारी श्री चंद्रमोहन मेहरा भी उपस्थित थे।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के निर्णायक ने बजाज एलियांज लाइफ इंश्योरेंस को एब्डॉमिनल प्लैंकथॉन पोजीशन वाले लोगों के सबसे बड़े ऑनलाइन वीडियो एल्बम के लिए नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का खिताब धारक के रूप में घोषित किया। प्लैंकफॉरएसेज के तहत विभिन्न वर्गों के लोगों ने 5,194 वीडियो अपलोड किए। बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के प्लैंकथॉन 2024 में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय में क्षमता निर्माण और सार्वजनिक संपर्क विभाग के निदेशक, श्री एन सुधीर कुमार ने कहा, यह वास्तव में एक असाधारण घटना है।

केएमपी पर ट्रक में चालक व परिचालक जिंदा जले

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

टोल नाके से टकरा कर लगी भीषण आग, ओवरलोड के कारण अनियंत्रित हुआ वाहन

फरीदाबाद में केएमपी पर अल सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। कुडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे पर सुबह लगभग तीन बजे एक ट्रक अनियंत्रित होकर मौजपुर टोल नाके से टकरा गया। इससे ट्रक में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि इसमें सवार ड्राइवर व सहायक को उतरने का मौका ही नहीं मिला और दोनों जिंदा ही जल गए।

घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड और छांयसा थाना पुलिस ने आग पर काबू पाया। ट्रक से ड्राइवर व सहायक के जले हुए शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है।

पुलिस जांच अधिकारी विनोद ने बताया कि ट्रक में रोड़ी भरी हुई थी। यह पलवल की ओर से आ रहा था और इसे नोएडा की ओर जाना था। ट्रक का ड्राइवर ट्रक पर नियंत्रण नहीं रख पाया। ओवरलोड होने के चलते ट्रक बेकाबू होकर टोल प्लाजा के नाके से टकरा गया। इसके चलते ट्रक में भीषण आग लग गई।

ट्रक ड्राइवर व सहायक मेवात के रहने वाले थे। दोनों के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है। परिजनों के आने के बाद ही उनके नाम का पता चल पाएगा। पुलिस हादसे को लेकर छानबीन कर रही है। परिजनों के आने के बाद शवों का पोस्टमार्टम होगा।

पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

पलवल। भारतीय राष्ट्रीय महिला दिवस तथा बसंत पंचमी शुभ अवसर पर महिला पर्यावरण पाठशाला जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मिशन प्रकृति बचाओ पर्यावरण सचेतक समिति द्वारा राजीव नगर में स्नेकप्लांट, घृतकुमारी, केतकी, पत्थरचट्टा आदि पौधे देकर प्रकृति पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। डॉ. आचार्य राम कुमार बघेल ने ज्ञान और विद्या की देवी सरस्वती माता के प्राकट्य दिवस पर वंदना करते हुए बताया कि बसंत ऋतु आते ही प्रकृति का कण-कण खिल उठता है। मनुष्य, पशु-पक्षी तथा पेड़- पौधे खुशी का अनुभव करते हैं। यह बसंत के आगमन का प्रतीक है। घर में माताएं बच्चों के प्रथम गुरु होने के नाते उन्हें अच्छे संस्कारों ओर संस्कृति की जानकारी देकर अच्छे नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। हमें बच्चों को बचपन से ही नशे से दूर रहने, प्रकृति से स्नेह, पानी बचाने तथा पेड़-पौधों व सभी जीवों का संरक्षण किया जाने आदि की शिक्षा देनी चाहिए।

नशे में धुत लोगों ने की युवक चाकू घोंपकर हत्या, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। सुल्तानपुरी की एक संकरी गली में पांच लोगों ने 25 वर्षीय एक व्यक्ति की सबके सामने चाकू घोंपकर कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। घटना का सीसीटीवी वीडियो में आरोपियों को हमला करते देखा जा सकता है।

पुलिस ने बताया कि तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों ने नशे की हालत में उस व्यक्ति की हत्या की। उसने बताया पीड़ित की पहचान आजाद के रूप में हुई है, जिसे चाकू लगने से कई जख्म हो गए, जिनकी वजह से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

आजाद की मोटरसाइकिल को आरोपियों ने धक्का मारकर गिरा दिया था जिसके बाद आजाद की आरोपियों से बहस हो गई। एक अधिकारी ने बताया हमलावर नशे में थे, उन्होंने आज़ाद की मोटरसाइकिल को नीचे गिरा दिया। जब आज़ाद ने इसका विरोध किया, तो उन्होंने आजाद पर चाकू और पत्थरों से हमला कर दिया।

आर एल एफ लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालयः 14 किलोमीटर, गुड़गांव पटौदी रोड, झुंड सराय वीरान, जिला गुरूग्राम, हरियाणा
सीआईएनः L74999HR1979PLC032747, वेबसाइटः www.rlfltd.com, ईमेल आईडीः investorrelations@rlfltd.com, फोनः 011-49075251

31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण
(रुपये लाख में, प्रति शेयर डेटा को छोड़कर)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्ति			वित्तीय वर्ष समाप्ति
		31.12.2023 (लेखापरीक्षित)	31.12.2023 नौ माह समाप्ति (लेखापरीक्षित)	31.12.2022 (लेखापरीक्षित)	31.03.2023 (लेखापरीक्षित)
1	संचालनों से कुल आय	12.19	217.21	25.21	96.62
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पूर्व और आपवादिक मदे	(12.84)	21.79	(7.63)	(34.36)
3	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) आपवादिक मद पश्चात्	(12.84)	21.79	(7.63)	(34.36)
4	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि)	(12.84)	21.79	(7.63)	(278.40)
5	कुल व्यापक आय	-	-	-	-
6	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी	980.08	980.08	980.08	980.08
7	प्रत्येक 10 रुपये का प्रति शेयर आय (वार्षिकीकृत नहीं)				
	क. मूलभूत	(0.13)	0.02	(0.08)	(2.84)
	ख. तरलीकृत	(0.13)	0.02	(0.08)	(2.84)

टिप्पणीः-
1 उपरोक्त 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए सेबी (लिस्टिंग और अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल किए गए अनअ,डिटेड वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सारांश है। दिसंबर 31,2023 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए अ-लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.bseindia.com और कंपनी की वेबसाइट www.rlfltd.com पर उपलब्ध है।
2 उपरोक्त पिछली अवधियों के आंकड़ों को जहां भी आवश्यक हुआ, पुनः संकलित/पुनःवर्गीकृत/पुनः प्रस्तुत किया गया है।

कृते आरएलएफ लिमिटेड
हस्ता/-
विकास ग्रोवर
निदेशक
डीआईएनः 07075918

दिनांकः 13 फरवरी, 2024
स्थानः गुरुग्राम, हरियाणा

TECHNO ELECTRIC & ENGINEERING COMPANY LIMITED

CIN No : L40108UP2005PLC094368
Corporate Office : " Park Plaza " 71, Park Street, Kolkata - 700 016
Email : desk.investors@techno.co.in : Website: www.techno.co.in

Extract of Statement of Consolidated Unaudited Financial Results for the Quarter and nine month ended 31 December, 2023

(₹ in Lakhs)

PARTICULARS	Quarter ended			Nine Months Ended		Year ended
	31st December 2023	30th September 2023	31st December 2022	31st December 2023	31st December 2022	31st March 2023
	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited
Total income from operations (net)	32654.02	46228.74	18525.69	106275.95	51652.79	82949.85
Net Profit / (Loss) for the period from continuing operations (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	9522.42	10050.61	3974.78	24185.01	12151.46	14305.58
Net Profit / (Loss) for the period from Discontinued operations (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	0.00	0.00	119.32	-425.50	4685.85	4541.05
Net Profit / (Loss) for the period from continuing operations before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	9522.42	10050.61	3974.78	24185.01	12151.46	14305.58
Net Profit / (Loss) for the period from discontinued operations before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	0.00	0.00	119.32	-425.50	4685.85	4541.05
Net Profit / (Loss) for the period from continuing operations after Tax(after Exceptional and /or Extraordinary items)	9187.59	7377.69	3154.90	19348.69	9044.60	9660.83
Net Profit / (Loss) for the period from discontinued operations after Tax(after Exceptional and /or Extraordinary items)	0.00	0.00	-13.76	-256.98	3562.18	9024.95
Total Comprehensive Income for the year	9758.60	8887.66	3413.59	21970.63	12821.07	18579.29
Equity Share Capital	2,152.38	2,152.38	2,164.75	2,152.38	2,164.75	2,152.38
Other Equity (excluding Revaluation Reserves)						1,90,865.20
Earnings Per Share (After tax and before Exceptional items) (of ₹ 2/- each) for continuing operations						
Basic :	8.53	6.85	2.89	17.98	8.24	8.84
Diluted:	8.53	6.85	2.89	17.98	8.24	8.84
Earnings Per Share (After tax and before Exceptional items) (of ₹ 2/- each) for discontinued operations						
Basic :	-	-	(0.01)	(0.24)	3.25	8.26
Diluted:	-	-	(0.01)	(0.24)	3.25	8.26
Earnings Per Share (After tax and before Exceptional items) (of ₹ 2/- each) for continuing and discontinued operations						
Basic :	8.53	6.85	2.88	17.74	11.49	17.10
Diluted:	8.53	6.85	2.88	17.74	11.49	17.10

Key numbers of Standalone Financial Results:

PARTICULARS	Quarter ended			Nine Months Ended		Year ended
	31st December 2023	30th September 2023	31st December 2022	31st December 2023	31st December 2022	31st March 2023
	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited
Total income from operations (net)	36,565.74	48,645.97	18,525.69	1,19,818.86	51,652.79	51,652.79
Profit before Tax for the period from continuing operations	8,072.80	9,808.80	3,964.13	25,089.80	12,209.96	12,209.96
Profit before Tax for the period from discontinued operations	-	-	119.32	(425.50)	4,685.85	4,685.85
Net Profit after Tax for the period from continuing operations	7,761.32	7,142.57	3,146.05	20,290.96	9,086.31	12,812.53
Net Profit after Tax for the period from discontinued operations	-	-	(13.76)	(256.98)	3,562.18	9,024.95

Note : The above is an extract of the detailed format of Financial Results for the Quarter and nine month ended December 31,2023 filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Financial Results are available on the Stock Exchange websites, www.nseindia.com and www.bseindia.com and on the Company's website www.techno.co.in.

For and on behalf of the Board of Directors
(P. P. Gupta)
Managing Director
DIN : 00055954

Date :- The 13 February, 2024

जेएनयू चुनाव: आयु सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव पारित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू विवि की आम सभा ने छात्रसंघ चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की आयु सीमा दो साल बढ़ाने का प्रस्ताव पारित कर दिया है।

विश्वविद्यालय द्वारा सोमवार रात जारी किए गए दस्तावेज के अनुसार, यह कदम आयु मानदंडों को पूरा न करने वाले छात्रों को आगामी जेएनयू छात्रसंघ (जेएनयूएसयू) चुनाव लड़ने का अवसर प्रदान करेगा जो कोविड-19 महामारी के कारण रुक गया था। यह निर्णय सोमवार को विश्वविद्यालय की आम सभा की बैठक के दौरान लिया गया, जिसमें सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्धारित आयु सीमा को दो साल बढ़ाने का प्रस्ताव पारित किया। संबंधित दस्तावेज में कहा गया, 2019-20 के शैक्षणिक सत्र के बाद लगातार चार वर्षों से जेएनयूएसयू चुनाव नहीं हुआ है, जिससे लिंगदोह समिति की सिफारिशों द्वारा निर्धारित आयु सीमा पार कर चुके छात्र चुनावों की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के अधिकार से वंचित हो गए हैं। लिंगदोह समिति की सिफारिशों के अनुसार, स्नातक उम्मीदवार के लिए निर्धारित आयु सीमा 17 से 22 वर्ष, स्नातकोत्तर उम्मीदवार के लिए 25 वर्ष और पीएचडी उम्मीदवार के लिए 30 वर्ष है। चुनाव लड़ने के अधिकार से वंचित छात्रों को 2023-24 में जेएनयूएसयू चुनाव लड़ने का अवसर मिल सके।

विस का औचित्य, अस्तित्व खत्म हो चुका : बिधूड़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तानाशाही और अलोकतांत्रिक तरीके से सरकार चला रहे केजरीवाल

विधानसभा का बजट संत्र 15 फरवरी से शुरू हो रहा है। इसको लेकर भाजपा विधायकों ने नाराजगी व्यक्त की है। पार्टी नेताओं का कहना है कि बजट सत्र में भी सदस्यों को प्रश्न पूछने के संवैधानिक अधिकार से लगातार वंचित रखा गया है। केजरीवाल सरकार विस को तानाशाही और अलोकतांत्रिक तरीके से चला रही है।

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी की अध्यक्षता में विधायक विजेंद्र गुप्ता, जितेंद्र महाजन, अनिल वाजपेयी, अभय वर्मा और अजय महावर की बैठक हुई। जिसमें यह प्रस्ताव पारित किया गया कि केजरीवाल सरकार के असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक रवैये को देखते हुए अब इस सरकार से कोई अपेक्षा नहीं की जा सकती। यह सरकार न तो विधानसभा के प्रति जवाबदेह है, न विपक्ष के प्रति और न ही जनता के प्रति। सरकार ने विधानसभा में विपक्ष के साथ-साथ सत्ता पक्ष के सदस्यों से प्रश्न पूछने तक का संवैधानिक अधिकार छीन लिया है। रामवीर बिधूड़ी सिंह ने पार्टी के विधायकों की मौजूदगी में मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विधानसभा में सदस्य सरकार की नीतियों या कार्यों पर कोई सवाल नहीं उठा सकते और न ही अपने क्षेत्र की जनता की आवाज को उठा सकते हैं। विपक्षी सदस्यों के साथ लगातार सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। यदि वे कोई भी मुद्दा उठाने की कोशिश करते हैं तो उन्हें विधानसभा से बाहर करा दिया जाता है। यहां तक कि नियमानुसार स्वीकार किए प्रस्तावों को भी उठाने की अनुमति नहीं दी जाती। विधानसभा में दिल्ली के मामलों पर ही चर्चा नहीं की जाती और ऐसे विषयों पर चर्चा की जाती है जो सरकार के अधिकार क्षेत्र में ही नहीं आते। प्रधानमंत्री, उपराज्यपाल और अन्य उच्च संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के प्रति असम्मान व्यक्त किया जाता है। ऐसी स्थिति में अब राष्ट्रपति से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया जाएगा और उनसे कहा जाएगा कि विस को भंग कर दिया जाए। बिधूड़ी ने कहा कि पूरे देश में किसी भी सदन को इस तरह नियमों का उल्लंघन करके नहीं चलाया जा रहा।

संक्षिप्त समाचार

युवा उत्सव में एसडी कॉलेज के छात्रों ने जीते पुरस्कार

पलवल। गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म महाविद्यालय पलवल के विद्यार्थियों ने राजकीय महाविद्यालय खेड़ी गुजरान, फरीदाबाद में आयोजित उच्चतर शिक्षा विभाग पंचकूला हरियाणा द्वारा स्पांसर्ड युवा महोत्सव नवरंग 2024 में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और पुरस्कार लेकर आए। इस कार्यक्रम में कुल 19 प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं थीं और हरियाणा राज्य से 18 महाविद्यालयों ने हिस्सा लिया। महाविद्यालय के छात्रों ने 13 प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और नौ में विजेता रहे। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नरेश कामरा और प्रतिभा सिंगला के कुशल मार्गदर्शन में हुआ। एसडी कॉलेज के पुरस्कृत विद्यार्थियों में मिसकीना ने मेहंदी में प्रथम स्थान, ज्योति ने रंगोली में द्वितीय स्थान, फ्लैशबैक एवं नुक्कड़ नाटक में द्वितीय स्थान, सुमित ने पोस्टर मेकिंग में तृतीय स्थान प्राप्त किया। नेहा ने उर्दू कविता एवं हिंदी कविता में तृतीय स्थान, भाषण प्रतियोगिता में प्रीति ने तृतीय स्थान, नृत्य में रोहित ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष का किया स्वागत

नोएडा। उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष पारस शुक्ला के जनपद आगमन पर सेक्टर-14ए स्थित कंट्रोल रूम के पास फूल माला व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर पश्चिम उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष पारस शुक्ला ने कहा कि नोएडा के युवा कांग्रेसी पार्टी की मजबूती के लिए काम करें। स्वागत करने वालों में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एडवोकेट नगीना लोकसभा चुनाव पर्यवेक्षक दिनेश अवाना, मेरठ जिला अध्यक्ष अवनीश काजला, पूर्व उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रदेश सचिव जनाब नसीम खान, पूर्व अध्यक्ष नोएडा कांग्रेस/प्रदेश महासचिव उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस शहाबुद्दीन, नोएडा महासचिव युवा कांग्रेस राम चन्द्र गुप्ता, वरिष्ठ कांग्रेस नेता परमवीर लोहिया, युवा नेता कांग्रेस वीरेंद्र मुखिया, नोएडा सिविक सोशल आउटरीच युवा अध्यक्ष मोहम्मद चांद, शौकत अल्वी, युसूफ अल्वी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डॉ सीमा, गुलफसा, मेहंदी, रुबी, मोनू पंडित, अशरफ , आसमां, सन्नी, नितिन, मदन, साबिरीन, शबाना, गुलनाज, परवेज़ व अन्य लोग मौजूद रहे।

न्यूज चैनल के ड्राइवर के साथ लूट

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना इंदिरापुरम क्षेत्र में मंगलवार की अल सुबह इलेक्ट्रॉनिक चैनल के ड्राइवर के साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया गया। पीड़ित के मुताबिक एक बाइक पर आए तीन बदमाशों ने हथियार के दम पर उस मोबाइल, नगदी, पर्स और कार का जीपीएस लूट लिया। साथ ही एटीएम का पिन पूछ कर एटीएम से 10 हजार रुपए निकाल लिए। अमर सिंह एक निजी इलेक्ट्रॉनिक चैनल में ड्राइवर है। अमर सिंह ने बताया कि वह जब चैनल के स्टाफ को पिक करने के लिए इनोवा कार से जा रहे थे तो इसी दौरान मंगलवार की सुबह तकरीबन 5;00 बजे एक बाइक पर सवार 3 बदमाशों ने उनकी कार के सामने बाइक स्किड करके रोक दी। इससे पहले वह कुछ समझ सकते बाइक पर से दो लड़के उतरे और उन्होंने हथियार के दम पर उनसे उनका मोबाइल, पर्स, जेब में रखी नगदी, कार का जीपीएस और एटीएम कार्ड लूट लिया। बदमाशों ने एटीएम का पिन पूछ कर एटीएम से 10 हजार रुपए भी निकाल लिए। अमर सिंह के मुताबिक जिस बाइक पर बदमाश आए थे उस पर नंबर प्लेट नहीं थी।

गंगाराम अस्पताल के पांच चिकित्सकों पर 7.20 लाख रुपये का लगा जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने भुगतान करने के दिए निर्देश

दिल्ली राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (डीएससीडीआरसी) ने उपचार में लापरवाही के लिए सर गंगाराम अस्पताल और उसके पांच चिकित्सकों को एक मृत महिला मरीज के पति को 7.20 लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा कि उन्होंने उपचार की मानक पद्धति का पालन किए बिना महिला मरीज का एक प्रयोग के रूप में इस्तेमाल किया।

आयोग ने कहा कि अस्पताल व चिकित्सकों ने गलत निदान किया और ऑपरेशन के बाद मरीज को उचित देखभाल प्रदान करने में विफल रहे। उपभोक्ता आयोग ने पति द्वारा दायर एक शिकायत पर यह आदेश पारित किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि अस्पताल और उसके चिकित्सकों की ओर से लापरवाही और पेशेवर कदाचार के कारण 18 जून, 2015 को उसकी पत्नी की मृत्यु हो गई। न्यायमूर्ति संगीता ढींगरा सहगल की पीठ ने कहा कि अस्पताल शिकायतकर्ता को उसकी पत्नी के पूरे मेडिकल रिकॉर्ड उपलब्ध कराने से पहले दो महीने से अधिक समय तक इंतजार कराने के लिए कोई स्पष्टीकरण देने में विफल रहा। नौ फरवरी के फैसले में पीठ ने कहा कि शिकायतकर्ता बसंत लाल शर्मा ने मरीज की मौत से पहले किए गए परीक्षण की रिपोर्ट मांगी थी।

किसानों में असंतोष

चुनावी राजनीति

किसानों में असंतोष ऐसे समय चुनावी राजनीति का विषय बन रहा है जब भाजपा और कांग्रेस के बीच चुनावी संग्राम तेज हो रहा है। वर्तमान समय में यह विवाद का विषय है कि किस पार्टी ने ग्रामीणों, किसानों ओर गरीबों के लिए ज्यादा काम किया है। 17वीं लोकसभा का अंतिम सत्र समाप्त होने के बाद अब चुनावों की घोषणा किसी समय हो सकती है। ऐसे में दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमले तेज कर रहे हैं और स्वयं को हाशियाकृत वर्गों का असली हमदर्द बता रहे हैं। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार पर करारा हमला बोलते हुए उन पर चुनावों को छोड़ कर बाकी समय ग्रामीण समुदायों, गरीबों और किसानों की अनदेखी का आरोप लगाया है। अपने जवाब में प्रधानमंत्री ने ग्रामीण विकास तथा कृषि सुधारों के मामले में कांग्रेस के रिकार्ड का मजाक उड़ाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि कांग्रेस को केवल चुनावों के समय ही किसानों की याद आती है। हालांकि, देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस स्वयं को लंबे समय से समाज के हाशियाकृत वर्ग के समर्थक होने का दावा करती रही है। लेकिन भाजपा ने उसके क्षेत्र में घुसपैठ की है और अब कांग्रेस की अपने प्रमुख समर्थक वर्ग पर पकड़ बहुत ढीली पड़ गई है। अपने समर्थन में भाजपा का तर्क है कि किसानों को प्रत्यक्ष आय सहायता देने वाली 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना जैसी पहलों से ग्रामीण समुदायों के कल्याण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता प्रकट होती है। कांग्रेस अपनी खोई हुई जमीन प्राप्त करने के लिए भाजपा की कृषि नीतियों की आलोचना करती है। इसमें वे तीन कृषि विधेयक भी शामिल हैं जिनको बाद में वापस ले लिया गया था।

किसानों के व्यापक 'दिल्ली चलो' मार्च को देखते हुए कांग्रेस ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया है कि वह सार्थक परिवर्तन करने में विफल रही है तथा केवल किसानों का मुंहजबानी समर्थन करती है। हालांकि, हालिया हमला भावी चुनाव को लेकर किया गया है, पर मोदी सरकार की ग्रामीण और कृषि नीतियों के खिलाफ कांग्रेस का हमला नया नहीं है। प्रदर्शनकारी किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य-एमएसपी की कानूनी गारंटी व स्वामीनाथन आयोग की संस्तुतियों के क्रियान्वयन समेत अनेक मांगें कर रहे हैं। तटस्थ दृष्टिकोण से देखें तो किसानों का यह आंदोलन विपक्षी दलों को राजनीतिक व चुनावी लाभ दिलाने का प्रयास कर रहा है। कांग्रेस, 'आप' व सपा नेताओं के बयानों से स्पष्ट है कि वे किसानों में असंतोष का चुनावी लाभ उठाना चाहते हैं। विडंबना है कि देश के अनेक अन्नदाता समग्र ग्रामीण विकास तथा देश की तेजी से बदलती आर्थिक स्थितियों के अनुकूल कृषि विकास पर सोच नहीं पा रहे हैं और जाने-अनजाने चुनावी राजनीति का शिकार बन जाते हैं। अनेक कृषि अर्थशास्त्रियों का मानना है कि कृषि उत्पादों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी संभव नहीं है। इस तथ्य को भी अनदेखा किया जाता है कि भाजपा सरकार ने स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू की है और केवल उसके विस्तृत विवरणों के बारे में ही कुछ विवाद हैं। हाल ही में भारत रत्न से सम्मानित हरित क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन ने अपने एक लेख में मोदी सरकार की कृषि नीतियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की थी। मोदी सरकार ने तीन कृषि विधेयकों को वापस लेते हुए दु:ख प्रकट किया था कि वे किसानों को अपनी बात समझा नहीं पाए। भाजपा को एक बार फिर किसानों के पास जाकर उनको सरकार की कृषि नीतियों के बारे में समझाना होगा ताकि उनके दिमाग में पैदा भ्रम दूर किए जा सकें।

विनिवेश और बजट में अलगाव जरूरी

विनिवेश के प्रति दृष्टिकोण में आमूल परिवर्तन जरूरी है। सरकार इसे बजटीय सीमाओं से अलग कर इससे जुड़े पुरानी समस्याओं से निपट सकती है।

उत्तम गुप्ता
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

वित्त वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट पेश करने के बाद 1 फरवरी, 2024 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रेस सम्मेलन में वित्त सचिव टी.वी. सोमनाथन ने कहा कि 'सरकार अब विनिवेश को बजट संतुलन के दृष्टिकोण से नहीं देखती है'। विनिवेश का अर्थ केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों-सीपीएसयू में केन्द्र सकरार के शेयर बेचना है। वित्त सचिव का यह कथन निर्मला सीतारमण के उस कथन से असंगत लगता है जिसमें उन्होंने वित्त वर्ष 2024-25 में विनिवेश से 50,000 करोड़ रुपये प्राप्त करने की बात कही थी, हालांकि इसका उल्लेख उनके बजट भाषण में नहीं था। यदि वित्त सचिव के कथनानुसार सरकार का इरादा इससे बजट संतुलन का नहीं था तो लक्ष्य तय करने का कोई अर्थ नहीं है। लेकिन लक्ष्य निर्धारित करने का उद्देश्य यदि गैर-कर राजस्व में वृद्धि है तो उन्होंने इसे पुरानी परंपरा पर चलते हुए बजट से अलग नहीं किया है। सीपीएसयू में सरकारी शेयरों की बिक्री से संसाधन एकत्र करने की योजना मूलभूत रूप से अतार्किक है।

इसका कारण यह है कि जहां कर राजस्व को निश्चित रूप से वर्तमान कर दरों तथा नामिनल जीडीपी में वृद्धि के तार्किक आंकलन के आधार पर निर्धारित किया जा सकता है, वहीं इसके उलट विनिवेश से होने वाली प्राप्ति के बारे में कुछ भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता है। विनिवेश के मामले में काफी कुछ बाजार के परिदृश्य पर निर्भर करता है और यह खासकर उस कंपनी के बारे में निवेशकों के दृष्टिकोण पर भी निर्भर करता है जिसके शेयरों की बिक्री का निर्णय किया गया हो। रणनीतिक बिक्री के मामले में सरकार को ज्यादा बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है क्योंकि उसे सकारात्मक बाजार के साथ बड़े निवेशकों की जरूरत होती है। इसका अर्थ सीपीएसयू में सरकारी शेयर घटा कर 50 प्रतिशत से नीचे लाना होता है। जब रणनीतिक निवेशक बोली बोलने के लिए तैयार हों, उसी समय सहमतियों व नौकरशाही लाल-फीताशाही की लंबी और जटिल प्रक्रिया इसमें बाधा डाल सकती है।

नीति आयोग विनिवेश वाली कंपनियों की पहचान करता है इसके बाद विनिवेश पर सचिवों का कोर ग्रुप-सीजीडी एक लंबी प्रक्रिया के माध्यम से वैकल्पिक व्यवस्था-एएम प्रस्तावित करता है। इसके बाद मंत्रियों का एक समूह इसकी सहमति देता है जिसमें वित्त मंत्री, सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री तथा प्रशासनिक सुधार मंत्री, आदि शामिल होते हैं। एएम पर सहमति के बाद निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग-दीपम एक प्रस्ताव सहमति के लिए आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति-सीसीईए के समक्ष रखता है। ऐसे में आश्चर्य नहीं कि मोदी सरकार 2015-16 में प्रक्रिया शुरू करने के बाद से अपने विनिवेश लक्ष्य पूरे करने में सफल नहीं हुई है जिसमें 'रणनीतिक' बिक्री पर खास जोर दिया गया था।

केवल 2017-18 व 2028-19 में उसने लक्ष्य प्राप्त किया था। इसका मुख्य कारण यह था कि इन वर्षों में उसने एक सीपीएसयू के ज्यादातर शेयर दूसरे सीपीएसयू को बेचे थे।2017-18 में सरकार ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड-एचपीसीएल के 51.11 प्रतिशत शेयर तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम-ओएनजीसी को बचे जिससे 37,000 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई। इसके अगले साल उसने ग्रामीण विद्युतीकरण निगम-आरईसी के 52.63 प्रतिशत शेयर पावर फाइनेंस कार्पोरेशन-पीएफसी को बेचे जिससे 13,000 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। लेकिन इन बिक्रियों को रणनीतिक नहीं कहा जा सकता है क्योंकि इनकी खरीद दूसरी सीपीएसयू ने की थी ओर इस प्रकार सरकार ही उसकी स्वामी बनी रही थी। 1 फरवरी, 2023 को बजट प्रस्तुत करते हुए सीतारमण ने वर्तमान वित्त वर्ष में विनिवेश से 51,000 करोड़ रुपये प्राप्त करने का लक्ष्य रखा था। इसके बाद इसे घटा कर 30,000 करोड़ कर दिया गया। सरकार ने 1 फरवरी, 2024 तक केवल 12,500 करोड़ रुपये प्राप्त किए थे और ऐसे में संशोधित अनुमान पूरा होने की कोई संभावना नहीं है।

मूलभूत रूप से पीएसयू में सरकारी शेयरों का विनिवेश उसकी परिसंपत्तियों की बिक्री है। इसलिए इससे प्राप्त धनराशि को बजट तैयार करते समय केवल 'पूंजीगत प्राप्तियां'-सीआर समझा जा सकता है। ऐसे में प्राप्तियों को किसी प्रकार राजस्व प्राप्तियां-आरआर नहीं समझा जाना चाहिए जो सरकार की दिन-प्रतिदिन बिजनेस गतिविधियों से प्राप्त धनराशि, जैसे सरकारी शेयरों का डिविडेंट, अदि होती है। सरकार को यह रास्ता बदल कर असंदिग्ध रूप से उस रास्ते पर चलना चाहिए जिसका संकेत वित्त सचिव ने दिया है। उसे शेयरों की बिक्री को बजट बनाने से 'अलग' रखना चाहिए। सरकार का कर राजस्व बढ़ रहा है और 2021-22 से लगातार तीन साल से यह बजट अनुमानों से अधिक है। इसके साथ ही सरकार को भारतीय रिजर्व बैंक-आरबीआई तथा राज्य-संचालित बैंकों तथा सीपीएसयू से ज्यादा डिविडेंट भी मिल रहा है। ये सकारात्मक प्रवृत्तियां राजकोषीय घाटे का प्रबंधन करने के लिए काफी हैं। इसलिए बजट को विनिवेश से प्राप्त होने वाली धनराशि पर निर्भर होने की जरूरत नहीं है। वित्त मंत्री ने शेयरों की बिक्री पर अपना दृष्टिकोण 2021-22 के बजट भाषण में रखा था। इसके अंतर्गत सीपीएसयू को दो श्रेणियों-रणनीतिक और गैर-रणनीतिक में बांटा गया था।

रणनीतिक समूह में आणविक ऊर्जा, अंतरिक्ष एवं रक्षा, परिवहन व दूरसंचार, बिजली, पेट्रोलियम, कोयला एवं अन्य खनिज तथा बैंकिंग, बीमा एवं वित्तीय सेवाओं को रखा गया था। अन्य सभी क्षेत्रों को गैर-रणनीतिक श्रेणी में रखा गया था जिसमें औद्योगिक एवं उपभोक्ता वस्तुयें, होटल एवं पर्यटन सेवायें, व्यापार व मार्केटिंग शामिल हैं। सरकार रणनीतिक क्षेत्रों में सीपीएसयू की बिक्री इस शर्त के साथ करना चाहती थी कि कम से कम एक और अधिकतम चार उद्यम सार्वजनिक क्षेत्र में बनाए रखे जांए, वहीं वह गैर-रणनीतिक क्षेत्रों में 'सभी' उद्यमों का निजीकरण करना चाहती थी। इस श्रेणी के सभी घाटे वाले उद्यमों को बंद किया जाना था। लेकिन उसे इस प्रक्रिया को विरासत में मिले अनेक मुद्दों से मुक्त करना था। अनेक दशकों से सरकार के स्वामित्व व नियंत्रण ने नौकरशाही में यह भावना पैदा कर दी है कि उनको पीएसयू को आदेश देने व उसके प्रबंधन का अधिकार है। हालांकि, मोदी सरकार में चीजें सुधरी हैं और 'नीति-संचालित राज्य' की अवधारणा से 'पारदर्शिता' बढ़ी है, लेकिन फिर भी मूल सोच पहले जैसी बनी हुई है। इसे समाप्त करने की जरूरत पैदा हो गई है।

रणनीतिक बिक्री के बाद भी सरकार पहले की तरह 'ड्राइवर सीट' पर ही बनी रहना चाहती है। यह सीतारमण के 2019-20 में बजट भाषण के एक कथन से यह स्पष्ट भी हो जाता है। उन्होंने कहा था कि उनका इरादा सीपीएसयू में 'प्रत्यक्ष' रूप से 51 प्रतिशत शेयर बनाए रखने के बजाय ऐसी स्थिति बनाना है जहां वह 'प्रत्यक्ष' और 'परोक्ष' रूप से 51 प्रतिशत शेयर बनाए रखें। यह दृष्टिकोण जारी है। सीपीएसयू का अन्य असंबद्ध उद्देश्यों के लिए प्रयोग जारी है। उदाहरणार्थ, सरकार उर्वरक पीएसयू का प्रयोग राजनीतिक रूप से संवेदनशील कृषि-निवेश देश के हर कोने में पहुंचाने के लिए करती है। इससे उर्वरक क्षेत्र में नौ सीपीएसयू की रणनीतिक बिक्री प्रभावित हुई है, हालांकि, इसकी संस्तुति सार्वजनिक उद्यम विभाग-डीपीई व नीति आयोग ने की है। पेट्रोल तथा डीजल मूल्यों का विनियमितीकरण 2010 व 2014 में किया गया था, लेकिन इसके बावजूद सरकार उनकी कीमतों पर नियंत्रण रखती है।

इस उद्देश्य से वह सभी तेल पीएसयू को आदेश देती है और उनकी कुल बिक्री के 90 प्रतिशत पर नियंत्रण करती है। इस कारण 2019-20 में प्रस्ताव के बावजूद भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड-बीपीसीएल की रणनीतिक बिक्री चार साल बाद भी नहीं हो पाई है। सरकार सभी सीपीएसयू का प्रयोग ढांचागत संरचना तथा हरित परिवर्तन में करना चाहती है ताकि जलवायु परिवर्तन लक्ष्य पूरे हो सकें। हालांकि, यह तर्क उचित है, पर इससे रणनीतिक बिक्री तथा निजी क्षेत्र की जलवायु लक्ष्य प्राप्त करने में सहभागिता नहीं सुनिश्चित होती है। मोदी सरकार को विरासत में मिली सारी बाधायें दूर कर शेयरों की बिक्री को नौकरशाही नियंत्रण से मुक्त करना चाहिए।

एक धरती-एक स्वास्थ्य की अवधारणा

राजेश कुमार सिंह
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भारत द्वारा 'वन अर्थ वन हेल्थ' का नारा बुलंद करना अपने आप में बताता है कि भारत किस तरह से हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना चाहता है। इस दर्शन में सभी प्राणियों - मनुष्यों, जानवरों और यहां तक कि पौधों - के लिए समग्र स्वास्थ्य सुरक्षा और देखभाल शामिल है। इसके अलावा चिकित्सा उपचार को सस्ता बनाना भी भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। यह कई लोगों को आश्चर्यचकित कर सकता है, लेकिन तथ्य यह है - केवल दो कल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं - आयुष्मान भारत और जन औषधि योजना ने मुख्य रूप से गरीब और मध्यम वर्ग से आने वाले रोगियों को 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक प्रदान किए हैं। बचा लिया है। आयुष्मान भारत से न केवल नए अस्पतालों की मांग बढ़ी है बल्कि नए अस्पताल और मेडिकल कॉलेज खोलने का अवसर भी बढ़ रहा है। लेकिन संचालन के केंद्र में प्रौद्योगिकी के साथ एक नया और संपूर्ण स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र भी बनाना। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए इन पुनर्जीवित प्रयासों ने अत्यधिक क्षमता वाले स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को एक बड़ा धक्का दिया है, जो आने वाले वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपये का होने का वादा करता है, अगर निजी क्षेत्र और चिकित्सा शिक्षा के बीच उचित समन्वय हो। बेशक, यहां और भी अच्छा होता यदि राज्य सरकारों के साथ उचित समन्वय कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की भी सुध ली जाती। जिसे शायद वर्तमान मंत्रालय करने में विफल रहा है। जबकि छोटे ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों पर परीक्षण सुविधा को जिला अस्पताल से जोड़ा जा सकता है।

स्वास्थ्य सेवा में प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करना स्वास्थ्य सेवा उद्यमियों, निवेशकों और पेशेवरों के लिए एक बड़ा अवसर है। केंद्रीय बजट 2023-24 में 89,155 करोड़ रुपये के आवंटन ने भी इस क्षेत्र को नई गति दी है। कोविड से पहले और बाद की स्थितियों के बीच फोकस में स्पष्ट अंतर है।

कार्रवाई में उतरते हुए, भारत न केवल उपचार पर बल्कि कल्याण पर भी ध्यान केंद्रित करता है। आजादी के बाद कई दशकों तक स्वास्थ्य के लिए एक एकीकृत दीर्घकालिक दृष्टिकोण की अनुपस्थिति को एक तरफ रखते हुए, अब स्वास्थ्य

के विषय को केवल स्वास्थ्य मंत्रालय तक सीमित रखने के बजाय, पीएम मोदी के तहत संपूर्ण-सरकारी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना बेहतर है। भविष्य की ओर इशारा करता है. आम लोगों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने किफायती इलाज को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। 10,000 से अधिक जन औषधि केंद्र जरूरतमंदों को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराते हैं। पीएम-आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन न केवल नए अस्पतालों को जन्म दे रहा है बल्कि एक नया और संपूर्ण स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र भी बना रहा है। पिछले 10 वर्षों में चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में एक तरह की क्रांति आई है। 260 से अधिक नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं, जिससे 2014 की तुलना में स्नातक और स्नातकोत्तर मेडिकल पाठ्यक्रमों में मेडिकल सीटें दोगुनी हो गई हैं। हालांकि मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के संबंध में नीतिगत निर्णयों में बदलाव की जरूरत है और इस पर और अधिक काम करने की जरूरत है। विदेश में पढ़ रहे भारतीय मेडिकल छात्रों के लिए भारत के दरवाजे कैसे आसान बनाए जाएं। हालांकि, ताजा बजट में नर्सिंग सेक्टर पर भी काफी जोर दिया गया है. मेडिकल कॉलेजों के आसपास 157 नर्सिंग कॉलेज, चिकित्सा मानव संसाधन की दिशा में एक बड़ा कदम। 5त्र जैसी तकनीकें स्टार्टअप्स के लिए नए अवसर पैदा कर रही हैं। ड्रोन दवा वितरण और परीक्षण सेवाओं में क्रांति ला रहे हैं। पीएलआई योजनाओं पर 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक, बल्क ड्रग पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क जैसी पहल के कारण चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में 12-14त्र की वृद्धि देखी गई है। इसके अलावा, आईआईटी में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, उद्योग-अकादमिक और सरकारी सहयोग जैसे पाठ्यक्रम शुरू करना भी इस क्षेत्र के लिए बहुत कुछ है। हालाँकि, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के बजाय, हमने एम्स जैसे संस्थानों में रोगी देखभाल ओपीडी को और अधिक बढ़ाया, जबकि एम्स की पहचान एक शोध संस्थान और अनुसंधान क्षेत्र में उनके पुराने योगदान के रूप में बनी रही।

निवारक स्वास्थ्य देखभाल और जागरूकता पर सरकार के प्रयास जैसे स्वच्छता के लिए स्वच्छ भारत अभियान, धूम्रपान से संबंधित बीमारियों के लिए उज्ज्वला योजना, जलजनित बीमारियों से निपटने के लिए जल जीवन मिशन, एनीमिया और कुपोषण, मोटापे से निपटने के लिए राष्ट्रीय पोषण मिशन, अनाज पर ध्यान - श्री अन्ना, पीएम मातृ वंदना योजना, मिशन इंद्रधनुष, योग, फिट इंडिया मूवमेंट और आयुर्वेद सहित प्राकृतिक चिकित्सा, वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति पर बढ़ते फोकस ने लोगों को बीमारियों से बचाया है। सरकार के ये सभी कदम लोगों के लिए एक नए युग की शुरुआत हैं और दुनिया के सामने स्वास्थ्य को लेकर भारत का एक दृष्टिकोण भी हैं। जिसे प्रधानमंत्री के पहले के संबोधन में समझा जा सकता है। जिसमें प्रधानमंत्री ने दुनिया भर के स्वास्थ्य मंत्रियों और पश्चिम एशिया, सार्क, आसियान और अफ्रीकी क्षेत्रों के प्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। एक भारतीय ग्रंथ का हवाला देते हुए, जिसका अनुवाद इस प्रकार है, सभी को खुश रहने दें, सभी को बीमारियों से मुक्त होने दें, सभी के साथ अच्छी चीजें होने दें और किसी को भी दुख न होने दें, प्रधान मंत्री ने एक समावेशी देश के बारे में अपना दृष्टिकोण व्यक्त किया। इस बात पर प्रकाश डाला और बताया कि हजारों साल पहले जब कोई वैश्विक महामारी नहीं थी तब भी स्वास्थ्य के प्रति भारत की दृष्टि सार्वभौमिक थी। उन्होंने रेखांकित किया कि वन अर्थ वन हेल्थ समान मान्यताओं का पालन करता है और कार्रवाई में उसी विचार का एक उदाहरण है। हमारी दृष्टि केवल मनुष्यों तक ही सीमित नहीं है। बल्कि हर जीवित प्राणी के लिए एक सुंदर पृथ्वी की भी है। यही वसुधैव कुटुंबकम का भारतीय दर्शन है।

आप की बात

पाकिस्तानी राजनीति

पाकिस्तान में आम चुनाव के बाद किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। अब सर्वाधिक सीटों वाली नवाज शरीफ की पार्टी को सरकार बनाने के लिए बुलाया गया और वह अन्य दलों से समर्थन प्राप्त करके सरकार बना भी लेंगे। जब सेना ने नवाज शरीफ का निर्वासन समाप्त किया और उन्हें पाकिस्तान में आने की इजाजत दी तब से ही लग रहा था कि इमरान खान को प्रधानमंत्री पद से दूर रखने के लिए सेना रणनीति बना चुकी है। इमरान खान की पार्टी का समर्थन करने वाले निर्दलीय उम्मीदवारों की संख्या सबसे ज्यादा होने के बावजूद नवाज शरीफ प्रधानमंत्री बन जाएंगे। इस प्रकार पहले की तरह ही प्रधानमंत्री सेना की कठपुतली बने रहेंगे साथ ही उनको छोटे दलों के रहमोकरम पर भी निर्भर रहना होगा। आर्थिक रुप से जर्जर पाकिस्तान सरकार के लिए जनता की मांगें पूरी करना फिलहाल संभव नहीं होगा। ऐसे में भारत के खिलाफ जहर उगलना नई सरकार के लिए अत्यावश्यक हो जाएगा। इस प्रकार पाकिस्तान में दिखावे के प्रजातंत्र के पीछे सेना का शासन बना रहेगा। सेना को यह चिन्ता जरूर करनी चाहिए कि जनता में अब उसके प्रति समर्थन रसातल में पहुंच गया है और उसकी तमाम कोशिशो के बावजूद भविष्य में भी इमरान खान शक्तिशाली राजनेता बने रहेंगे।

- **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

विपक्षी गठबंधन

विपक्षी इंडी गठबंधन की शुरुआत में दिखा जोश और सामंजस्य पांच राज्यों के विधानसभा परिणामों के बाद से ही कम होने लगा था। इसकी शुरुआत करने वाले नीतीश कुमार खुद एनडीए की गोद में जा बैठे तो उधर ममता बनर्जी और केजरीवाल ने अपने बलबूते पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। रालोद का पालाबदल निश्चित है। इस प्रकार एक के बाद एक इंडी गठबंधन की ईंटें खिसक रही है और अब यह भरभरा कर ढह जाएगा। दक्षिण भारत के राज्यों को छोड़ दे तो राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही एनडीए गठबंधन निरंतर शक्तिशाली होता जा रहा है। क्षेत्रीय दल भी एनडीए के प्रति भारी जन-रुझान को देखकर उसके साथ जुड़ने को ललायित हैं। हालांकि, कांग्रेस अब भी सबसे बड़ी पार्टी है मगर उसका अब मुस्लिम वोटो पर एकाधिकार नहीं है। पहले राम मंदिर का विरोध और अब प्राण प्रतिष्ठा समारोह में निमंत्रण ठुकरा कर उसने बड़ी संख्या में हिंदू वोटो को भी एनडीए की झोली में डाल दिया हैं। लगता है कि मोदी एनडीए का और विस्तार करेंगे। यह देश के लिए शुभ संकेत है कि प्रचंड बहुमत वाली सरकार उसका नेतृत्व करेगी जिससे देश की शाख विश्व स्तर पर निरंतर बढ़ती जाएगी।

- **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

ट्रंप की सोच

डोनाल्ड ट्रंप का नाटो गठबंधन के बारे में विचार बहुत पुराना है, जिसे उन्होंने फिर दुहराया है। उन्होंने कहा कि यदि वह दोबारा चुने जाते हैं तो अकेले अमेरिका रूसी आक्रमण से नाटो सदस्यों की रक्षा नहीं कर सकता है। इसके लिए उनको नाटो में समुचित वित्तीय योगदान करना होगा। वे अपने कार्यकाल में यूरोपीय देशों द्वारा नाटो में योगदान बढ़ाने पर जोर देते रहे हैं। व्हाइट हाउस, यूरोपीय नेताओं व नाटो ने ट्रम्प के इस बयान की निंदा की है। ट्रम्प ने 2020 में भी यूरोपीय आयोग अध्यक्ष उर्सुला लेयेन से कहा था कि अगर यूरोप पर हमला होता है तो हम आपकी मदद करने और आपका समर्थन करने के लिए कभी नहीं आएंगे। जो बाइडेन ने भी ट्रम्प के हालिया बयान की निंदा करते हुए कहा है कि ट्रम्प रूसी राष्ट्रपति पुतिन को युद्ध व हिंसा के लिए हरी झंडी दिखा रहे हैं। यह बयान भयावह और खतरनाक है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने कहा है कि यह बयान अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक स्थिरता और घरेलू स्तर पर हमारी अर्थव्यवस्था को खतरे में डालता है। लेकिन ऐसे बयान के बावजूद ट्रम्प इस समय भी अमेरिका के सबसे लोकप्रिय नेता बने हुए हैं। ट्रंप अपनी सोच में जीवित हैं जो वर्तमान वैश्विक यथार्थ से बिल्कुल मेल नहीं खाती है।

-**जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

प्रमोद कृष्णम का निष्कासन

कांग्रेस से प्रमोद कृष्णम का निष्कासन पार्टी नेतृत्व की पूर्वाग्रही मानसिकता का परिचायक है। प्राण प्रतिष्ठा आयोजन में शामिल होना, भगवान राम के प्रति आस्था दर्शाना और सनातनी होना क्या गलत है? कांग्रेस ऐसे ही कारणों से देश की जनता के बड़े हिस्से की नजरों से उतरती जा रही है। उसे इसकी सजा आगामी लोकसभा चुनाव में मिल सकती है। प्रमोद कृष्णम साधुवाद के पात्र हैं कि उन्होंने देश के स्वतंत्र नागरिक और विश्वासी हिंदू होने का परिचय दिया। इसी कांग्रेस पार्टी ने प्रमोद कृष्णम को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से अपना उम्मीदवार बनाया था। कांग्रेस समेत देश-प्रदेश की सारी जनता उस समय भी प्रमोद कृष्णम के विचारों, दर्शन और जीवनशैली से भलीभांति परिचित थी। ऐसे में पार्टी यह उम्मीद कैसे कर सकती थी कि वे अयोध्या में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा जैसे मुद्दे पर अपनी विचारधारा छोड़ देंगे, जबकि इस ऐतिहासिक आयोजन से देश-विदेश के लगभग सभी हिंदू अत्यधिक प्रसन्न हैं। प्रमोद कृष्णम कल्कि पीठ के प्रमुख हैं और अनेक पुराणों में भगवान के कल्कि अवतार की भविष्यवाणी की गई है।

- **योगेश जोशी,** बड़वाह

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

10 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारेगी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी

● कहा-उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए तैयार हैं नौकरी व रोजगार के 1.10 करोड़ नए अवसर

19 से 21 फरवरी तक लखनऊ में प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी की तैयारियों की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक कर आगामी 19-21 फरवरी को प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 की तैयारियों की समीक्षा की। विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, विकास प्राधिकरणों के सीईओ के साथ हुई इस विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने विभागवार और जनपदवार निवेश प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए 'जीबीसी-4.0' के सफल आयोजन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

योगी ने कहा कि आगामी 19-21 फरवरी तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में तीन दिवसीय ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन होने जा रहा है। पहले दिन 19 जनवरी को प्रधानमंत्री द्वारा एक साथ 10 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों के जमीनी क्रियान्वयन की शुरुआत होगी। इस अवसर पर उद्योग जगत के अनेक प्रतिष्ठित समूहए सीईओ, निवेशकों आदि की गरिमामयी उपस्थिति होगी। देश के ग्रोथ इंजन उत्तर प्रदेश का यह समारोह प्रदेश के साथ-साथ पूरे देश के औद्योगिक विकास को गति देने का माध्यम होगा। ऐसे में समारोह की गरिमा और महत्ता के दृष्टिगत सभी आवश्यक प्रबन्ध कर लिए जाएं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में 10-12 फरवरी, 2023 को यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सफल आयोजन हुआ। इस आयोजन में 10 कन्ट्री पार्टनर, 40 देशों के 1000 से अधिक विदेशी प्रतिनिधियों, पार्टनर कंट्री के 4 मंत्रीगण, 17 केंद्रीय मंत्रीगणों, राजदूतों/उच्चायुक्तों और 25000 से अधिक डेलीगेट्स सहित राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों तथा अन्य गणमान्य महानुभावों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर उत्तर प्रदेश का मान बढ़ाया। यह आयोजन हमारी 25 करोड़ जनता की आकांक्षाओं, युवाओं की अपेक्षाओं को पूरा करने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन इकोनॉमी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होने वाला है।

16 देशों के 21 नगरों और देश के 10 शहरों में रोड शो सहित प्रदेश के सभी 75 जनपदों में निवेशक सम्मेलन के उपरांत तीन दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से 39.52 लाख करोड़ के औद्योगिक निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इससे 1.10 करोड़ नौकरी/ रोजगार के अवसर सृजित होंगे। अब उत्तर प्रदेश इन निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

उन्होंने वर्ष 2018 में इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन के बाद जब पहली ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी आयोजित हुई थी, 60 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावों का क्रियान्वयन प्रारंभ हुआ था। आज 6 वर्ष बाद जीबीसी-4.0 में एक साथ 10 लाख 11 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों के ग्राउंड ब्रेकिंग की तैयारी है। यह ट्रांसफॉर्मेशन, यह बदलाव, यही स्पीड नए उत्तर प्रदेश की पहचान है। जीबीसी-4.0 में 500 करोड़ से अधिक की 262 परियोजनाएं सम्मिलित हैं जबकि 100-500 करोड़ तक 889 औद्योगिक परियोजनाएं जमीन पर उतरेंगी। महत्वपूर्ण यह भी कि सभी 75 जनपद इससे लाभान्वित होंगे। 3500 से अधिक इन्वेस्टर्स इस कार्यक्रम में उपस्थित होंगे। विशिष्ट समारोह में अनेक केंद्रीय मंत्रीगणों, विभिन्न राजदूतों, जनप्रतिनिधिगणों की सहभागिता भी होनी है। अति विशिष्ट जनों के सुरक्षा व सत्कार प्रोटोकाल का पूर्णत: अनुपालन किया जाना चाहिए। सीएम फेलो की काउंसिलिंग/ट्रेनिंग करके उन्हें इन अतिविशिष्ट जनों के साथ संबद्ध किया जाए। औद्योगिक जगत के शीर्षस्थ जनोंए उद्यमियों, निवेशकों आदि गणमान्य जनों की आवासीय व्यवस्था, भोजन, आवागमन, पार्किंग आदि के समुचित प्रबंध किए जाएं।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पूर्व सेवानिवृत्त आईएएस/ आईपीएस/ आईएफएस अधिकारियों, कुलपतिगणों के सहयोग से विभिन्न विश्वविद्यालयों/कॉलेजों में युवाओं के साथ इन्वेस्टर्स समिट की उपयोगिता, महत्ता, प्रभाव के बारे में संवाद का अभिनव प्रयास किया गया था।

मुख्यमंत्री ने बसंत पंचमी पर प्रदेशवासियों को दी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बसंत पंचमी के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। अपने बधाई संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा है कि बसंत पंचमी विद्या, बुद्धि, ज्ञान, कला, और संगीत की देवी मां सरस्वती के प्राकट्य का दिन है। इसलिए इस पर्व पर देवी सरस्वती का विधिपूर्वक पूजन किया जाता है। धर्म-अध्यात्म, सभ्यता-संस्कृति, ज्ञान-विज्ञान, कला-साहित्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में चिन्तन और साधना से मानव ने जो स्थान हासिल किया है, उसके लिए ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त करने का आयोजन है सरस्वती पूजा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी परम्परा में पर्व एवं त्योहार हर्षोल्लास एवं राष्ट्रीयता को सुदृढ़ करने के प्रेरणास्पद अवसर हैं। बसंत पंचमी का पर्व हमारी संस्कृति के गौरव एवं समृद्धि का प्रतीक है। बसंतोत्सव प्रकृति के उल्लास का पर्व है। पूरे देश में बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है।

आठ आईपीएस अफसरों के तबादले, अमरेंद्र बने लखनऊ जोन के एडीजी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य सरकार ने पांच आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए। प्रतिक्षारत चल रहे अमरेंद्र कुमार सेंगर को लखनऊ जोन का एडीजी नियुक्त किया गया है। वहीं लखनऊ जोन के एडीजी पीयूष मोर्डिया को इसी पद पर वाराणसी जोन भेजा गया है जबकि वाराणसी जोन के एडीजी राम कुमार को एडीजी मानवाधिकार उत्तर प्रदेश के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। अन्य तबादलों में कानपुर पुलिस कमिश्नरेट में तैनात ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर अपराध एवं मुख्यालय नीलाब्जा चौधरी को पुलिस महानिदेशक (प्रोवजनिंग) पीएसी मुख्यालय से अटैच किया गया है। उनकी जगह डीआईजी पीएसी सेक्टर, वाराणसी विपिन कुमार मिश्रा को कानपुर कमिश्नरेट में उसी पद पर तैनात किया गया है। इसी तरह कमलेश कुमार दीक्षित पीएसी 37वीं वाहिनी सेनानायक कानपुर से लखनऊ कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह चन्द्र प्रकाश द्वितीय को पुलिस महानिरीक्षक अभिसूचना मुख्यालय से पुलिस महानिरीक्षक प्रशिक्षण निदेशालय में तैनात किया गया है। वहीं आईपीएस सुरेश्वर पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएसी मुख्यालय लखनऊ से पुलिस उपमहानिरीक्षक अभिसूचना मुख्यालय लखनऊ में नई तैनाती दी गई है।

अखिलेश ने सपा मुख्यालय में की 'शालिग्राम शिला' की पूजा-अर्चना

● केदारनाथ की तर्ज पर इटावा में बन रहा केदारेश्वर मंदिर

जया बच्चन, डिम्पल यादव व शिवपाल समेत कई नेता रहे मौजूद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी मुख्यालय लखनऊ में मंगलवार को इटावा में निर्माणाधीन श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर में स्थापना के लिए नेपाल से आई शालिग्राम भगवान की शिला का विधिवत पूजन किया गया। पुजारी पं. लालता प्रसाद शुक्ल के मंत्रोच्चारण के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, सांसद डिम्पल यादव तथा सांसद जया बच्चन ने पवित्र शिला के समक्ष नारियल फोड़े, आरती की तथा भोग लगाया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव सहित बड़ी संख्या में विधायक, पार्टी पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि श्री शालिग्राम भगवान का आगमन देश प्रदेश के लिए मंगलकारी एवं जन-जन के लिए कल्याणकारी हो, इस पावन कामना के साथ हृदय से देवशिला का स्वागत है। पवित्र शालिग्राम की शिला को आंध्र प्रदेश के श्रीमधु बोट्टा तथा जौनपुर के कृपाशंकर नेपाल से लेकर लखनऊ आए। उन्होंने बताया कि नेपाल की काली गंडकी नदी में ही ऐसी शिलाएं मिलती है। इन्हें देवशिला कहते हैं। वर्तमान देवशिला 7 फिट ऊंची 6 फुट चौडी तथा 13 टन वजन की है। इटावा में श्री केदारेश्वर मंदिर का निर्माण 10 एकड़ क्षेत्र में हो रहा है। यह मंदिर भगवान केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति होगा। सपा मुखिया अखिलेश यादव की यह महत्वाकांक्षी योजना है और उनकी आस्था का मुख्य परिचायक है। समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में आज देवशिला के आने पर उत्सव एवं समारोह का माहौल था। शिला पर पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए लम्बा तांता लग गया। इनमें महिलाएं, अल्पसंख्यक तथा नौजवान सभी शामिल थे। शांति स्थापना मिशन की अपर्णा जैन तथा नीतेन्द्र यादव सहित अन्य नेता एवं कार्यकर्ता शामिल रहे। इस अवसर पर अहिरवा नृत्य का भी आयोजन हुआ। जिसका संयोजन पन्ने लाल यादव साहबगंज प्रतापगढ़ ने किया। उनके साथ राम बरन यादव, सियाराम, गुरदीन तथा रामजस, राम सुख पाल ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। इनमें राधा कृष्ण संवाद पर मुरली वादन आकर्षण रहा। शिला पूजन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से माता प्रसाद पाण्डेय, रामजीलाल सुमन, राजेन्द्र चौधरी, नरेश उत्तम पटेल, पवन पाण्डेय, मनोज पाण्डेय, अवधेश प्रसाद, ओम प्रकाश सिंह, इंद्रजीत सरोज, राकेश प्रताप सिंह, शाहिद मंजूर, अरविन्द कुमार सिंह, महेन्द्र नाथ यादव, कमलाकांत राजभर, आशुतोष मौर्य राजू, हिमांशु यादव, राम सिंह पटेल, अनिल कुमार प्रधान, बृजेश कठेरिया, पंकज पटेल, सचिन यादव आदि शामिल रहे।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रीय महासचिव पद से दिया इस्तीफा

● अखिलेश यादव को लिखा पत्र, कहा-सपा को सशक्त बनाने में लगा रहूंगा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को सपा से राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया है। इसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के जरिए दी। उन्होंने पोस्ट के जरिए सपा मुखिया अखिलेश यादव और पार्टी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल को भी टैग किया। स्वामी प्रसाद मौर्य ने इस्तीफा देने का कारण भी बताया।

सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जबसे मैं समाजवादी पार्टी में सम्मिलित हुआ, लगातार जनाधार बढ़ाने की कोशिश की। सपा में शामिल होने के दिन ही मैंने नारा दिया था 'पच्चासी तो हमारा है, 15 में भी बंटवारा है'। हमारे महापुरूषों ने भी इसी तरह की लाइन खींची थी। भारतीय संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर आंबेडकर ने 'बहुजन हिताय बहुजन सुखाय' की बात की तो डॉ' राम मनोहर लोहिया ने कहा कि 'सोशलिस्टों ने बांधी गांठ, पिछड़ा पावै सौ में साठ' शहीद जगदेव बाबू कुशवाहा व रामस्वरूप वर्मा ने कहा था 'सौ में नब्बे शोषित हैं, नब्बे भाग हमारा है, इसी प्रकार सामाजिक परिवर्तन के महानायक काशीराम का भी वही था नारा '85 बनाम 15 का'। स्वामी प्रसाद मौर्य ने आगे कहा किंतु पार्टी द्वारा लगातार इस नारे को निष्प्रभावी करने एवं वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में सैकड़ो प्रत्याशियों का पर्चा व सिंबल दाखिल होने के बाद अचानक प्रत्याशियों के बदलने के बावजूद भी पार्टी का जनाधार बढ़ाने में सफल रहे, उसी का परिणाम था कि सपा के पास जहां मात्र 45 विधायक थे वहीं पर विधानसभा चुनाव 2022 के बाद यह संख्या 110 विधायकों की हो गई थी। बिना किसी मांग के आपने मुझे विधान परिषद में भेजा और ठीक इसके बाद राष्ट्रीय महासचिव बनाया, इस सम्मान के लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। स्वामी प्रसाद मौर्य ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि पार्टी का जनाधार बढ़ाने का क्रम मैंने अपने तौर तरीके से जारी रखा, इसी क्रम में मैंने आदिवासियों, दलितों व पिछड़ो को जो जाने अनजाने भाजपा के मकड़जाल में फंसकर भाजपा मय हो गए थे उनके सम्मान व स्वाभिमान को जगाकर व सावधान कर वापस लाने की कोशिश की। हैरानी तो तब हुई जब पार्टी के वरिष्ठतम नेता चुप रहने के बजाय मेरे निजी बयान कह करके कार्यकर्ताओं के हौसले को तोड़ने की कोशिश की, मैं नहीं समझ पाया एक राष्ट्रीय महासचिव हूं, जिसका कोई भी बयान निजी बयान हो जाता है और पार्टी के कुछ राष्ट्रीय महासचिव व नेता ऐसे भी हैं जिनका हर बयान पार्टी का हो जाता है, एक ही स्तर के पदाधिकारियों में कुछ का निजी और कुछ का पार्टी का बयान कैसे हो जाता है, यह समझ के परे है। दूसरी हैरानी यह है कि मेरे इस प्रयास से आदिवासियों, दलितों, पिछड़ो का रुझान समाजवादी पार्टी के तरफबढ़ा है। बढ़ा हुआ जनाधार पार्टी का और जनाधार बढ़ाने का प्रयास व वक्तव्य पार्टी का न होकर निजी कैसे, यदि राष्ट्रीय महासचिव पद में भी भेदभाव है, तो मैं समझता हूं ऐसे भेदभाव पूर्ण, महत्वहीन पद पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं है। इसलिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पद से मैं त्यागपत्र दे रहा हूं, कृपया इसे स्वीकार करें । पद के बिना भी पार्टी को सशक्त बनाने के लिए मैं तत्पर रहूंगा आप द्वारा दिए गए सम्मान, स्नेह व प्यार के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

दो दिन में 317 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का उपहार देंगे सीएम योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिन (14 व 15 फरवरी) के अलग-अलग कार्यक्रमों में जन कल्याण के कार्यों को नई ऊंचाई देने के साथ ही करीब 317 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी करेंगे। बुधवार (14 फरवरी) को वह 252 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 91 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। जबकि गुरुवार (15 फरवरी) को 60 करोड़ रुपये की एक महत्वपूर्ण परियोजना का शिलान्यास और करीब पांच करोड़ रुपये की एक परियोजना का लोकार्पण करेंगे। इन दो दिनों में वह मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, नारी शक्ति वंदन, गांव चलो अभियान के कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। सीएम योगी के बुधवार को दोपहर बाद गोरखपुर आने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। सबसे पहले वह खाद कारखाना परिसर में आयोजित मुख्यमंत्री आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में पहुंचेंगे। यहां करीब एक हजार जोड़ों का विवाह संपन्न होना है। मुख्यमंत्री इन जोड़ों को उपहार और आशीर्वाद प्रदान करेंगे। इसी कार्यक्रम के मंच से सीएम योगी विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के 91 विकास कार्यों का शिलान्यास करेंगे। इन विकास कार्यों पर 252 करोड़ 6 लाख 46 हजार रुपये की लागत आएगी। इनमें 131.50 करोड़ रुपए की जल निगम (ग्रामीण) की 36 पेयजल परियोजनाएं शामिल हैं। बुधवार को सायंकाल मुख्यमंत्री रजही आजादनगर (वनटांगिया गांव) आकर गांव चलो अभियान के कार्यक्रम में सम्मिलित होकर ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करेंगे।

आपदा नियंत्रण के लिए आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञों की मदद लेगी प्रदेश सरकार

● राहत आयुक्त कार्यालय और आईआईटी रुड़की के बीच जल्द साइन किया जाएगा एमओयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार प्रदेश में आपदाओं से निपटने के लिए आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञों का सहयोग लेगी। योगी सरकार के इस कदम से आपदाओं से होने वाली जनहानि को न्यूनतम करने के साथ आपदा से पहले ही लोगों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जा सकेगा। इसके लिए योगी सरकार के निर्देश पर राहत आयुक्त कार्यालय और आईआईटी रुड़की के बीच जल्द ही एक एमओयू साइन किया जाएगा। इसके तहतए आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञ विभाग के कर्मचारियों को आपदा बचाव के उच्च प्रबंधन का प्रशिक्षण देने का मार्ग प्रशस्त करेंगे। साथ हीए आपदाओं पर शोध व आंकलन के जरिए प्रदेश में ऐसी स्थिति उत्पन्न होने से पहले ही कार्य योजना के विकास व क्रियान्वयन का मार्ग सुनिश्चित करेंगे।

अपर मुख्य सचिव सुधीर गर्ग ने बताया कि उत्तर प्रदेश देश के अन्य राज्यों की तुलना में आपदाओं की दृष्टि से संवेदनशील राज्य है। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस विषय पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल में ही आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक में इससे निपटने और इसके कारणों पर अध्ययन करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम मेंए आईआईटी रुड़की से एमओयू को लेकर बातचीत चल रही है। एमओयू को लेकर आईआईटी रुड़की और राहत आयुक्त कार्यालय के बीच सहमति बन गई है जल्दी ही दोनों के बीच एमओयू साइन किया जाएगा। यह एमओयू पांच साल के लिए मान्य होगा। इसके तहत आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञ आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण देने के साथ इसके कारणों पर शोध करेंगे। इतना ही नहीं विशेषज्ञ उत्तर प्रदेश के जलवायु पैटर्नए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और जोखिम पर शोध करेंगे। इसके जरिये आपदाओं से निपटने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों व सटीक कार्यप्रणाली के विकास का मार्ग भी प्रशस्त होगा। वहीं, संस्था के विशेषज्ञ प्रदेश में महामारी, बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि, वज्रपात जैसी आपदाओं की बढ़ती घटनाओं के कारणों का भी पता लगाने में सक्षम हो पाएंगे। इसी के अनुसार विभाग के कर्मचारियों को जागरुक किया जाएगाए जिससे समय रहते आपदाओं के कारण उत्पन्न होने वाले प्रतिकूल प्रभावों से निपटा जा सकेगा।

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञ आपदा प्रबंधन के साथ चकबंदी संबंधी मामलों में अपना सहयोग करेंगे। आईआईटी रुड़की चकबंदी के सर्वेक्षण और भूमि की नाप-जोख में तकनीकी सहयोग के माध्यम से मामलों के निपटारे में अहम भूमिका निभाएगा। बता दें कि अक्सर चकबंदी के दौरान भूमि की नाप-जोख को लेकर विवाद सामने आते हैं। ऐसे में आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञ तकनीक का प्रयोग कर इसे सुलझाने में मदद करेंगे। इसके लिए कार्यशाला, सेमिनार, प्रशिक्षण सत्रों और पाठ्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसमें आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों में आईआईटी रुड़की की अनुसंधान क्षमताओं का उपयोग प्रदेश की आवश्यकताओं के अनुरूप नये समाधान विकसित करने पर फोकस किया जाएगा। एमओयू के तहत होने वाले प्रकाशन, पेटेंट, रॉयल्टी, सॉफ्टवेयर, डिजाइन और विकसित तकनीक आदि से संबंधित अधिकार आईआईटीआर आईपीआर नीति के अनुसार केस-टू-केस आधार पर तय किए जाएंगे।

अच्छा खिलाड़ी बनने के लिए स्टेमिना बढ़ाना व नई तकनीकी सीखना जरूरी: दुर्गा शंकर

● मुख्य सचिव ने विराट कुश्ती दंगल प्रतियोगिता-2024 के विजेताओं को सम्मानित किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित महिला एवं पुरुष विराट कुश्ती दंगल प्रतियोगिता-2024 का अवलोकन किया और विजेता खिलाड़ी सन्नी भारद्वाज (देवरिया) व भारती निषाद (कानपुर) को मेडल, शॉल व 'यथार्थ गीता' पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया।

मुख्य सचिव ने कहा कि गांव में पहले कुश्ती का आयोजन होता था। लोग दूर-दूर से कुश्ती देखने आते थे लेकिन आज के समय में कुश्ती प्रोफेशनल हो चुकी है। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि अच्छा खिलाड़ी बनने के लिये स्टेमिना बढ़ाने और खेल की नई तकनीकी सीखना जरूरी है। खेलने के साथ नियमित रूप से प्राणयाम करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल के प्रति लोगों में रुचि बढ़ी है। एशियन गेम्स में साक्षी मलिक को कुश्ती में प्रथम पुरस्कार मिला था। इस बार एशियन गेम्स में 107 मेडल प्राप्त हुए। कुश्ती में कई महिलाओं ने देश का नाम रौशन करते हुए अपनी जीत का परचम लहराया। आज प्रदेश में खेल आजीवका का साधन बन रहा है। अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत करने के साथ सरकारी नौकरी भी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आज हमारे प्रदेश में जिला स्तर से लेकर ब्लॉक स्तर पर स्टेडियम बन रहे है। गांव.गांव में खेल के मैदान बन रहे है। पहले जो खेल खत्म हो गए थे, वह आज गांव में खेले जा रहे हैं। खिलाड़ियों के बेहतर कोच की व्यवस्था की जा रही है।

इस अवसर पर खेल निदेशक आरपी सिंह समेत अन्य अधिकारी, खिलाड़ी व दर्शक उपस्थित थे।

नवीकरणीय ऊर्जा का पावर हाउस बनेगा उत्तर प्रदेश

पंप स्टोरेज पावर से नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 67 हजार करोड़ के निवेश से यूपी को मिलेगी 13250 मेगावाट पावर

जीबीसी 4.0

● नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन की आठ परियोजनाओं का होगा शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

10 लाख करोड़ के निवेश को धरातल पर उतारने के लिए योगी सरकार 19 फरवरी को पीएम मोदी के कर कमलों से ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 का शुभारंभ करने जा रही है। इस बार की जीबीसी उत्तर प्रदेश को विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में न सिर्फ आत्मनिर्भर बनाएगी, बल्कि उत्तर प्रदेश को 'पावर सरप्लस स्टेट' का दर्जा दिलाने की दिशा में भी अभूतपूर्व साबित होगी। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। जीबीसी 4.0 के मध्यम से उत्तर प्रदेश में 67 हजार करोड़ से नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन की आठ परियोजनाओं का शुभारंभ होने जा रहा है। पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट्स में विद्युत उत्पादन का शुभारंभ होने से प्रदेश को एक स्थायी और हरित ऊर्जा क्रांति के लिए मंच मिलेगा, जबकि नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में यूपी अग्रणी स्थान पर खुद को मजबूती से स्थापित कर सकेगा।

शुरू होने वाली इन परियोजनाओं के तहत ग्रीनको ग्रुप, टोरेंट पावर ग्रुप, जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी लिमिटेड, एसीएमई क्लीनटेक सॉल्यूशंस, अमुनरा इन्फ्राटेक एवं एग्रीटेक प्रालि तथा अवाड़ा वॉटर बैटरी प्राइवेट जैसी कंपनियां उत्तर प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा निवेश करने को तैयार हैं। इन आठ परियोजनाओं में से छह सोनभद्र तथा दो मिर्जापुर व चंदौली जिलों में स्थित हैं। इनकी सामूहिक क्षमता 13250 मेगावाट है। सोनभद्र की परियोजनाओं के लिए जल सोन नदी से लिया जाएगा जबकि मिर्जापुर तथा चंदौली के लिए जल का स्रोत अदवा डैम तथा मूसाखंड डैम होंगे।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की अधिकतम परियोजनाओं का शुभारंभ उत्तर प्रदेश में ऊर्जा के केंद्र के रूप में पहचान बनाने वाले सोनभद्र जिले में हो रहा है। पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट पर्यावरण के अनुकूल तथा संधारणीय ऊर्जा के स्रोत माने जाते हैं। इस क्षेत्र की प्रख्यात पंप स्टोरेज परियोजनाओं में सबसे प्रमुख है ग्रीनको का 3600 मेगावाट वाला गुरार संयंत्र। सोन नदी पर निर्मित इस परियोजना के लिए जलाशय को एक बार भरने के लिए 43.66 एमसीएम तथा वार्षिक रिकूपिंग के लिए 27.629 एमसीएम जल की आवश्यकता होगी। यह परियोजना गुरार, गारवा, पिंडारी, रानीदेव, मुहुना तथा बैजनाथ जैसे ओबरा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की कायापलट कर सकती है।

इसी तरह, टोरेंट पॉवर ने सोन नदी पर 1750 मे गावाट की क्षमता वाला पंप स्टोरेज संयंत्र स्थापित किया है। सोनभद्र जनपद में निर्मित यह संयंत्र एक स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल परियोजना है, जो कि रिवराइन ईकोसिस्टम को न परिवर्तित करती हैए न ही नुकसान पहुंचाती है। इन परियोजनाओं की लागत तो कम है हीए साथ ही पावर स्टोरेज की लागत भी कम है। क्लोज्ड लूप पंप स्टोरेज परियोजना सस्ती, सुलभ व पूर्णत: नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन करती है। टोरेंट पावर ने क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक ढांचे के उत्थान के लिए आसपास के क्षेत्र में सीएसआर गतिविधियां संचालित करने का भी संकल्प लिया है।

सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं कराएं दुरस्तः डीएम

● आगामी लोक सभा सामान्य निर्वाचन.2024 के दृष्टिगत सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेटों को दिया प्रशिक्षण

कानपुर देहात। आगामी लोक सभा सामान्य निर्वाचन.2024 के दृष्टिगत सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेटों का प्रशिक्षण डीएम/जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता व एडीएम प्रशासन/उप जिला निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में मॉ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में डीएम ने सभी जोनल सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि सभी सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट अभी से अपने.अपने क्षेत्रों का नियमित भ्रमण कर मतदान केन्द्रों पर सभी आवश्यक सुविधाऐं शीघ्र दुरस्त करा ले। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों के रूटचार्ट तैयार कर ले, यदि किसी मतदान केन्द्र पर पिछले चुनाव में कानून व्यवस्था या अन्य कोई समस्या उत्पन्न हुई हो, तो उन मतदान केन्द्रों पर विशेष नजर रखे तथा निर्धारित प्रारूप पर विवरण जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध करायें। सभी अपने क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान हेतु जागरूक करें, जिससे मतदान प्रतिशत को बढ़ाया जा सके।

एडीएम प्रशासन को प्रत्येक 15 दिन में सभी सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेटों की तैयारियों की समीक्षा करने के भी निर्देश दिये। जिला विकास अधिकारी व एडीएम द्वारा सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को आयोग द्वारा दिये गये विस्तृत दिशा निर्देशों से अवगत कराया गया। इस मौके पर सीडीओ लक्ष्मी एन.ए एडीएम प्रशासन अमित कुमार, सीएमओ डा. एके सिंहए सभी सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

अधेड़ का शव मिलने से मचा हड़कंप

मौदहा हमीरपुर। क्षेत्र के ग्राम छिरका के नाले में संदिग्ध हालत में एक अधेड़ का शव पड़ा देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंच मृतक के शव को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज घटना की जांच पड़ताल शुरू करती है। इस घटना को लेकर गांव में चर्चाओं का बाजार गर्म है। कोतवाली क्षेत्र मौदहा के ग्राम छिरका निवासी उदय प्रकाश उर्फ लल्लू उम्र 45 वर्ष पुत्र भगवान दीन निषाद का शव मंगलवार की सुबह गांव के बाहर नाले में संदिग्ध हालत में पड़ा देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। यह बात गांव में फैलते ही मौके पर ग्रामीणों का हुजूम एकत्रित हो गया। इस घटना की जानकारी होने पर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंच मृतक के शव को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बताते चलें कि मृतक महोबा जनपद के ग्राम बम्हरौली का हैं लेकिन वह काफी अरसे से अपने ममाने छिरका में रह रहे था। मृतक दो भाइयों में बड़ा तथा अविवाहित था। मृतक शराब पीने के अलावा जुआ खेलने का शौकीन बताया जा रहा है। इस घटना को लेकर गांव में तरह.तरह की चर्चाएं व्याप्त है।

उपचार के दौरान महिला की मृत्यु

मौदहा हमीरपुर। ग्राम छिरका में एक सप्ताह पूर्व छत से गिरकर घायल हुई महिला ने ईलाज के दौरान कानपुर के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस घटना से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। कोतवाली क्षेत्र मौदहा के ग्राम छिरका निवासी विद्या 50 वर्ष पत्नी भिकखू निषाद 4 फरवरी को घरेलू कार्य करते समय अपने घर की छत से गिर गंभीर रूप से घायल हो गई थी जिसे सरकारी अस्पताल से मुख्यालय रेफर कर दिया गया था जहां से उसके परिजन उसे ईलाज के लिए कानपुर के हैलट ले गए थे। सोमवार की रात ईलाज के दौरान विद्या की मौत हो गई। देर रात उसका शव गांव में पहुंचते ही उसके परिजनों में कोहराम मच गया। इस घटना से उसकी दो पुत्रियां व दो पुत्रों का रो.रो कर बुरा हाल है।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने मार्गों का किया लोकार्पण व शिलान्यास

संवाददाता। फ्तेहपुर

जिले की सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने अपनी निधि से मंगलवार को 48 मार्गों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। दस मार्गों का लोकार्पण हो जाने से अब इन स्थानों पर चलने वाले वाहन सवारों को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं का जमकर बखान भी किया। शहर के जीटी रोड स्थित पीडब्ल्यूडी के डाक बंगले में मार्गों का लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति पहुंचीं। उन्होने कुल 48 मार्गों का लोकार्पण व शिलान्यास शिलापट्ट से पर्दा खींचकर किया। तालियों की गड़गड़ाहट से परिसर गूंज उठा। केंद्रीय राज्यमंत्री ने बताया कि 304 करोड़ 56 लाख 17 हजार की लागत से 38 संपर्क मार्गों का शिलान्यास किया गया है। जिनकी लंबाई 305.975 किलोमीटर है। इसी तरह 48 करोड़ 23 लाख 52 हजार की लागत से 10 संपर्क मार्गों का लोकार्पण किया गया है जिनकी लंबाई 66.784 किलोमीटर है। उन्होने कहा कि उनके कार्यकाल में जिले में अभूतपूर्व विकास कार्य किए गए हैं जिसमें मेडिकल कालेज सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से तमाम जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं जिसका लाभ सभी वर्गों को मिल रहा है। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष अभय प्रताप सिंह, खागा विधायक कृष्णा पासवान, जहानाबाद विधायक राजेंद्र सिंह पटेल, बिंदकी विधायक जय कुमार सिंह जैकी, अयाह-शाह विधायक विकास गुप्ता उर्फ बब्लू, भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल, दिनेश बाजपेई, राम प्रकाश गुप्ता, कुलदीप सिंह भदौरिया, संतोष सिंह राजू, ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, मनोज गुप्ता, राजू साहू, ज्योति प्रवीण, सुनिधि तिवारी सहित तमाम भाजपाई मौजूद रहे।

भाजपा किसान मोर्चा की ग्राम परिक्रमा पहले दिन पांच गांवों घूमी

घाटमपुर। प्रदेश एंव राष्ट्रीय नेत्रत्व के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा कानपुर ग्रामीण द्वारा ग्राम परिक्रमा यात्रा का शुभारम्भ किया गया ग्राम परिक्रमा यात्रा आज पहले दिन पतारा मंण्डल के बरनॉव गांव से शुरू की गयी जो 5 गांवों में घूमी। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में पधारे किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष संदीप बाजपेयी व जीतेंन्द्र प्रताप सिंह द्वारा हल, बैल और ट्रैक्टर आदि का पूजन के बाद में गांव के पंचायत भवन में एक चौपाल भी लगाई, किसान मोर्चा कानपुर ग्रामीण के अध्यक्ष संदीप बाजपेई ने केंद्र और प्रदेस सरकार द्वारा किसानों और मजदूरों के कल्याण में चलाई जा रही योजनाओं की बिस्तार से चर्चा की, चौपाल को जिलाध्यक्ष के अलावा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री श्रीकृष्ण मिश्रा, जिला मंत्री रामरूप सिंह, राजेश तिवारी, पतारा मंण्डल अध्यक्ष किसान मोर्चा धर्मेन्द्र सिंह, उमेंश द्विवेदी आदि ने भी संवोधित किया, ग्राम परिक्रमा यात्रा मोमिनपुर तिलसड़ा, तरगांव और बखरिया में भी घूम कर लोगों को योजनाओं के बारे में बताया।

डीएम ने आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती परीक्षा 2023 की तैयारियों की बैठक दिये निर्देश

● सभी परीक्षा केंद्रों में साफ सफाई, प्रकाश, शौचालय, पेयजल आदि व्यवस्थाएं रहे दुरस्तः डीएम

कानपुर देहात। आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती परीक्षा 2023 के सम्बन्ध में तैयारियों की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में मॉ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में 17 व 18 फरवरी को दोनो पालियों (प्रथम पाली प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक, द्वितीय पाली अपरान्ह 03 बजे से 05 बजे तक) 13 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा सम्पन्न होगी, जिसमें लगभग 22848 अभ्यर्थी प्रतिभाग करेंगे। परीक्षा ड्यूटी में नामित कर्मियों द्वारा परीक्षा केन्द्र पर प्रातः 7 बजे से लेकर सायंकाल की परीक्षा समाप्त होने तक उपस्थित रहना होगा। उन्होंने यह भी बताया कि अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र पर प्रथम पाली की परीक्षा के लिए सुबह 08 बजे तथा द्वितीय पाली के लिए अपरान्ह 01 बजे परीक्षा केन्द्र पर रिपोर्ट करेंगे। डीएम ने सभी केन्द्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिया कि बोर्ड द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाऐं ससमय पूर्ण कर ली जाये। उन्होंने कहा कि केन्द्र व्यवस्थापक यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी परीक्षा केन्द्रों के कक्षों में साफसफाई, विद्युत व प्रकाश, शौचालय, पेयजल आदि व्यवस्थाऐं दुरस्त रहे। परीक्षा प्रारंम्भ होने से लेकर ओएमआर जमा होने तक सभी व्यवस्थाओं के लिए केन्द्र व्यवस्थापक मुख्य रूप से जिम्मेदार होंगे। केन्द्र व्यवस्थापकों को सहयोग देने के लिए सुरक्षा व अन्य एजेन्सियां कार्य करेंगी। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा सभी केन्द्र व्यवस्थापकों को परीक्षा से सम्बन्धित जारी विभिन्न निर्देशों से भी अवगत कराया गया।

वृद्ध का शव 12 दिन बाद तालाब में उतरता मिला

फर्रुखाबाद। बीते लगभग 12 दिन से लापता वृद्ध का शव तालाब में उतराता मिला। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ एकत्रित हो गयी । पुलिस नें मौके पर पंहुच कर जाँच पड़ताल की। मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम उगरपुर गोंडा निवासी 65 वर्षीय तुलाराम बीते 2 फरवरी से घर से गायब हो गये थे। उनकी परिजनों नें काफी तलाश की उसके बाद गुमशुदगी 6 फरवरी को कोतवाली में उनके पुत्र श्याम बाबू नें दर्ज करायी थी। तुलाराम के गायब होनें के लगभग 12 दिन बाद सोमवार को कोतवाली क्षेत्र के नीम करोरी मन्दिर के सामने तालाब में उसका शव उतराता मिला। शव के दौरान उसकी पहचान नही हो सकी । काफी समय बाद श्याम बाबू नें मृतक की पहचान अपने लापता पिता तुलाराम के रूप में की । मृतक दिमागी रूप से कमजोर थे। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पंहुची और शव को तालाब से बाहर निकलवा कर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

क्विक न्यूज

पैतीपुर की घटना मे गंभीर धाराओं में 18 नामजद और 70 से 80 अज्ञात के विरुद्ध गंभीर धाराओ में मुकदमा दर्ज

मोहम्मदी खीरी। थाना पसगवां के बरवर चौकी क्षेत्र में संत रविदास की मूर्ति को लेकर हुऐ बबाल मे पुलिस उपाधीक्षक अरुण कुमार सिह ने बताया कि उप निरीक्षक की तहरीर पर पैतीपुर गांव के संजय, संदीप, अवधेश, सियाराम सहित 18 नामजद तथा 70 से 80 अज्ञात के विरुद्ध धारा 143, 144, 332, 147, 148, 149, 151, 152, 186, 188, 447 सहित सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान सहित 18 गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है पुलिस उपाध्यक्ष ने बताया किसी को भी कानून को अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं हैएजो भी शांत व्यवस्था में गतिरोध पैदा करेगा निश्चित रुप से उसे पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, कल रात्रि मे ग्राम पैकीपुर में उपजिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी मोहम्मदी ने विवाद को खत्म कराने की बहुत कोशिश की गयीए परंतु पथराव कर देने से स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई एवही ग्राम समाज के खलिहान की जमीन पर आरख समाज के लोगों ने झंडा रोहण किया था परंतु कल रविदास बिरादरी के लोगों ने संत रविदास की मूर्ति की स्थापना करने की कोशिश की गई उसी के उपरांत दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ। , कुल मिलाकर पुलिस प्रशासन ने गंभीर धारा में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है तथा संत रविदास की मूर्ति को जहा स्थापित थी।

घायल भाई को लेकर अस्पताल जा रही बहन की कार पलटने से मौत

हमीरपुर। हादसे में घायल बाइक सवार को इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर जा रही कार सोमवार की देर रात मुंडेरा रोड पर बदनपुर मोड़ के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे घायल युवक की बहन की मौके पर मौत हो गई। जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मंगलवार की शाम सिसोलर गांव निवासी 26 वर्षीय सुनील कुमार बाइक से गिरकर घायल हो गया था। इसे इलाज के लिए उसकी 32 वर्षीय बहन सुमनए 28 वर्षीय भाई कल्लू 28 वर्षीय सुनीलए 27 वर्षीय अखिलेशए 32 वर्षीय रामू को कार चालक 22 वर्षीय बच्चा निवासी सुमेरपुर बोलेरो से लेकर सदर अस्पताल जा रहा था। रात करीब साढ़े दस बजे मुंडेरा रोड पर बदनपुर मोड़ के पास कार अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे सुमन की मौके पर मौत हो गई और अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आईए जहां सुमन को चिकित्सक ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। घायलों की हालत नाजुक होने पर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। उधर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

रेलवे पार्किंग का निर्माण कार्य हुआ प्रारम्भ

गुरसहायगंज (कन्नौज)। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुर्नविकास के लिये चयनित स्थानीय रेलवे स्टेशन के हो रहे सुंदरीकरण कार्य के तहत रेलवे पार्किंग के नये स्थान का इंजीनियर की देखरेख में समतलीकरण कराए जाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। मंगलवार को स्थानीय रेलवे स्टेशन के सुंदरीकरण कार्य के तहत रेलवे अधिकारियों द्वारा पार्किंग को पूर्वी तरफस्थानांतरित कर निर्माण कार्य इंजीनियर शाहिद खॉन की देखरेख में समतली करण का कार्य शुरू कर दिया गया है। जिससे स्थानीय स्टेशन से आवागमन करने वाले लोगों को राहत मिलेगी। बताते चले कि रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन हजारों यात्रियों को जाने और आने वाले मार्ग पर एक ओर पार्किंग होने के कारण आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

पुलिस ने तमंचा सहित युवक को पकड़ा

गुरसहायगंज (कन्नौज)। अपराध पर नियंत्रण व अपराधियों की तलाश में चलाये जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस द्वारा छापेमारी कर एक युवक के पास से तमंचा व कारतूस बरामद कर हिरासत में लेकर कार्रवाई की गई है। उच्चाधिकारियों के निर्देशन पर अपराध नियंत्रण हेतु शांति व्यवस्था में हमराह सिपाहियों के साथ गस्त कर रहे उपनिरीक्षक ओम सिंह चौहान ने मुखबिर की सूचना पर बबरापुर रोड स्थित शहीद खान के ट्यूबवेल के निकट छापेमारी कर एक युवक के पास से 315 बोर का तमंचा व दो कारतूस बरामद करते हुए हिरासत में ले लिया।

युवक ने संदिग्ध हालत में लगाई फांसी

फतेहपुर। चांदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बुड़ निवासी स्व. विद्या सागर का पुत्र शालू कुमार कल शाम अपने नलकूप गया इसी दौरान वह पास में ही आम के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस में मृतक के दादा मनीराम ने बताया कि आठ माह पूर्व भतीजे ने फाइनेंस में पिकअप खरीदी थी। किश्त जमा न होने पर बैंक वाले उसे ले गये थे, तब से वह मानसिक तनाव में था। जिसके चलते उसने घटना को अंजाम दिया है।

कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र पर निःशुल्क यूनीफार्म वितरण कार्यक्रम

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के सहयोग से एलीट सॉफ्टवेयर सॉल्युशनस प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ द्वारा बाराबंकी, तहसील.रामनगर, ब्लाक सूरतगंज में रामसरन वर्मा स्मारक हायर सेकेण्डरी स्कूल, ममतामऊ, सूरतगंज, बाराबंकी में 11.01.2024 से उप्र कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किया जा रहा। प्रशिक्षण केन्द्र पर क्षेत्र के 18.35 वर्ष के इण्टर पास छात्र व छात्राओं को अपेरेल सेक्टर में असिस्टेन्ट डिजाइनर फैशन, होम और मेडअप टेंड में शार्टटर्म ट्रैनिंग 27.27 बच्चों के चार बैच में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें 2 सुबह बैच और 2 शाम को बैच चलाये जा रहे है। इन बच्चों को 2 घंटे की थ्योरी क्लास व 3 घंटे की प्रैक्टिकल क्लास दी जा रही है। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षार्थीयों को प्रशिक्षण के दौरान बुक, स्टेशनरी, कॉफी, पेन, पेंसिल व प्रक्टिकल क्लास में प्रक्टिकल सामग्री एजेन्सी द्वारा निःशुल्क उपलब्ध करायी जा रही है। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षार्थीयों को 13.02.2024 को दो सेट में यूनीफार्म निःशुल्क वितरण जिला समन्वयक अधिकारी ब्रजेश कुमार के कर कमलों द्वारा ट्रेंनिग पार्टनर एजेन्सी के मैनेजिंग डायरेक्टर उपेन्द्र कुमार वर्मा व डायरेक्टर सुनील कुमार, सेन्टर इंचार्ज भारत सिंह, मैनेजर अनुज कुमार, ट्रेनर सरिता देवी, ट्रेनर सरोज देवी, मोबिलाइजर.पूजा वर्मा, प्लेसमेन्ट इंचार्ज रमाकान्त जी की उपस्थिति में किया गया। कौशल प्रशिक्षण केन्द्र संचालित कर रही एजेन्सी का मूल उददेश्य क्षेत्र के 18.35 वर्ष के इण्टर पास छात्र व छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान कर उनको प्लेसमेन्ट कराना है या उनका स्वंय का स्वरोजगार स्थापित कराना है, जिससे उप्र सरकार द्वारा चलाई जा रही स्कीम उप्र कौशल विकास मिशन उददेश्य पूर्ण हो सके। अन्त में प्रशिक्षण केन्द्र पर जिला समन्वयक अधिकारी श्री ब्रिजेश कुमार, ट्रेंनिग पार्टनर एजेन्सी के मैनेजिंग डायरेक्टर उपेन्द्र कुमार वर्मा व डायरेक्टर सुनील कुमार, सेन्टर इंचार्ज भारत सिंह, मनेजर अनुज कुमार, ट्रेनर सरिता देवी, ट्रेनर सरोज देवी, मोबिलाइजर.पूजा वर्मा, प्लेसमेन्ट इंचार्ज रमाकान्त किशन यादव व छात्र.छात्राए उपस्थित रहे।

छिबरामऊ विस से 25 बसों से रवाना हुये श्रद्धालु, सांसद ने पुष्प वर्षा कर रामलला के दर्शन के लिये हुये रवाना

संवाददाता। कन्नौज

अयोध्या यात्रियों का पुष्प वर्षाकर स्वागत करते सांसद।

विगत दिनों पूर्व कन्नौज के बोर्डिंग ग्राउंड से जनपद वासियों से अयोध्या पहुंचकर रामलला का दर्शन करने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा की गई अपील के बाद मंगलवार को छिबरामऊ विधानसभा से 25 वसों में हजारो श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या स्थित भव्य श्रीराम मंदिर में रामलला के दर्शन के लिये रवाना हुआ।

मंगलवार को तालग्राम ब्लॉक एवं नगर से 11 बसों एवं पूरी छिबरामऊ विधानसभा से कुल 25 वसों में हजारो श्रद्धालु रामलला के भव्य दर्शन करनें के लिये रवाना हुए। इस दौरान श्रद्धालुओं ने जय श्री राम के गगन भेदी नारे लगाकर संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय कर दिया। इस दौरान सांसद सुब्रत पाठक व जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया अयोध्या यात्रियों के साथ रवाना हुये।

इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष जीतू तिवारी, नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र कौशल, सभासद भैयालाल दुबे, सभासद प्रतिनिधि धर्मेंद्र गुप्ता उर्फ बड़े, क्रय विक्रय समिति अध्यक्ष संतोष चतुर्वेदी, आदर्श चतुर्वेदी, भूरा कठेरिया, अनुराग गुप्ता, शशिकांत सभासद संतोष गुप्ता उर्फ मुल्लू, रविकांत गुप्ता, वीरेंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में पालिका कर्मचारी गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। कर्मचारी का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के मामले में पालिका के ही एक चतुर्थ श्रेणी कर्मी नवनीत कनौजिया गिरफ्तार किया। आज यह जानकारी देते हुए बताया कि फर्रुखाबाद नगर पालिका परिषद के मृतक कर्मचारी ज्ञान कुमार की मृत्यु का फर्जी प्रमाणपत्र 18/08/1991 दर्शाते हुए जारी करा लिया गया, जिसकी अधिशासी अधिकारी द्वारा पुनः जांच कराए जाने पर मृत्य 07/03/1992 पाई गई। अपराध संख्या 436/23 धारा 420/467/468/471 भादवि के तहत शीलकुमार पुत्र रघुनाथ व सौरभ हजेला पुत्र शील कुमार व सुधीर कुमार पुत्र राम प्रकाश व सुरेश पुत्र राम प्रकाश तथा के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत हुआ। पुलिस विवेचना के दौरान अभियोग में नगर पालिका कर्मचारी नंदकिशोर व नवनीत कनौजिया की संलिप्त पाई गई। मृतक पालिका कर्मचारी ज्ञान कुमार का वास्तविक नाम ज्ञानेश्वर प्रसाद हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने मुजफ्फरनगर से किया ग्राम परिक्रमा यात्रा कार्यक्रम का वर्चुअल शुभारंभ

● टेलीकास्ट कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजा राजेश्वर सिंह ने कार्यकर्ताओं को सरकार के किसानों की योजनाओं पर की चर्चा

लखीमपुर खीरी। भाजपा किसान मोर्चा लखीमपुर खीरी के द्वारा ग्राम परिक्रमा यात्रा का शुभारंभ के अवसर पर जिले के बांकेगंज सभागार में भव्य आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में मुज्जफर नगर में हुए शुभारंभ कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मोर्चा कार्यकर्ताओं द्वारा देखा गया। मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने मुजफ्फरनगर से किया कार्यक्रम का शुभारंभ । कार्यक्रम संयोजक जिला मंत्री किसान मोर्चा श्री गुरुदत्त सिंह व सैकड़ों कार्यकर्ताओ के साथ प्रगतिसील किसान कुलवंत सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री राजा राजेश्वर सिंह जी व विशिष्ठ अतिथि जिला उपाध्याक्ष श्री कुलभूषण सिंह जी रहे व कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के वरिष्ट नेता श्री आनंद अवस्थी जी ने की। राजेश्वर सिंह ने कार्यक्रम में आये किसानमोर्चा के कार्यकर्ताओं को सरकार द्वारा किसानों के हित में किये गये कार्यों की चर्चा की । जिलाध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा अंकित अवस्थी के साथ धर्मेंद्र सिंह अभिषेक अवस्थी राकेश मिश्रा की विष्णूबलभराय राजीव गिरी प्रसून मिश्रा चंद्र प्रताप विपिन पाण्डेय रामानुज मिश्रा आदि सभी किसान मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की विकास कार्यों की समीक्षा

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विकास कार्यों की प्रगति की माह जनवरी तक की प्रगति की समीक्षा बैठक मॉ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में की गई। सर्वप्रथम डीएम द्वारा सी डी एवं ई श्रेणी में आए हुए विभागों की समीक्षा की गई। डीएम ने संबंधित सभी विभागों को निर्देशित किया कि सभी विभाग त्रुटि रहित आंकड़े समय से पोर्टल पर फीड करायेए यदि आंकड़ों से संबंधित कोई समस्या हो तो अपने निदेशालय से संपर्क कर तत्काल ठीक करायें। किसी भी विभाग की परियोजना की रैंक आने वाले माह में नीचे नहीं जानी चाहिए। कोई भी विभाग पोर्टल पर गलत रिपोर्टिंग नहीं करेगा। सभी विभाग हर 15 दिन में अपने फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा जरूर करें तथा योजनाओं की प्रगति से संबंधित आंकड़ों की हार्ड कॉपी जिला विकास अधिकारी कार्यालय व अर्थ एवं संख्या अधिकारी कार्यालय में समय से उपलब्ध कराए। सीडीओ द्वारा आंकड़ों की पुष्टि किए जाने पर ही डाटा पोर्टल पर फीड करें।

विधायक अरविन्द गिरि के जन्मदिवस पर दी गई श्रद्धांजलि

गोला गोकर्णनाथ खीरी। भगवान भोलेनाथ के तीर्थ प्रांगण के नीलकंठ मैदान में श्रीराम कथा वाचक श्री देवाचार्य (देवेंद्र कृष्ण) जी महाराज भगवान श्रीराम व सती अनसुईया से भेंट का प्रसंग सुनाया। विदित है कि गोला के पांच बार के विधायक स्वर्गीय अरविन्द गिरि जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 6 फरवरी 2024 से निर्वाध रुप से जारी श्रीरामकथा का दिनांक 14 फरवरी को 12 बजे अपराह्न तक विश्राम होगा तत्पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन है जिसमे श्रीराम कथा संयोजक व ग्राम प्रधान लालाहपुर जनार्दन गिरिए व्यवस्थापक धर्मेंद्र गिरि व विधायक अमन अरविन्द गिरि ने सभी क्षेत्रवासियो से 14 फरवरी को प्रातः 10 बजे नीलकंठ मैदान में सभी क्षेत्रवासियो के उपस्तिथ होने का आग्रह किया है।

विधायक अरविन्द गिरि की गत वर्ष 6 सितंबर 2023 को लखनऊ जाते समय हृदय पक्षाघात से अकस्मात मृत्यु हो गई थी उनके निधन के बाद हुए उपचुनाव में उनके सुपुत्र अमन गिरि को क्षेत्रवासियो ने पुनः भारी मतों से विजयी बनाकर विधानसभा भेजा। विधायक अमन गिरि अपने पिता के ही भांति निरंतर क्षेत्र के विकास हेतु अग्रसर है। बाबा टेढेनाथ मंदिर के सौंदर्यीकरण हेतु 1 करोड़ रुपये शासन से स्वीकृत करवाकर अमन गिरि ने साबित किया है कि वे अपने पिता की ही तरह मानवताए भाईचारा व गोला विधानसभा के विकास के लिए समर्पित है। जहां तक उनके पिता के बारे में कहा जाए वह बहुत कम है राजनीति में ऐसे जननायक का इतना लोकप्रिय व जनप्रिय होने का गौरव भूतकाल में न तो किसी को मिला नया ही वर्तमान में और न भविष्य में उनके व्यक्तित्व की तरह कोई और हो सकेगा। फुटबॉल खिलाड़ी, खेल अध्यापक, राजनीति के कुशल खिलाड़ी, ग्राम प्रधान, गोला नगर पालिका परिषद अध्यक्ष, पांच बार के विधायक, विकासपुरुष, लोकनायक, जननायक, लोकप्रिय, जनप्रिय व हरदिल अज़ीज़ जैसे नामो के पर्याय विधायक अरविन्द गिरि का अपना एक स्वर्णिम राजनीतिक इतिहास रहा है। व्यक्तिगत जीवन में अरविन्द गिरि को क्षेत्रवासियो ने हरदिल अज़ीज़ व विकास पुरूष की उपमा प्रदान की। अपने स्कूल के दिनों से लेकर अपने अंतिम समय तक अरविन्द गिरि का राजनीतिक सफर एक कुशल खिलाड़ी की तरह आगे बढ़ता रहा। अपने कार्यकर्ताओं व क्षेत्रवासियों के किये सदैव सुलभ व निरंतर गोला के विकास के तत्पर्य रहने वाले अरविन्द गिरि पुरानी व नई पीढ़ी कभी भुलाया नही सकती।

पायनियर

नई दिल्ली, बुधवार, 14 फरवरी 2024

अडाणी-हिंडनबर्ग विवाद: पुनर्विचार याचिका दायर

तीन जनवरी के फैसले की समीक्षा का अनुरोध

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर तीन जनवरी के उस फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया गया है, जिसमें उसने अडाणी समूह द्वारा शेयर मूल्यों में हेराफेरी के आरोपों की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) या केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने से इनकार कर दिया था। शीर्ष अदालत ने सीबीआई या एसआईटी जांच का आदेश देने से इनकार कर दिया था और अपने फैसले में कहा था कि बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) आरोपों की व्यापक जांच कर रहा है और उसका तरीका विश्वास को प्रेरित करने वाला है। याचिका में दावा किया गया है कि फैसले में गलतियां और त्रुटियां थीं और याचिकाकर्ता के वकील को प्राप्त कुछ नए तथ्यों की पृष्ठभूमि में फैसले पर पुनर्विचार के लिए पर्याप्त कारण हैं।

पुनर्विचार याचिका अनामिका जायसवाल द्वारा दायर की गई है, जो मामले की याचिकाकर्ताओं में से एक थीं। अधिवक्ता नेहा राठी के माध्यम से याचिका दायर की गई है। पुनर्विचार याचिका में कहा गया है कि सेबी ने अपनी रिपोर्ट में आरोपों के मद्देनजर शुरू की गई 24 जांचों की स्थिति के बारे में अदालत को केवल अद्यतन जानकारी दी है, भले ही जांच पूरी हुई हों या अधूरी रही हों, लेकिन उसने किसी भी निष्कर्ष या की गई कार्रवाई के विवरण का खुलासा नहीं किया है। इसमें कहा गया है, जब तक सेबी जांच के निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किए जाते, तब तक यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि कोई नियामक विफलता नहीं हुई है।

शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि सेबी ने उन 24 मामलों में से 22 में अपनी जांच पूरी कर ली है, जहां अडाणी समूह के खिलाफ आरोप लगाए गए थे। शीर्ष अदालत ने हेरफेर करने के आरोपों से संबंधित अडाणी-हिंडनबर्ग रिसर्च विवाद को लेकर दायर विभिन्न याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया था। याचिका में कहा गया है, तीन जनवरी, 2024 के आक्षेपित आदेश में स्पष्ट त्रुटियां हैं। इसलिए संबंधित निर्णय की समीक्षा की जानी चाहिए।

शीर्ष अदालत ने भारतीय व्यापार समूह द्वारा शेयर मूल्य में हेरफेर के आरोपों से संबंधित अडाणी-हिंडनबर्ग रिसर्च विवाद से जुड़ी विभिन्न याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया था। हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा इसके खिलाफ धोखाधड़ी वाले लेनदेन और शेयर-मूल्य में हेरफेर सहित कई आरोप लगाए जाने के बाद अडाणी समूह के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज हुई थी। हालांकि अडाणी समूह ने सभी आरोपों को झूठा करार देते हुए खारिज कर दिया था और कहा था कि उसने सभी कानूनों और प्रकटीकरण आवश्यकताओं का अनुपालन किया था।

शीर्ष अदालत ने अपने 46 पन्नों के फैसले में कहा था,"इस मामले के तथ्य सेबी से जांच के हस्तांतरण की गारंटी नहीं देते हैं। एक उचित मामले में इस अदालत के पास अधिकृत एजेंसी की ओर से की जा रही जांच को एसआईटी या सीबीआई को स्थानांतरित करने की शक्ति है। उसने कहा था, ऐसी शक्ति का इस्तेमाल असाधारण परिस्थितियों में किया जाता है, जब सक्षम प्राधिकारी जांच करने में स्पष्ट, दुराग्रह और जानबूझकर निष्क्रियता दर्शाता है। यह फैसला अधिवक्ता विशाल तिवारी और एमएल शर्मा, कांग्रेस नेता जया ठाकुर तथा अनामिका जयसवाल की ओर से दायर जनहित याचिकाओं पर सुनाया गया था।

क्या एससी-एसटी कानून के अनिवार्य मृत्युदंड प्रावधान के तहत किसी पर मुकदमा चला है: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से यह बताने को कहा कि क्या अनु. जाति या अनु. जनजाति के किसी निर्दोष सदस्य के खिलाफ झूठे सबूत गढ़ने वाले व्यक्ति पर अनिवार्य मृत्युदंड के प्रावधान के तहत कभी मुकदमा चलाया गया है। अनु. जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधि., 1989 के तहत अनिवार्य मृत्युदंड के प्रावधान को निष्प्रभावी करने की मांग की है। अनुसूचित जाति या अनु. जनजाति के किसी बेगुनाह सदस्य को दोषी ठहराए जाने और संबंधित आरोपी द्वारा दिए गए झूठे और मनगढ़ंत साक्ष्यों के चलते उसे सजा दिए जाने के मामले में अनु. जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधि., 1989 की धारा 3 (2) में अनिवार्य मृत्यु दंड का प्रावधान है।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में पंजाब के दो मजदूरों की हत्या करने वाला आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में पिछले सप्ताह पंजाब के दो मजदूरों की हत्या करने वाले आतंकवादी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) विजय कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि आतंकी के पास से हमले में इस्तेमाल की गई एक पिस्तौल बरामद की गई है। उन्होंने कहा कि सात फरवरी को शहर के हब्बा कदल इलाके में पंजाब के दो मजदूरों पर गोलियां चलाने वाले आतंकवादी आदिल मंजूर लंगू को गिरफ्तार कर लिया गया है। कुमार ने कहा कि यहां जलदागर के रहने वाले लंगू ने पाकिस्तान में अपने आका के निर्देश पर हमला किया था और उसे श्रीनगर से गिरफ्तार कर लिया गया।

मजदूर अमृतपाल सिंह की सात फरवरी को हुए हमले में मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि रोहित मसीह की एक दिन बाद शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था। कश्मीर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक वी. के. बिरदी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह सामने आया है कि आरोपी ने अपराध को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान में अपने आका के साथ साजिश रची थी। पाकिस्तान में लंगू के आका ने सोशल मीडिया पर उसे कट्टरपंथी बनाया और हमले को अंजाम देने के लिए प्रेरित किया।

जम्मू-कश्मीर में सात फरवरी को हुई घटना आतंकवादियों द्वारा वर्ष की पहली लक्षित हत्या थी और इसकी जिम्मेदारी प्रतिबंधित द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी जो पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा से संबंधित एक समूह है। बिरदी ने कहा कि लंगू ने सिंह और मसीह को हब्बा कदल की गलियों में देखा और उन पर गोलीबारी की जिससे इस घटना में सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। मजदूरों पर उस वक्त हमला किया गया जब वे पंजाब के अमृतसर से श्रीनगर लौटने के बाद इलाके में अपने किराए के आवास पर जा रहे थे।

कुमार ने कहा कि पुलिस उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्वाई करेगी जो जम्मू-कश्मीर से हैं लेकिन पाकिस्तान में रह रहे हैं और वहां से आका के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने माता-पिता और शिक्षकों से बच्चों के सोशल मीडिया खातों में किसी भी असामान्य बदलाव पर नजर रखने की भी अपील की। कुमार से यह पूछे जाने पर कि क्या श्रीनगर में आतंकवाद लौट आया है। उन्होंने कहा कि कश्मीर में आतंकवादियों की संख्या कम है। पाकिस्तानी आका ऐसे हमलों को अंजाम देने के लिए उनका इस्तेमाल कर रहे हैं। पुलिस उन्हें पकड़ने के लिए लगातार काम कर रही है।

समीर के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच दिल्ली स्थानांतरित: ईडी

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को बंबई उच्च न्यायालय को सूचित किया कि उसने स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के मुंबई जोन के पूर्व निदेशक समीर वानखेड़े के खिलाफ धनशोधन के मामले में जांच अपने दिल्ली कार्यालय को स्थानांतरित कर दी है। ईडी ने कहा कि वानखेड़े को उनके खिलाफ मामले को रद्द कराने के लिए बंबई उच्च न्यायालय की जगह दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख करना चाहिए। अपने खिलाफ मामले को रद्द कराने के लिए पिछले हफ्ते बंबई उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने वाले वानखेड़े ने अपनी याचिका पर फैसला होने तक जांच पर अस्थाई रोक लगाने और दंडात्मक कार्वाई (जैसे गिरफ्तारी) से सुरक्षा की मांग की है।

वानखेड़े के वकील आबाद पोंडा ने मंगलवार को न्यायमूर्ति पीडी नाइक और न्यायमूर्ति एन आर बोरकर की पीठ के समक्ष दलील दी कि जांच स्थानांतरित करने की ईडी की कार्वाई दुर्भावनापूर्ण है।

पोंडा ने कहा, शुक्रवार तक, ईडी व्यक्तियों को समन भेजकर अपने मुंबई कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कह रहा था। लेकिन अब वानखेड़े की ओर से ए याचिका दायर किए जाने के बाद जांच दिल्ली स्थानांतरित कर दी गई है। वकील ने दावा किया कि ऐसा केवल यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि वानखेड़े को बृहस्पतिवार को बंबई उच्च न्यायालय के समक्ष सुनवाई का अवसर नहीं मिले, जिसने पिछले साल उन्हें केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और जबरन वसूली के मामले में दंडात्मक कार्वाई से अंतरिम सुरक्षा प्रदान की थी। ईडी की ओर से वकील हितेन वेनेगांवकर ने प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए जांच स्थानांतरित किए जाने का बचाव किया।

न्यायालय ने उप्र में केजरीवाल के खिलाफ कार्यवाही पर रोक की अवधि बढ़ाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 2014 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान उत्तर प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस पर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कार्यवाही पर अंतरिम रोक की अवधि मंगलवार को बढ़ा दी। केजरीवाल ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के उस आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है, जिसने सुलतानपुर की एक अधीनस्थ अदालत के समक्ष लंबित आपराधिक मामले में उन्हें आरोप मुक्त करने से इनकार कर दिया था। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ केजरीवाल द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के लिए राजी हो गई।

पीठ ने कहा, अंतरिम आदेश बरकरार रहने दीजिए। यह सब क्या है? ए सभी अप्रासंगिक मामले हैं। यह ऐसा मामला नहीं है जिस पर हम गौर करें। केजरीवाल पर जन प्रतिनिधित्व (आरपी) अधिनियम, 1951 की धारा 125 के तहत चुनावों के संबंध में वर्गों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है। केजरीवाल ने दो मई 2014 को प्रचार अभियान के दौरान कथित तौर पर कहा था, जो कांग्रेस को वोट देगा, देश के साथ गद्दारी होगी... जो भाजपा को वोट देगा उसे खुदा भी माफ नहीं करेगा।

केजरीवाल ने अपनी याचिका में कहा है कि उन्होंने किसी धर्म या जाति का नहीं बल्कि केवल एक राजनीतिक दल का उल्लेख किया था और आरपी अधिनियम की धारा 125 के प्रयोजनों के लिए किसी राजनीतिक दल को नागरिकों का एक वर्ग नहीं माना जा सकता है। शीर्ष अदालत में दायर याचिका में कहा गया है कि यह याचिका कानून संबंधी कुछ महत्वपूर्ण सवाल उठाती है, जिसमें यह सवाल भी शामिल है कि केजरीवाल के दिए कथित भाषण की कोई वीडियो क्लिप या पूरा प्रतिलेख उपलब्ध हुए बिना क्या उनके खिलाफ धारा 125 के तहत मामला बनाया जा सकता है। याचिका में कहा गया है कि शिकायत में केवल आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया गया था लेकिन पुलिस ने उसी दिन प्राथमिकी दर्ज कर ली। केजरीवाल ने कहा कि यह पुलिस द्वारा कोई स्वतंत्र जांच किए बिना किया गया। याचिका में कहा गया है कि यह पुलिस द्वारा स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण और जल्दबाजी में की गई कार्वाई को दर्शाता है।

इसरो के पोलिक्स उपकरण ने वैज्ञानिक अवलोकन शुरू किया

बेंगलुरु। एक्स-रे पोलरिमेट्री मिशन एक्सपोसेट पर मौजूद भारतीय एक्स-रे पोलरिमीटर (पोलिक्स) ने अपना वैज्ञानिक अवलोकन शुरू कर दिया है। एक जनवरी को इसकी शुरुआत की गई थी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मंगलवार को बताया कि क्रैब पल्सर की एक पल्स प्रोफाइल 15-18 जनवरी के दौरान पोलिक्स द्वारा किए गए अवलोकनों से उत्पन्न हुई है। चमकता तारा क्रैब पल्सर क्रैब नेबुला के केंद्र के पास रहता है और प्रति सेकंड लगभग 30 बार अपनी धुरी पर घूमता है। पोलिक्स पेलोड को 10 जनवरी तक दो चरणों में सक्रिय किया गया था और प्रारंभिक स्कैन अवलोकन क्रैब पल्सर के आसपास आयोजित किए गए थे। इस संबंध में डेटा 15-18 जनवरी के दौरान एकत्र किया गया था और पुष्टि के लिए पूरी तरह से समीक्षा की गई थी। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि डेटा उम्मीदों के अनुरूप है। इसरो ने कहा, यह प्रारंभिक अवलोकन पोलिक्स के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो पल्सर, ब्लैक होल और अन्य खगोलीय स्रोतों के अध्ययन के लिए इसकी कार्यक्षमता को प्रदर्शित करता है। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा, इस ऊर्जा बैंड में डेटा की पेशकश करने वाले एकमात्र पेलोड के रूप में, पोलिक्स गहरी जानकारी प्रदान करने और खगोलीय एक्स-रे स्रोतों से जुड़ी भौतिक प्रक्रियाओं को समझने में योगदान देने के लिए तैयार है। पोलिक्स का डिजाइन और विकास रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट, बेंगलुरु में एक्स-रे खगोल विज्ञान प्रयोगशाला द्वारा किया गया था।

क्विक न्यूज

केंद्र ने न्यायालय से कहा, शुद्ध उधारी सीमा पर विवाद सुलझाने के लिए केरल के साथ बातचीत को तैयार

नई दिल्ली। केंद्र ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि वह राज्य के शुद्ध उधार लेने की सीमा पर विवाद सुलझाने के लिए केरल सरकार के साथ बातचीत के लिए तैयार है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ को बताया कि भारत सरकार इस मुद्दे पर केरल के साथ बैठक करने के लिए सहमत है। शीर्ष अदालत ने वेंकटरमणी से पूछा था कि क्या राज्य के वित्त सचिव केंद्रीय वित्त मंत्री से मिल सकते हैं और बातचीत के जरिए मुद्दे का समाधान कर सकते हैं। वेंकटरमणी ने कहा, न्यायालय के सुझाव का सर्वोच्च सम्मान है। सरकार बैठक के लिए तैयार है। आइए इसे बिना किसी शर्त के आगे बढ़ाएं। केरल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि राज्य सरकार भी केंद्र के साथ बातचीत के लिए बुधवार को एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय राजधानी भेजने पर सहमत हो गई है। पीठ ने कहा, हम राजकोषीय नीति के साथ छेड़छाड़ करने के लिए नहीं कह रहे हैं। हम यह भी जानते हैं कि आप (केंद्र) केवल एक राज्य के लिए फैसला नहीं कर सकते हैं। हम यह भी सोचते हैं कि संघ होने के नाते सौहार्द्रपूर्ण वातावरण देश के लिए अच्छा रहेगा। केरल सरकार ने न्यायालय में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि शुद्ध उधारी पर सीमा लगाकर केंद्र ने राज्य के वित्त को विनियमित करने के उसके अधिकारों में हस्तक्षेप किया है।

अदालत ने नौ आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए

जयपुर। राजस्थान में उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड के नौ आरोपियों के खिलाफ मंगलवार को जयपुर की विशेष एनआईए अदालत ने आरोप तय कर दिए गए। जून 2022 में इस्लाम के खिलाफ एक सोशल मीडिया पोस्ट का कथित रूप से समर्थन करने को लेकर उदयपुर के व्यस्त हाथीपोल इलाके में दर्जी का काम करने वाले कन्हैयालाल की उसकी दुकान पर ही मोहम्मद रियाज तथा मोहम्मद गौस ने धारदार हथियार से हत्या कर दी थी। मामले की जांच का जिम्मा एनआईए को सौंपा गया था। हत्याकांड में शामिल नौ आरोपियों में से छह के अधिवक्ता मिन्हाज उल हक ने बताया कि जयपुर में विशेष एनआईए अदालत में मंगलवार को भारतीय दंड संहिता धारा 302 (हत्या), 452 (अनाधिकृत प्रवेश), 153-ए (धर्म आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्यता को बढ़ावा देना), 295-ए (जानबूझकर धार्मिक भावना भड़काना), 120-बी (आपराधिक षड़यंत्र) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के प्रावधानों के तहत आरोप तय किए गए हैं। आरोपी मोहम्मद रियाज, मोहम्मद गौस, मोहसिन खान, आरिफ हुसैन, मोहम्मद मोहसिन, वसीम अली, फरहाद मोहम्मद, मोहम्मद जावेद और मुस्लिम खान अदालत में मौजूद थे। फरहाद मोहम्मद जमानत पर हैं, जबकि बाकी अन्य आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं। फरहाद को जुलाई 2022 में उदयपुर में उसके घर से तलवार बरामद होने के बाद सशस्त्र अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। उसके वकील ने तर्क दिया था कि तलवार बिना धार वाली थी और उसने कोई अपराध नहीं किया था। फरहाद के खिलाफ सशस्त्र अधिनियम के तहत भी आरोप तय किए गए हैं। मामले में अगली सुनवाई दो मार्च को होगी।

कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने उप मुख्यमंत्री शिवकुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया, अदालत के आदेश का इंतजार

बेंगलुरु। कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच सीबीआई से अपने पास आने की संभावना के तहत एक मामला दर्ज किया है। इस समय मामले में सीबीआई जांच कर रही है। कर्नाटक सरकार के मंत्रिमंडल ने पिछले साल नवंबर में शिवकुमार, जो कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष भी हैं, के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में मुकदमा चलाने के लिए सीबीआई को मंजूरी देने के पिछली भाजपा सरकार के फैसले को यह कहते हुए वापस ले लिया था कि यह कानून के अनुरूप नहीं है। लोकायुक्त के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि लोकायुक्त पुलिस को मामला सीबीआई से लोकायुक्त को स्थानांतरित होने का अनुमान है। हालांकि उन्होंने माना कि मंजूरी वापस लेने के राज्य सरकार के आदेश को सीबीआई ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। अधिकारी ने कहा, लोकायुक्त राज्य सरकार के आदेशों से बंधे हैं।

कठपुतलियां जागरूकता फैलाने का सशक्त माध्यम : डॉ. सिंह

श्रावस्ती। डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि कठपुतलियां सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि जनसंचार का सशक्त माध्यम हैं। वे स्वस्थ रहने को जागरूकता भी फैला सकती हैं। डॉ. सिंह भारत सरकार की संस्था राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद तथा इंडियन साइंस कम्युनिकेशन सोसायटी ओर से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान -डायट में पांच दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता ओमप्रकाश यादव ने कहा कि रोगों के प्रति जागरूकता जरूरी है। वेक्टर जनित रोगों जैसे मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया,, एंसेफलाइटिस, स्क्रब टायफस आदि से बचाव के लिए लोक माध्यमों से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार तथा गांव आउटरीच कार्यक्रम में 30 शिक्षक प्रतिभाग कर रहे हैं। सभी प्रतिभागी पटकथा लेखन, उसका नाट्य रूपांतरण, कठपुतली निर्माण और उसका संचालन सीखेंगे। बाद में ये सभी आउटरीच कार्यक्रम के तहत जागरूकता फैलाने के लिए कठपुतली नाटकों का ग्रामीण क्षेत्रों में मंचन करेंगे।

प्रख्यात विज्ञान संचारक डॉ. वीपी सिंह ने कहा कि नाटक के संवाद रोचक भी होने चाहिए। उनमें वैज्ञानिक जानकारी का भी समावेश होना चाहिए।

कठपुतली कलाकार इश्तियाक अली व राजेंद्र त्रिवेदी ने रद्दी कागज भिगोकर कठपुतली निर्माण का आरंभिक चरण बताया। पहले दिन सभी प्रतिभागियों को मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया आदि वेक्टर जनित रोगों पर पटकथा लिखकर लाने को कहा गया, जिसे बाद में पुतुल नाटक के रूप में परिवर्तित किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता गिरीश प्रसाद मिश्रा व ईश्वरचंद विद्यासागर भी उपस्थित थे। दूसरे दिन प्रतिभागियों ने रद्दी कागज से कठपुतली निर्माण सीखा। साथ पटकथा को संवादों के रूप में परिवर्तित करना जाना। इसके बाद कई प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों को सभी के सामने प्रदर्शित किया।

निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित नए कानून पर रोक से न्यायालय का इंकार

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति से संबंधित नए कानून के अमल पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। नए कानून में मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति ऐसी समिति द्वारा किए जाने का प्रावधान है, जिसमें प्रधान न्यायाधीश शामिल नहीं होंगे। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने एक गैर-सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से दायर याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया और इस याचिका को इसी विषय पर लंबित अन्य याचिकाओं के साथ अप्रैल में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया।

याचिका में मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) अधिनियम, 2023 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। एनजीओ की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि यह कानून शीर्ष अदालत की संविधान पीठ के उस फैसले के विपरीत है, जिसने निर्देश दिया था कि सीजेआई उस समिति का हिस्सा होंगे, जो सीईसी और ईसी की नियुक्ति करेगा। उन्होंने कहा कि दो चुनाव आयुक्त सेवानिवृत्त होने वाले हैं और यदि कानून के क्रियान्वयन पर रोक नहीं लगाई गई, तो याचिका निरर्थक हो जाएगी।

जब भूषण ने कानून के क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगाने पर जोर दिया, तो पीठ ने कहा, माफ करें, हम आपको इस मामले में अंतरिम राहत नहीं दे सकते। संवैधानिक वैधता का मामला कभी भी निरर्थक नहीं होता। हम अंतरिम राहत देने के अपने मानकों को जानते हैं। नए कानून में कहा गया है, मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक चयन समिति की सिफारिश पर की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करेंगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री इसके सदस्य होंगे।

पेज 1 का शेष

किसान अड़े...

अधिकांश मुद्दों पर सहमति बन गई है और कुछ अन्य मुद्दों को हल करने के लिए एक फार्मूला प्रस्तावित किया गया है जिसके लिए समिति का गठन किया जाएगा। बैठक सोमवार शाम करीब साढ़े छह बजे सेक्टर 26 स्थित महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में शुरू हुई और आधी रात से ठीक पहले समाप्त हुई। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल ने कहा कि सरकार एमएसपी को कानूनी गारंटी देने, कर्ज माफी और स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने के मुद्दों पर एक समिति का गठन चाहती है। उन्होंने कहा, 'हम अपने किसानों को एक मंच पर बताएंगे कि बैठक में क्या हुआ।' दिल्ली चलो मार्च के आह्वान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, दिल्ली की ओर बढ़ना हमारी मजबूरी है। किसान एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी के अलावा स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने, किसानों और खेत मजदूरों के लिए पेंशन, कृषि ऋण माफी, पुलिस मामलों को वापस लेने और लखीमपुर खीरी हिंसा के पीड़ितों के लिए 'न्याय', अधिग्रहण अधिनियम - 2013, विश्व व्यापार संगठन से वापसी और पिछले आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों के लिए मुआवजे की मांग कर रहे हैं। मंगलवार को पंजाब-हरियाणा (शंभू) सीमा और जींद सीमा पर अराजकता की स्थिति पैदा हो गई, क्योंकि प्रदर्शनकारी किसानों ने बैरिकेड्स हटाना शुरू कर दिया, जिसके बाद हरियाणा पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े, मध्य दिल्ली में भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। किसानों के विरोध के मद्देनजर दंगा-रोधी गियर में कर्मियों को रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है और कई प्रमुख सड़कों तक पहुंच को नियंत्रित करने के लिए धातु और कंक्रीट के बैरिकेड लगाए गए हैं, जिससे यात्रियों को कठिनाई हो रही है। क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के पास चुनिंदा मेट्रो स्टेशनों के कुछ प्रवेश और निकास द्वार बंद कर दिए गए हैं क्योंकि निषेधाज्ञा लागू है।

बंदोवस्त से...

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर वाहन भी बहुत धीमी गति से चल रहे हैं क्योंकि सड़कें दो से तीन किलोमीटर तक बैरिकेड्स से अवरुद्ध हैं। सर्विस लेन को कंक्रीट बैरिकेड्स, कंटीले तारों और ट्रकों का उपयोग करके अवरुद्ध किया गया है, जिससे सामान्य यातायात की आवाजाही बाधित हो रही है।

अयोध्या से.....

दोनों नेताओं की उपस्थिति में द्विपक्षीय निवेश संधि, इलेक्ट्रिकल इंटरकनेक्शन और व्यापार के क्षेत्र में सहयोग पर सहमति-पत्र और भारत-पश्चिम एशिया आर्थिक कॉरिडोर पर भारत और यूएई के बीच अंतर-सरकारी रूपरेख समझौते समेत आठ करार हुए। बयान में कहा गया कि द्विपक्षीय निवेश संधि दोनों देशों में निवेश को और बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बयान में कहा गया है कि भारत ने संयुक्त अरब अमीरात के साथ द्विपक्षीय निवेश संधि और व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते दोनों पर हस्ताक्षर किए हैं। अन्य समझौतों में डिजिटल अवसंरचना परियोजनाओं में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन, दोनों देशों के राष्ट्रीय अभिलेखागार के बीच एक सहयोग प्रोटोकॉल, विरासत और संग्रहालयों के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन, तत्काल भुगतान प्लेटफार्म - यूपीआई (भारत) और एएएनआई (यूएई) की इंटरलिंकिंग पर एक समझौता शामिल है। इनमें घरेलू डेबिट/क्रेडिट कार्ड -रूपे (भारत) और जेएवाईडब्ल्यूएएन (यूएई) को इंटर-लिंक करने पर एक समझौता शामिल है। प्रधानमंत्री ने यूएई के घरेलू कार्ड जेएवाईडब्ल्यूएएन के जारी होने पर शेख मोहम्मद बिन जायद को बधाई दी। दोनों नेताओं की उपस्थिति में इस कार्ड का इस्तेमाल करते हुए लेनदेन भी किया गया। दोनों नेताओं ने ऊर्जा क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर भी चर्चा की।

आप ने...

असफलताओं का सामना करने के बाद कांग्रेस राजधानी में अपना प्रभाव फिर से हासिल करने का प्रयास कर रही है। पाठक ने कहा, 'कांग्रेस के पास दिल्ली में शून्य लोकसभा सीटें हैं, उसके पास दिल्ली विधानसभा में शून्य सीटें हैं। एमसीडी चुनाव में 250 वार्डों में से कांग्रेस ने केवल 9 सीटें जीतीं। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक योग्यता के आधार पर भी कांग्रेस पार्टी एक भी सीट की हकदार नहीं है। लेकिन केवल डेटा ही महत्वपूर्ण नहीं है। गठबंधन धर्म के मुताबिक और सम्मान के तौर पर हम कांग्रेस को एक सीट देने को तैयार हैं। हम आज उम्मीदवारों की घोषणा नहीं कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि दिल्ली के लिए सीट-बंटवारे की बातचीत को जल्द ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा ताकि हम काम पर लग सकें। अगर जल्द ही कोई निष्कर्ष नहीं निकला तो अगले कुछ दिनों में हम छह सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा करेंगे और अपना काम शुरू करेंगे।' 2019 के आम चुनावों में भाजपा ने दिल्ली की सभी सात सीटों पर कब्जा कर लिया था, कांग्रेस पीछे रही और आप तीसरे स्थान पर रही। हालाँकि दिल्ली विधानसभा चुनावों और नगर निगम चुनावों में आप की जीत के साथ-साथ पंजाब में कांग्रेस सरकार को हटाने से उसकी स्थिति मजबूत हुई है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि कांग्रेस एकमात्र ऐसी पार्टी है जो आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, 'लोकसभा के लिए सीटें प्रेस कॉन्फ्रेंस में तय नहीं की जा सकतीं। यदि तुलना की जाए तो हम इस बार दिल्ली में किसी भी अन्य पार्टी की तुलना में सबसे अधिक तैयार हैं। जब पार्टी के प्रदर्शन की बात आती है, तो हर कोई 2019 के लोकसभा चुनावों के परिणामों को जानता है। कांग्रेस इसमें थी पांच सीटों पर दूसरे स्थान पर थी।' दिल्ली में आप के साथ गठबंधन के बारे में बोलते हुए लवली ने दोहराया कि एआईसीसी के वरिष्ठ नेता जो भी निर्णय लेंगे, दिल्ली कांग्रेस उसका पालन करेगी।

वैश्विक....

कायस्थ ने कहा कि अपनी ओर से, हम क्षेत्र में टूर ऑपरेटरों के लिए परिचित यात्राओं की सुविधा भी प्रदान कर रहे हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे गंतव्य तक पहुंचने से पहले उससे अच्छी तरह वाकिफ हैं। फिलहाल, हम अयोध्या को लेकर उनकी प्रारंभिक जिज्ञासा को लेकर उत्साहित हैं। स्थानीय प्रशासन मुख्य रूप से घरेलू मांग प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, हम इस विकसित परिदृश्य पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा, इसके अलावा, हम रामायण सर्किट पर पर्यटन की योजना प्रचारित कर सक्रिय रूप से अपने ज्ञान के साथ सेवाओं को बढ़ा रहे हैं, जिसमें चित्रकूट जैसे गंतव्य भी शामिल हैं। कोटेरी टूर्स प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक रीतू जैन ने कहा, प्रवासी भारतीय राम मंदिर और अयोध्या की अपनी यात्रा को यादगार और आध्यात्मिक रूप से पूर्ण बनाने के लिए यात्रा व्यवस्था, आवास और गहन अनुभवों पर अनुभव साझा करने की मांग रहे हैं। अयोध्या हवाई अड्डा, जिसे अब महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा कहा जाता है, जिसका उद्घाटन पिछले दिसंबर में प्रधानमंत्री ने किया था, विदेश से आने वाले आगंतुकों के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक गुणवत्ता सुनिश्चित करेगा। हवाई अड्डे का लक्ष्य सालाना लगभग 10 लाख यात्रियों को सेवा प्रदान करना है। जैन ने कहा कि न केवल अयोध्या बल्कि बहुप्रतीक्षित राम मंदिर ने देश को वैश्विक मानचित्र पर ला दिया है। यह बढ़ोतरी विदेशों में रहने वाले भारतीयों के अपनी जड़ों से गहरे संबंध और इस प्रतिष्ठित धार्मिक स्थल के पवित्र वातावरण में भाग लेने की इच्छा को दर्शाती है। हालाँकि, विदेशी पर्यटन से जुड़े टूर ऑपरेटरों के एक वर्ग ने महसूस किया कि विदेशी राजस्व अर्जक और नौकरी मंथन का एक बड़ा स्रोत होने के बावजूद, वहां से आने वाले पर्यटकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विदेशी प्रचार और प्रचार योजना को नजरअंदाज किया जा रहा है।

राष्ट्रीय फिल्म...

जिसे 50,000 रुपये से बढ़ाकर 2 लाख रुपये कर दिया गया है, साउंड डिजाइनर को पुरस्कृत किया जाएगा। एक विशेष जूरी पुरस्कार बंद कर दिया गया है, लेकिन जूरी के पास राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की फीचर फिल्म और गैर-फीचर फिल्म श्रेणियों में दो विशेष उल्लेख पुरस्कार देने का पूर्ण विवेक है। गैर-फीचर फिल्म श्रेणी में, कुछ खंडों को बंद कर दिया गया है जबकि अन्य को एक साथ मिला दिया गया है। और सर्वश्रेष्ठ स्क्रिप्ट के लिए एक नई श्रेणी शुरू की गई है। सर्वश्रेष्ठ मानवविज्ञान/नृवंशविज्ञान फिल्म, सर्वश्रेष्ठ विज्ञान और प्रौद्योगिकी फिल्म, सर्वश्रेष्ठ प्रचार फिल्म, कृषि सहित सर्वश्रेष्ठ पर्यावरणीय फिल्म, सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक फिल्म, सर्वश्रेष्ठ अन्वेषण/साहसिक फिल्म और सर्वश्रेष्ठ खोजी फिल्मों के खंडों को मिलाकर दो फिल्में बनाई गई हैं। खंड सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र और सर्वश्रेष्ठ गैर-फीचर फिल्म। पारिवारिक मूल्यों पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म के साथ-साथ गैर-फीचर श्रेणी में विशेष जूरी पुरस्कार बंद कर दिए गए हैं।

एमएसपी कानून जल्दबाजी में नहीं लाया जा सकता : मुंडा

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने मंगलवार को कहा कि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी वाला कानून सभी हितधारकों से परामर्श किए बिना जल्दबाजी में नहीं लाया जा सकता। इसके साथ ही उन्होंने प्रदर्शनकारी किसान समूहों से इस मुद्दे पर सरकार के साथ रचनात्मक चर्चा करने का आग्रह किया। मुंडा ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में प्रदर्शनकारी किसानों को कुछ तत्वों के प्रति जागरूक और सतर्क रहने के लिए आगाह किया, जो राजनीतिक लाभ के लिए उनके विरोध प्रदर्शन को बदनाम कर सकते हैं। मुंडा उस मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं, जिसने किसानों की चिंताओं को हल करने के लिए चंडीगढ़ में संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक), किसान मजदूर मोर्चा सहित विभिन्न किसान समूहों के साथ दो दौर की चर्चा की। हालांकि, बातचीत बेनतीजा रहने पर किसान समूहों ने मंगलवार को अपना दिल्ली चलो मार्च शुरू कर दिया। मुंडा ने कहा, दो दौर की चर्चा में हम उनकी कई मांगों पर सहमत हुए। लेकिन कुछ मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। बातचीत अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि केंद्र उनकी कई मांगों को पूरा करने पर सहमत हो गया है जो प्रशासनिक स्तर पर की जा सकती हैं। मंत्री ने कहा कि हालांकि एमएसपी की गारंटी देने वाली नीति के लिए राज्य सरकारों सहित सभी हितधारकों के विचारों को ध्यान में रखते हुए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है।मुंडा ने कहा, हमें एमएसपी के बारे में यह देखना है कि कानून किस तरह बनाना है तथा इसमें क्या लाभ और क्या नुकसान है। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी सरकार सभी हितधारकों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए ठोस काम करती है और जल्दबाजी में ऐसी कोई घोषणा नहीं करेगी जो बाद में विफल हो जाए। मुंडा ने कहा, वे (किसान संगठन) चाहते हैं कि हम कुछ चीजों की घोषणा करें। सरकार घोषणा करने के लिए नहीं, बल्कि काम करने के लिए है। घोषणा ठोस चर्चा के बाद ही की जाती है। ठोस चर्चा के लिए, हमें प्रत्एक हितधारक के हित को ध्यान में रखना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि कृषि राज्यों से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा, मान लीजिए कि हम राष्ट्रीय स्तर पर कुछ करते हैं, वही लोग कल कहेंगे कि आपने राज्यों को विश्वास में नहीं लिया।

कतर से भारतीयों की रिहाई में शाहरुख खान के शामिल होने की खबरें निराधार : अभिनेता का कार्यालय

भाषा। मुंबई

अभिनेता शाहरुख खान के कार्यालय ने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि कतर की जेल में बंद आठ पूर्व भारतीय नौसेना कर्मियों की रिहाई में वह शामिल थे। अभिनेता के कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि कूटनीति और शासन-कला से जुड़े मामलों को हमारे बेहद सक्षम नेता सबसे अच्छे तरीके से संभालते हैं। कतर ने सोमवार को भारतीय नौसेना के उन पूर्व कर्मियों को रिहा कर दिया, जिन्हें मौत की सजा सुनाई गई थी और जिनकी सजा को अलग-अलग अवधि की जेल की सजा में बदल दिया गया था। इनमें से सात स्वदेश लौट आए हैं। मंगलवार को अटकलें लगाई गईं कि शाहरुख ने जेल में बंद भारतीयों की रिहाई में भूमिका निभाई है। खान कतर में बेहद लोकप्रिय हैं और हाल में उन्होंने दोहा में एक कार्यक्रम के दौरान देश के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थानी से मुलाकात की थी। पूर्व सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया था कि अभिनेता खान ने इस मामले में हस्तक्षेप किया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनका पोस्ट व्यापक रूप से प्रसारित हुआ। अभिनेता के कार्यालय ने एक बयान में कहा, कतर से भारत के पूर्व नौसैन्य अधिकारियों की रिहाई में शाहरुख खान की कथित भूमिका से संबंधित खबरों के संबंध में शाहरुख खान के कार्यालय का कहना है कि उनकी भागीदारी के ऐसे कोई भी दावे निराधार हैं...। बयान में कहा गया, कूटनीति और शासन कला से जुड़े सभी मामलों को हमारे बहुत सक्षम नेताओं द्वारा बहुत अच्छी तरह से संभाला जाता है। शाहरुख खान की प्रबंधक पूजा डडलानी ने भी इस संबंध में इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है।

क्विक न्यूज

जेईई-मेन : परीक्षा के पहले संस्करण में 23 उम्मीदवारों ने 100 अंक हासिल किए

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन में 23 उम्मीदवारों ने पूरे 100 अंक हासिल किए है जिनमें से अधिकतम प्रतिभागी तेलंगाना से है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को यह घोषणा की। इस महत्वपूर्ण परीक्षा के पहले संस्करण में 11.70 लाख से अधिक उम्मीदवार शामिल हुए थे। जिन प्रतिभागियों ने 100 एनटीए स्कोर हासिल किए उनमें से सात तेलंगाना से, दो हरियाणा से, तीन-तीन आंध्र प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र से, दो दिल्ली से और एक-एक गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु से है। एनटीए अधिकारियों के अनुसार, एनटीए स्कोर सामान्य तरीके से प्राप्त अंकों के प्रतिशत के समान नही होते हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, एनटीए स्कोर समूचे बहु-सत्रीय प्रश्नपत्रों में सामान्य अंक होते है और यह एक सत्र में परीक्षा में शामिल हुए सभी लोगों के सापेक्ष प्रदर्शन पर आधारित होते है। प्राप्त अंकों को प्रत्एक सत्र के परीक्षार्थियों के लिए 100 से शून्य तक के पैमाने मे बदल दिया जाता है। अधिकारियों के अनुसार, जमीनी स्तर पर परीक्षा के सुचारू संचालन की निगरानी और सुविधा के लिए एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया था। अधिकारी ने कहा, दो राष्ट्रीय समन्वयक, 18 क्षेत्रीय समन्वयक, 303 शहर समन्वयक,।,083 पर्यवेक्षक, 150 तकनीकी पर्यवेक्षक और 162 उप पर्यवेक्षक तैनात किए गए थे। परीक्षा में कदाचार को रोकने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी निगरानी की गई थी। उन्होंने बताया कि परीक्षा में किसी भी तरह से नकल को रोकने के लिए कई उपाय किए गए थे। परीक्षा असमिया, बंगाली, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू में आयोजित की गई थी। परीक्षा भारत के बाहर मनामा, दोहा, दुबई, काठमांडू, मस्कट, रियाद, शारजाह, सिंगापुर, कुवैत सिटी, कुआलालंपुर, लागोसाअबुजा, कोलंबो, जकार्ता, मॉस्को, ओटावा, पोर्ट लुइस, बैंकॉक और वाशिंगटन में भी आयोजित की गई थी। परीक्षा पहली बार अबू धाबी, हांगकांग और ओस्लो में आयोजित की गई थी। परीक्षा का पहला संस्करण जनवरी-फरवरी मे आयोजित किया गया था और दूसरा संस्करण अप्रैल मे आयोजित होने वाला है। जेईई-मेन प्रश्नपत्र एक और प्रश्नपत्र दो के परिणामो के आधार पर उम्मीदवारों को जेईई-एडवांस्ड परीक्षा में बैठने के लिए चुना जाएगा जो 23 प्रमुख भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानो (आईआईटी) मे प्रवेश पाने के लिए एकमात्र परीक्षा है।

जेईई के परिणाम में लहराया यूपी के बच्चो का परचम

नोएडा। आकाश बायजूस ने लखनऊ से अपने बीस स्टूडेंट्स की उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा करते हुए गर्व महसूस किया। जिन्होंने ज्वाइंट इंट्रेस एग्जाम जेईई मेन 2024 के पहले सत्र में 97 परसेंटाइल से ऊपर स्कोर किया। वहीं पांच स्टूडेंट्स ने फिजिक्स में 100 फीसदी परसेंटाइल हासिल किए हैं। उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले स्टूडेंट्स में सत्यांश गुप्ता ने 99.93 परसेंटाइल हासिल किए हैं। छात्रों के शीर्ष प्रतिशत भारत की सबसे प्रसिद्ध प्रतियोगी परीक्षाओं में से एक में अपनी अटूट प्रतिबद्धता और अकादमिक उत्कृष्टता दिखाते हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने आज सेशन 1 के परिणामों का अनावरण किया। छात्रों को बधाई देते हुए डॉ एचण् आर राव क्षेत्रीय निदेशक ने सराहना की। छात्रों का उल्लेखनीय प्रदर्शन व्यापक कोचिंग और अभिनव शिक्षण समाधानों के साथ छात्रों को सशक्त बनाने के लिए आकाश बायजूस की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिससे वे प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें। हम उन्हें अगले प्रयास के साथ.साथ उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।‸ जेईई मेन्स छात्रों को अपने स्कोर को बढ़ाने के लिए कई अवसर प्रदान करने के लिए दो सत्रों में संरचित है। जबकि जेईई एडवांस्ड विशेष रूप से प्रतिष्ठित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ;आईआईटीद्ध में प्रवेश की सुविधा देता है।

1 लाख से अधिक मवेशियों का इलाज किया गया

सिलीगुड़ी। भारत की अग्रणी एनबीएफसी में से एक एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड पूर्व में फुलर्टन इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड‍ ने अपना छठा पशु विकास दिवस -पीवीडी आयोजित किया। यह देश में सबसे बड़ा एक दिवसीय पशु देखभाल शिविर के रूप में जाना जाता है। इस दौरान एक लाख से अधिक मवेशियों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए 14 राज्यों में 460 से अधिक स्थानों पर एक साथ शिविर आयोजित किए गए। भारत मेंए 8 करोड़ से अधिक परिवार सीधे तौर पर डेयरी क्षेत्र से जुड़े हुए हैं और इनमें इनमें महिलाएं 70 प्रतिशत कार्यबल का प्रतिनिधित्व करती हैं। इन महिलाओं की भूमिका के सम्मान के लिएए छठा पशु विकास दिवस डेयरी फार्मिंग में महिलाएं के रूप में मनाया गया। यह पहल ई एस जी ढांचे के सामाजिक पहलू को दर्शाती है, जो सामाजिक उत्थान को आगे बढ़ाने में लैंगिक विविधता और समावेशन के महत्व पर जोर देती है। कंपनी की सामाजिक पहल के बारे में बोलते हुए एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट के चीफएक्जीक्यूटिव ऑफिसर और मैनेजिंग डायरेक्टर शांतनु मित्रा ने कहा कि हमारे ग्रामीण ग्राहक आधार में 90 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं। हमारे बहुत से ग्राहक पशु खरीदने के लिए ऋण लेते हैं, जो उनके लिए आय का एक बड़ा स्रोत है। हमारे सामुदायिक विकास कार्यक्रम परिवर्तन को संभव बनाने के लिए प्रेरक के रूप में कार्य करते हैं और ग्रामीण आजीविका के उत्थानए जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाने और आय स्रोतों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। स्वामीनाथन सुब्रमण्यम ने कहा कि एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट में हम ग्रामीण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और मजबूत सामाजिक पहलों को बढ़ावा देने के लिए अपने मिशन पर मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं।

कोटा: हॉस्टल में जेईई अभ्यर्थी ने जान दी, इस साल खुदकुशी का यह तीसरा मामला

कोटा (राजस्थान)। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा जेईई-मेन 2024 के पहले संस्करण की उत्तर कुंजी के प्रकाशन के कुछ घंटो बाद यहां 16 वर्षीय जेईई अभ्यर्थी ने छात्रावास के अपने कमरे मे कथित तौर पर फांसी लगा ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार इस साल कोटा मे कोचिंग छात्र द्वारा संदिग्ध आत्महत्या का यह तीसरा मामला है। क्षेत्राधिकारी (सीओ) पुलिस उपाधीक्षक भवानी सिंह ने कहा कि शुभ चौधरी का शव मंगलवार सुबह जवाहर नगर इलाके में उसके छात्रवास के कमरे में छत के पंखे से लटका हुआ पाया गया। सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ निवासी शुभ चौधरी 12वी कक्षा का छात्र था और जेईई-मेन 2024 परीक्षा में शामिल हुआ था। हालांकि पुलिस को अभी तक उसकी परीक्षा के नतीजो की जानकारी नही मिल पाई है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने सोमवार को जेईई-मेन 2024 के पहले संस्करण की परीक्षा की उत्तर कुंजी प्रकाशित की थी और मंगलवार को इसके परिणाम घोषित किए। पुलिस ने कहा कि चौधरी यहां एक कोचिंग संस्थान मे जेईई की तैयारी कर रहा था और दो साल से जवाहर नगर इलाके मे छात्रवास में रह रहा था।सीओ ने कहा कि जब छात्र ने मंगलवार सुबह अपने माता-पिता के बार-बार किए गए कॉल का कोई जवाब नही दिया, तो उन्होंने हॉस्टल वार्डन से पता लगाने का आग्रह किया। उन्होने बताया कि वार्डन ने कमरे मे पहुंचने पर चौधरी का शव पंखे से लटका हुआ पाया और पुलिस को सूचित किया।सीओ ने बताया कि किशोर ने सोमवार रात किसी समय कथित तौर पर फांसी लगाई। उन्होंने कहा कि उसके कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नही हुआ है। अधिकारी ने बताया छात्रावास के कमरे मे पंखे में आत्महत्या रोधी उपकरण नही था। उन्होने बताया कि शव को शवगृह मे रख दिया गया है। छत्तीसगढ़ से छात्र माता-पिता के आने के बाद पोस्टमार्टम किया जाएगा।

भाजपा विधायक बलात्कार का प्रयास के आरोप से बरी

धनबाद (झारखंड)। झारखंड के धनबाद जिले की एक विशेष एमपीएमएलए अदालत ने मंगलवार को भाजपा के बाघमारा विधायक ढुलू महतो को बलात्कार के प्रयास के आरोप से बरी कर दिया। धनबाद एमपीएमएलए अदालत के विशेष न्यायाधीश अखिलेश कुमार ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा घटना का साक्ष्य प्रस्तुत नही कर पाने के कारण आरोपी ढुलू महतो को बरी किया जा रहा है। अतिरिक्त लोक अभियोजक समित प्रकाश ने संवाददाताओं को बताया कि शिकायतकर्ता मामले में मुकर गई। एक महिला भाजपा नेता ने आरोप लगाया था कि नवंबर 2015 में एक गेस्ट हाउस में बुलाकर महतो ने उसके साथ बलात्कार करने का प्रयास किया था। उच्च न्यायालय के निर्देश पर चार अक्टूबर, 2019 को महतो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

मणिपुर में गोलीबारी में एक की मौत, दो घायल

इंफाल। मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले मे दो समुदायो के बीच मंगलवार को हुई गोलीबारी में 25 वर्षीय ग्रामीण की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गोलीबारी की यह घटना कांगपोकपी जिले की सीमा से लगे पुखाओ शांतिपुर में हुई। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान सगोलसेम लोया के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि उसे इंफाल के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। रविवार रात से पुखाओ और आसपास के पहाड़ी इलाकों में रुक-रुक कर गोलीबारी की घटनाएं सामने आ रही है। मणिपुर मे पिछले साल तीन मई से कुकी और मेइती समुदाय के बीच भिड़की हिंसा में अब तक 180 लोगों की जान जा चुकी है।

लोगों को मिलेगा नया अनुभव

मुंबई। मिआ बाय तनिष्क नया अनुभव देगा। यूपी में नए स्टोर का उद्घाटन मिआ बाय तनिष्क की बिज़नेस हेड सुश्री श्यामला रमणन नेशनल सेल्स और रिटेल हेड राजीव सी मेननए नॉर्थ 2 के आरबीएम ज्वेलरी अरुण कुमार और सुश्री अर्चना राय एवं परिवार ने किया। आकर्षक रंगीन स्टोन्स, चमकीले सोने, हीरे और चांदी में मिआ के सबसे खूबसूरत आभूषण यहां ख़रीदे जा सकते हैं। कई प्रकार के इयररिंग्स, स्टड्स, फिंगर रिंग्स, ब्रेसलेट्स, ईयर कफ्स, पेंडेंट्स, नेकवेयर और मंगलसूत्र के डिज़ाइन यहां ह, जो अलग-अलग उपभोक्ताओं की अलग.अलग ज़रूरतें और पसंद को पूरा करते हैं। फैशनेबल और अनोखे कलेक्शन के लिए नवाज़ा जाने वाला ब्रांड मिआ बाय तनिष्क में मिनिमल और स्टाइलिश टच के आकर्षक डिज़ाइन हैं।

एनटीपीसी ने अयोध्या में 14 मेगावाट क्षमता की सौर इकाई चालू की

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक एनटीपीसी की अनुषंगी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लि. ने अयोध्या सौर बिजली परियोजना की 14 मेगावाट क्षमता चालू कर दी है। कंपनी उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 40 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजना स्थापित कर रही है। बयान के अनुसार, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लि. की 40 मेगावाट की अयोध्या सौर फोटोवोल्टिक परियोजना में से 14 मेगावाट की क्षमता 27 जनवरी, 2024 से वाणिज्यिक रूप से परिचालन में आ गई है। इसके साथ ही एनटीपीसी समूह की स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता बढ़कर 73,888 मेगावाट हो गई है।

आर्थिक रूप से पिछड़े 51,000 छात्रों की फीस माफ

मुंबई। फिजिक्सवाला के संस्थापक और सीईओ अलख पांडे ने शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के लिए अपने कुछ पेड बैचों के 51,000 छात्रों की फीस पूरी तरह माफकर दी है। यह कदम आर्थिक रूप से कमजोर और अच्छी शिक्षा से दूर रह गए बच्चों की मदद करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए उठाया गया है। फीस माफी की कुल रकम 17 करोड़ रुपये से अधिक है।3,000 से 4,000 रुपये में अच्छी गुणवत्ता वाले कंटेंट उपलब्ध करा पीडब्ल्यू ने अपने किफायती मूल्य निर्धारण मॉडल सेए बाजार में हलचल मचा दी है। इसमें अतिरिक्त सुविधाएं भी शामिल हैं। इन प्रयासों के बावजूदए बड़ी संख्या में छात्र इन कोर्सेज़ की फीस नहीं दे पाते हैंए जिसके कारण पीडब्ल्यू के संस्थापक और सीईओ अलख पांडे ने यह कदम उठाया। इसका उद्देश्य छात्रों के लिए समान अवसर पैदा करना है। पीडब्ल्यू के संस्थापक और सीईओ अलख पांडे ने कहा कि यह पहल आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि वाले छात्रों के लिए है।

यूनियन म्यूचुअल फंड से बढ़ेगा लाभ

मुंबई। यूनियन म्यूचुअल फंड की निवेश प्रबंधक यूनियन असेट मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड यूनियन एएमसी ने यूनियन बिज़नेस फंड लॉंच करने की घोषणा की है। यह एक ओपन ऐंडेड स्कीम होगी जो बिज़नेस साइकल आधारित निवेश की थीम पर चलेगी। इस स्कीम का एनएफओ 13 फरवरी 2024 को खुलेगा और 27 फरवरी 2024 को बंद होगा। इस स्कीम को दो फंड मॅनेजर संभालेंगे। संजय बेम्बालकर और हार्दिक बोरा ये दोनों फंड मॅनेजर यूनियन एएमसी में इक्विटी के को हेड हैं। इस स्कीम का इरादा अग्रणी उद्योगों और पीछे रह गए उद्योगों के बीच सक्रिय आक्रामकता से आवंटन करने का है। यूनियन एएमसी के मुख्य निवेश अधिकारी हर्षद पटवर्धन ने कहा कि पेशेवर मनी मॅनेजर निरंतर अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश में रहते हैं, इसलिए यह अहम है कि बाजार के चक्रीय स्वभाव को अपना लिया जाए और दीर्घकाल को अल्प अवधियों की एक श्रृंखला के रूप में देखा जाए।

सरकारी परीक्षाओं की तैयारी के लिए ऑफ़लाइन सेंटर शुरू

यूपी। भारत का प्रमुख एडटेक प्लेटफॉर्म, फिजिक्स वाला ने यूपी में सरकारी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अपने पहले ऑफ़लाइन सेंटर का उद्घाटन किया। यह विस्तृत कोर्स और सही मार्गदर्शन की कमी जैसी समस्याओं को हल करेगा और बेहतर अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराएगा। केंद्र का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। ऑर्गनाइजेशन की सरकारी परीक्षाओं की तैयारी के लिए और सेंटर शुरूकर ऑफ़लाइन विस्तार की योजना भी है। सेंटर छात्रों को एसएससी, बैंकिंग, यूपीएसएसएससी, उत्तर प्रदेश पुलिस, रेलवे, टीचिंगए बीमा और डिफेंस परीक्षाओं के लिए तैयार करेगा। सीईओ अतुल कुमार ने कहा कि फिजिक्स वाला में हम सिर्फ अपनी वास्तविक उपस्थिति का विस्तार नहीं कर रहे हैंय हम अवसरों से भरे भविष्य के लिए पुल बना रहे हैं।

श्रमिक संगठनों ने 16 फरवरी को एक दिन की हड़ताल का आह्वान किया

नई दिल्ली। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने 16 फरवरी को कंपनी और उसकी सहायक इकाइयों में एक दिन की हड़ताल का आह्वान किया है। सार्वजनिक क्षेत्र की सीआईएल का घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक योगदान है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि श्रमिक संगठनों ने हड़ताल का आह्वान किया है, हालांकि उसने हड़ताल के कारणों को नहीं बताया।

सोनिया राजस्थान से होंगी रास उम्मीदवार, आज नामांकन पत्र दाखिल करेंगी

भाषा। नई दिल्ली-जयपुर

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी राज्यसभा चुनाव में राजस्थान से पार्टी की उम्मीदवार होंगी और वह बुधवार को नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। पार्टी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि सोनिया गांधी बुधवार को जयपुर में नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रह सकते हैं। कांग्रेस राज्यसभा चुनाव के लिए बहुत जल्द अपने उम्मीदवारों की सूची जारी करेगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तिथि 15 फरवरी है। सोनिया गांधी वर्ष 1999 से लगातार लोकसभा सदस्य हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। वह अमेठी से भी लोकसभा सदस्य रह चुकी हैं। यह पहली बार होगा कि वह संसद के उच्च सदन में जाएंगी।वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद राज्यसभा में प्रवेश करने वाली गांधी परिवार की दूसरी सदस्य होंगी।

नीतीश कुमार के करीबी संजय झा जदयू के उम्मीदवार होंगे

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय महासचिव और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी संजय कुमार झा राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार होंगे। जद (यू) के राष्ट्रीय महासचिव अफाक अहमद खान द्वारा यहां जारी एक बयान के अनुसार, झा को संसद के उच्च सदन में भेजा जाएगा। बिहार विधान परिषद के सदस्य झा को कुमार के सबसे भरोसेमंद लोगों में से एक माना जाता है जिनके साथ वह विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठकों में जाते थे।

कर्नाटक के स्कूल ने कथित हिंदू विरोधी टिप्पणी के लिए शिक्षिका को बर्खास्त किया

भाषा। मंगलुरु (कर्नाटक)

मंगलुरु के एक निजी स्कूल में छात्रों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में एक शिक्षिका को बर्खास्त कर दिया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सेंट गेरोसा हायर प्राइमरी स्कूल के प्रबंधन ने सातवीं कक्षा के छात्र के माता-पिता की शिकायत और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के हंगामे के बाद यह कार्रवाई की। छात्र के माता-पिता ने सोमवार को मंगलुरु दक्षिण पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई कि शिक्षिका ने कार्य ही पूजा है विषय पर कक्षा के दौरान हिंदू देवताओं के बारे में कथित रूप से आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। भाजपा विधायक भरत शेट्टी वाई और वेदव्यास कामथ ने इस मुद्दे को उठाया था और शिक्षिका के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। शेट्टी ने एक बयान में कहा कि ऐसी घटना पहली बार नहीं हुई है और कुछ स्कूल छात्रों के बीच हिंदू विरोधी भावनाएं फैला रहे हैं।उन्होंने हिंदुओं से ईसाई प्रबंधन द्वारा संचालित स्कूलों में अपने बच्चों का दाखिला कराने से पहले पुनर्विचार करने का भी आग्रह किया। आरोप है कि शिक्षिका ने छात्रों से कहा था कि महाभारत और रामायण काल्पनिक हैं और उसने बच्चों में हिंदू विरोधी भावनाएं पैदा करने की कोशिश की। स्कूल ने सोमवार देर रात स्कूल के अभिभावकों को संबोधित एक पत्र में कहा कि शिक्षिका को उसके पद से हटाया जा रहा है और उनके स्थान पर एक नए शिक्षक की नियुक्ति की जाएगी।

बिहार सरकार ने 2.79 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया, वृद्धि दर देश में सबसे अधिक

भाषा। पटना

बिहार *में* नीतीश कुमार सरकार ने मंगलवार को 2.79 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया। बजट के मुताबिक राज्य की वित्तीय स्थिति अच्छी है और वृद्धि दर देश में सबसे अधिक 10 प्रतिशत से ज्यादा है। राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि यह बिहार के लिए गर्व की बात है कि उसकी वृद्धि दर राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक 10.64 प्रतिशत है। वित्त विभाग संभालने वाले चौधरी ने कहा, हम राज्य के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम चालू वित्त वर्ष में 2.5 करोड़ लोगों को गरीबी के चंगुल से बाहर निकालने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के विश्लेषण के अनुसार 2022-23 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर 3.1 प्रतिशत और देश की आर्थिक वृद्धि दर 7.24 प्रतिशत थी। चौधरी ने कहा कि बिहार ने 2022-23 में देश में सबसे अधिक सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) दर हासिल की है। इसके बाद असम (10.2 प्रतिशत) और दिल्ली (9.2 प्रतिशत) का स्थान है। उन्होंने विपक्ष के हंगामे के बीच बजट पेश किया। इस दौरान विपक्षी दल के सदस्य पलटूराम होश में आओ जैसे नारे लगाते हुए सदन से बाहर चले गए। चौधरी ने राज्य की प्रमुख उपलब्धियां गिनाते हुए मातृत्व मृत्यु में उल्लेखनीय गिरावट का जिक्र किया और कहा कि इसमें 47 प्रतिशत की कमी हुई है। अगले वित्त वर्ष के लिए राज्य का प्रस्तावित बजट 2,78,725.72 करोड़ रुपए है, जो चालू वित्त वर्ष की तुलना में 16,840 करोड़ रुपए अधिक है। सरकार सड़कों के निर्माण और रखरखाव के लिए 15,235 करोड़ रुपए, स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 14,932 करोड़ रुपए, ग्रामीण विकास के लिए 14,296 करोड़ रुपए, कई कल्याणकारी योजनाओं के लिए 12,377 करोड़ रुपए, शहरी विकास के लिए 11,298 करोड़ रुपए खर्च करेगी। कुल व्यय में एक लाख करोड़ रुपए वार्षिक योजना परिव्यय के लिए निर्धारित किए गए हैं, जिसका सबसे बड़ा हिस्सा (22.20 प्रतिशत) शिक्षा विभाग के लिए आरक्षित है।

इंदौर में 40 वर्षीय महिला ने भीख मांगकर 45 दिन में कमाए 2.5 लाख , विवाद के बाद गिरफ्तार

भाषा। इंदौर (मध्यप्रदेश)

इंदौर में एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) का दावा है कि 40 वर्षीय महिला ने महज 45 दिन में भीख मांगकर ढाई लाख रुपए कमाए हैं और वह अपनी आठ वर्षीय बेटी समेत तीन नाबालिग संतानों को भी भिक्षावृत्ति में धकेल चुकी है। प्रशासन के साथ मिलकर इंदौर को भिक्षुकमुक्त शहर बनाने की दिशा में काम करने वाले संगठन प्रवेश की अध्यक्ष रूपाली जैन ने मंगलवार को पीटीआई-भाषा को बताया, हमने इंदौर-उज्जैन रोड के लव-कुश चौराहे पर इंद्रा बाई (40) को हाल में भीख मांगते पकड़ा। हमें उसके पास से 19,200 रुपए की नकदी मिली। जैन के मुताबिक, इंद्रा ने उन्हें बताया कि उसने पिछले 45 दिन में भीख मांगकर ढाई लाख रुपए कमाए जिनमें से एक लाख रुपए उसने अपने सास-ससुर को भेज दिए, 50,000 रुपए बैंक खाते में जमा किए और 50,000 रुपए सावधि जमा योजना (एफडी) में निवेश किए। उन्होंने दावा किया कि इंदौर में पेशेवर तौर पर भीख मांगने वाले 150 लोगों के समूह में शामिल महिला के परिवार की राजस्थान में जमीन और दो मंजिला मकान भी है। जैन ने कहा, इंद्रा के नाम से उसके पति ने मोटरसाइकिल खरीदी है। भीख मांगने के बाद वह और उसका पति इसी मोटरसाइकिल पर बैठकर शहर में घूमते हैं। गैर सरकारी संगठन की प्रमुख के मुताबिक, महिला का कहना है कि उज्जैन में महाकाल लोक गलियारा बनने के बाद भिक्षावृत्ति से उसके परिवार की कमाई बढ़ गई है क्योंकि इस धार्मिक नगरी की ओर जाने वाले ज्यादातर श्रद्धालुओं की गाड़ियां इंदौर के लव-कुश चौराहे के यातायात सिग्नल पर रुकती हैं। जैन ने कहा कि इंद्रा बाई के पांच बच्चों में से दो बच्चे राजस्थान में हैं और वह तीन बच्चों के साथ इंदौर में भीख मांग रही थी।

देशभर में कोविड से हुई चार की मौत

नई दिल्ली। भारत में कोविड के 123 नए मामले सामने आए हैं जबकि संक्रमित मरीजों की संख्या 876 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को यह जानकारी दी। सुबह आठ बजे जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, 24 घंटे की अवधि में वायरस से चार मरीजों की मौत के मामले सामने आए हैं, जिसमें दो मौतें दिल्ली और एक-एक गुजरात और महाराष्ट्र में हुई हैं। पिछले साल पांच दिसंबर तक कोविड-19 के दैनिक मामलों की संख्या दोहरे अंकों तक सिमट गई थी, लेकिन कोरोना वायरस के नए स्वरूप और ठंड की वजह से संक्रमण के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पांच दिसंबर के बाद एक दिन में सर्वाधिक 841 मामले 31 दिसंबर को सामने आए थे जो मई 2021 में आए मामलों का 0.2 प्रतिशत थे। देश में कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरुप के कारण अप्रैल-जून 2021 में महामारी की स्थिति बेहद भयावह हो गई थी और उस दौरान सात मई 2021 को देश में एक दिन में संक्रमण के 4,14,188 नए मामले सामने आए थे और 3,915 मौतें हुई थीं। देश भर में 2020 की शुरुआत से अब तक लगभग चार वर्ष में कोविड से करीब साढ़े चार करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा इससे 5.3 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है।

आध्यात्मिक पथ के अनुसरण के दौरान आधुनिक विकास को अपनाने की आवश्यकता: राष्ट्रपति मुर्मू

भाषा। वलसाड

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि यदि हम अपने मूल स्वभाव की ओर जाएं, तो आज विश्व में व्याप्त अनेक समस्याओं के समाधान प्राप्त किया जा सकता है और आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलते हुए आधुनिक विकास को अपनाया जाना चाहिए। गुजरात के वलसाड जिले में जैन धर्म से जुड़े आध्यात्मिक केंद्र श्रीमद राजचंद्र मिशन धरमपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि आज ज्यादातर लोग भौतिक सुख और संपत्ति पाने की ऐसी दौड़ में लगे हैं जिसका कोई सुखद अंत नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, वे भूल गए हैं कि उन्हें जीवन में वास्तव में क्या चाहिए। हम अपनी आध्यात्मिक संपदा को धीरे-धीरे विस्मृत करते जा रहे हैं। हमें स्मरण रखना चाहिए कि धनोपार्जन के साथ-साथ मानसिक शांति, समभाव, संयम और सदाचार भी अत्यन्त आवश्यक है। राष्ट्रपति ने कहा, यदि हम अपने मूल स्वभाव की ओर जाएं, तो आज विश्व में व्याप्त अनेक समस्याओं के समाधान प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन, इसका यह तात्पर्य नहीं है कि हम आधुनिक विकास को त्याग दें। इसका अर्थ है कि हम आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलते हुए आधुनिक विकास को अपनाएं। उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया को सिखाया है कि एक व्यक्ति को दूसरे से अलग करना संकीर्णता का प्रतीक है। मुर्मू ने कहा, उदार जीवन जीने वाले लोगों के लिए पूरी दुनिया एक परिवार है। सत्य, अहिंसा, तपस्या और उपवास देश के हर हिस्से में व्याप्त है।

पंजाब के एक किसान ने 46,000 डॉलर के मोटे अनाज ऑस्ट्रेलिया को भेजे

नई दिल्ली। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने पंजाब के एक किसान को 14.3 टन मोटा अनाज और उससे निर्मित उत्पादों को ऑस्ट्रेलिया में निर्यात करने की सुविधा दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि 45,803 अमेरिकी डॉलर मूल्य के इस निर्यात में कोदो, जौ, बाजरा और सांवा जैसे मोटे अनाज शामिल हैं। बयान के मुताबिक, संगरूर के किसान दिलप्रीत सिंह ने 14.3 टन मोटे अनाजों की अपनी पहली निर्यात खेप भेजी है जिसके उत्पादों का मूल्य 45,803 अमेरिकी डॉलर है।

सुरक्षा परिषद में यूक्रेन पर हमले को लेकर भिड़े रूस व पश्चिमी देश

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

रूस ने सोमवार को पश्चिमी देशों पर उन समझौतों को तोड़ने का आरोप लगाया जो यूक्रेन में युद्ध को रोक सकते थे जबकि अमेरिका और उसके सहयोगियों ने सीधे तौर पर मास्को पर दोष मढ़ते हुए कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने छोटे पड़ोसी देश पर आक्रमण का आदेश दिया था। यूक्रेन पर 24 फरवरी 2022 को किए आक्रमण की दूसरी वर्षगांठ से कुछ दिन पहले संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वैसिली नेबेंजिया ने एक बार फिर युद्ध की वजह 2015 के मिन्स्क समझौते को लागू करने में विफलता बताई, जिसके लिए उन्होंने पश्चिम देशों द्वारा समर्थित यूक्रेन की गतिविधियों को जिम्मेदार ठहराया। इस समझौते का उद्देश्य यूक्रेन और रूस समर्थित अलगाववादियों के बीच संघर्ष को खत्म करना था जो अप्रैल 2014 में क्रीमिया पर रूस के कब्जे और अधिकांश रूसी भाषी औद्योगिक डोनबास क्षेत्र में अलगाववादियों को दिए उसके समर्थन के बाद से पैदा हुआ। रूस ने फ्रांस और जर्मनी की मध्यस्थता में मिन्स्क शांति समझौते पर हस्ताक्षर की सातवीं वर्षगांठ पर सोमवार को सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई। बैठक में नेबेंजिया ने समझौते को लागू करने से रूस द्वारा इनकार किए जाने के यूक्रेन तथा पश्चिम देशों के दावों को पूरी तरह निराधार बताया।

दक्षिण अफ्रीका ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में अपील की

काहिरा। दक्षिण अफ्रीका ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय से इस बात पर विचार करने के लिए एक तत्काल अनुरोध दर्ज कराया है कि क्या गाजा पट्टी में रफाह शहर को निशाना बनाकर किया जाने वाला इजराइल का सैन्य अभियान अदालत द्वारा पिछले महीने नरसंहार मामले में दिए गए आदेशों का उल्लंघन है या नहीं। दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। दक्षिण अफ्रीका ने कहा कि इसने अदालत से इस बात पर विचार करने के लिए कहा है कि क्या इजराइल का यह संकेत कि वह रफाह मे जमीनी हमले शुरू करेगा, गाजा में फलस्तीनियों के अधिकारों के आसन्न उल्लंघन को दर्शाता है।

गंगा-यमुना के पवित्र जल, राजस्थान के गुलाबी बलुआ पत्थर से बना है अबू धाबी का पहला हिंदू मंदिर

भाषा। अबू धाबी

गंगा और यमुना का पवित्र जल, राजस्थान का गुलाबी बलुआ पत्थर, भारत से पत्थरों को लाने में इस्तेमाल किए लकड़ी के बक्सों से बना फर्नीचर- अबू धाबी का पहला हिंदू मंदिर देश के विभिन्न हिस्सों के योगदान से बना वास्तुकला का एक चमत्कार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को इस मंदिर का उद्घाटन करेंगे। मंदिर के दोनों ओर गंगा और यमुना का पवित्र जल बह रहा है जिसे बड़े-बड़े कंटेनर में भारत से लाया गया है। मंदिर प्राधिकारियों के अनुसार, जिस ओर गंगा का जल बहता है वहां पर एक घाट के आकार का एम्फीथिएटर बनाया गया है। इस ऐतिहासिक मंदिर के प्रमुख स्वयंसेवी विशाल पटेल ने कहा, इसके पीछे का विचार इसे वाराणसी के घाट की तरह दिखाना है जहां लोग बैठ सकें, ध्यान लगा सकें और उनके जहन में भारत में बने घाटों की यादें ताजा हो जाएं। जब पर्यटक अंदर आएंगे तो उन्हें जल की दो धाराएं दिखेंगी जो सांकेतिक रूप से भारत में गंगा और यमुना नदियों को दर्शाती हैं। त्रिवेणी संगम बनाने के लिए मंदिर की संरचना से रोशनी की किरण आएगी जो सरस्वती नदी को दर्शाएगी। दुबई-अबू धाबी शेख जायद हाइवे पर अल रहबा के समीप स्थित बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा निर्मित हिंदू मंदिर करीब 27 एकड़ जमीन पर बनाया गया है। मंदिर के अग्रभाग पर बलुआ पत्थर पर उत्कृष्ट संगमरमर की नक्काशी है, जिसे राजस्थान और गुजरात के कुशल कारीगरों द्वारा 25,000 से अधिक पत्थर के टुकड़ों से तैयार किया गया है।

शहबाज ने नवाज के रिकॉर्ड चौथी बार प्रधानमंत्री बनने की पुष्टि की

भाषा। लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को एक बार फिर पुष्टि की कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के प्रमुख नवाज शरीफ रिकॉर्ड चौथी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। शहबाज ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैंने कहा था कि नवाज शरीफ चौथी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। और मैं आज भी इस बात पर कायम हूं कि वह चौथी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या अब वह खुद इस शीर्ष पद के लिए पसंदीदा नेता नहीं हैं, तो उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री पद के लिए मेरे उम्मीदवार नवाज शरीफ हैं। नवाज शरीफ ने पहली बार 1990 में सत्ता संभाली थी, लेकिन तीन साल बाद भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण उन्हें सत्ता से बाहर होना पड़ा था। भ्रष्टाचार के आरोपों की वजह से उनका राजनीतिक करियर बहुत प्रभावित हुआ। वह 1997 में दूसरी बार सत्ता में आए और 1999 में उस वक्त तक प्रधानमंत्री पद पर रहे जब सेना प्रमुख परवेज मुशर्फ को पद से हटाने की साजिश के बाद सैन्य तख्तापलट में उन्हें अपदस्थ कर दिया गया। एक दशक से अधिक समय के बाद उन्होंने 2013 में सत्ता में वापसी की। हालांकि, उन पर भ्रष्टाचार के नए आरोप लगे और विदेशों में कंपनियां रखने के मामले में उनके बच्चों के नाम 2016 के पनामा पेपर्स लीक में सामने आए। बाद में उन्हें भ्रष्टाचार के अलग-अलग आरोपों में दोषी ठहराया गया।

इमरान खान ने पीएमएल-एन, पीपीपी के साथ गठबंधन से इंकार किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को देश में किसी भी मुख्य राजनीतिक दल के साथ गठबंधन की सरकार बनाने के विचार को खारिज कर दिया और दावा किया कि काले धन को सफेद बनाने के काम मे बड़े पैमाने पर लगे लोगों को सत्ता मे लाने के प्रयास किए जा रहे है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक खान(71) ने रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में संवाददाताओं से बात की। खान और उनकी पार्टी के कई सहयोगी कई मामलो मे दोषसिद्धि को लेकर कई महीनो से जेल मे बंद है। पाकिस्तान मे आठ फरवरी को हुए चुनाव मे निर्दलीय उम्मीदवारो ने 266 सदस्ईय असेंबली मे 101 सीटे जीती जिसमे से अधिकतर पीटीआई द्वारा समर्थित उम्मीदवार थे। अन्य पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने 75 सीटे जीती और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने 54 सीटो पर जीत हासिल की। देश मे गठबंधन सरकार अपरिहार्य प्रतीत होती है क्योंकि नेशनल असेंबली मे किसी भी एक पार्टी को बहुमत नही मिला है। पाकिस्तान मे त्रिशंकु संसद की स्थिति बन सकती है। शरीफ की पीएमएल-एन और पीपीपी के बीच दो दिनो से बातचीत चल रही है।

बिलावल भुट्टो प्रधानमंत्री पद की दौड़ से हटे, सरकार में शामिल हुए बिना पीएमएल-एन का करेंगे समर्थन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी मंगलवार को प्रधानमंत्री पद की दौड़ से हट गए और कहा कि उनकी पार्टी सरकार का हिस्सा बने बिना प्रधानमंत्री पद के लिए पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के उम्मीदवार का समर्थन करेगी। बिलावल का फैसला पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा मंगलवार को यह दोहराए जाने के कुछ घंटो बाद आया कि पीएमएल-एन के प्रमुख नवाज शरीफ रिकॉर्ड चौथी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। बिलावल ने अपनी अध्यक्षता में हुई पीपीपी की उच्चाधिकार प्राप्त केंद्रीय कार्यकारी समिति की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी पार्टी केंद्र मे सरकार बनाने के लिए जनादेश प्राप्त करने मे विफल रही। बिलावल ने कहा, इस वजह से मै खुद को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद की दौड़ के लिए आगे नही रखूंगा।

इमरान खान के बिना कोई सरकार नही बन सकती : पीटीआई नेता लतीफ खोसा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेता लतीफ खोसा ने गठबंधन सरकार के गठन के लिए प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलो मे वार्ता के बीच मंगलवार को कहा कि जेल मे बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बिना कोई लोकतंत्र स्थापित नही हो सकता और पाकिस्तान मे कोई सरकार नही बन सकती। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के बीच सत्ता बंटवारे के फॉर्मूले पर बातचीत किए जाने की खबरो पर हैरानी जताते हुए खोसा ने इसे मजाक करार दिया कि विरोधी राजनीति दल इस तरह का प्रस्ताव रख रहे है।

पाक : चुनाव नतीजों को चुनौती देने वाली पीटीआई समर्थित उम्मीदवारों की 30 से अधिक याचिकाएं खारिज

लाहौर। पाकिस्तान की एक अदालत ने मंगलवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारो द्वारा दायर उन 30 से अधिक याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनकी बेटी मरियम नवाज सहित शीर्ष पीएमएल-एन नेताओं की दिखावटी जीत को चुनौती दी थी। लाहौर उच्च न्यायालय ने याचिकाओं को खारिज करते हुए पराजित पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी समर्थित उम्मीदवारो को आठ फरवरी को हुए आम चुनाव में वोटों में कथित धांधली सहित अपनी शिकायतों के निवारण के लिए पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) के पास जाने के लिए कहा।

ओमनी साइंस कैपिटल वैश्विक बाजार में

ग्लोबाल। वैश्विक और भारतीय इक्विटी निवेश में विशेषज्ञता वाली अग्रणी वैश्विक निवेश प्रबंधन फर्म ओमनीसाइंस कैपिटल ने अपनी क्रांतिकारी निवेश रणनीति ओमनी अयोध्या यूपी उत्तर प्रदेश रणनीति के लॉन्च की घोषणा की है। लोकप्रिय स्मॉलकेस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध यह अग्रणी निवेश पहलए अयोध्या और व्यापक उत्तर प्रदेश क्षेत्र के विकास के साथ जुड़े विविध क्षेत्रों की क्षमता का लाभ उठाने के लिए हैए जो इस सबसे तेज गति से उभरते हुए राज्य को ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने में मदद करेगी। 22 जनवरी 2024 को अनावरण की गई रणनीतिए ओमनीसाइंस कैपिटल के 7वें स्थापना दिवस के अवसर परए 1 फरवरीए 2024 से निवेशकों के लिए उपलब्ध है। ओमनीसाइंस कैपिटल के सीईओ और मुख्य निवेश रणनीतिकार डा. विकास गुप्ता ने इस नए ग्रोथ वेक्टर के बारे में उत्साह व्यक्त किया और उन्होंने कहा यह ओमनीसाइंस की एक और अग्रणी रणनीति है जिसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश में नियोजित घातीय आर्थिक विकास को उत्प्रेरित करना है।

ट्रंप ने न्यायालय से चुनाव हस्तक्षेप मुकदमा स्थगित करने को कहा

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि उन्हे 2020 के चुनाव मे हार को पलटने की साजिश रचने संबंधी आरोप मे अभियोजन से छूट प्राप्त है और इसलिए उन पर चल रहे चुनाव हस्तक्षेप मुकदमे को स्थगित किया जाना चाहिए। उनके वकीलों ने सोमवार को अदालत मे एक आपातकालीन अपील दायर की। इससे चार दिन पहले न्यायाधीशो ने इस बार के राष्ट्रपति चुनाव से उन्हे बाहर करने के प्रयासो से संबंधित मुकदमे मे सुनवाई की थी। ट्रंप के वकीलो को संघीय अदालतो मे अपनी अपील को लेकर अभी तक कोई सफलता नही मिली है। मामले मे उच्चतम न्यायालय का फैसला यह तय कर सकता है कि प्राइमरी चुनाव मे राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए रिपब्लिकन पार्टी मे सबसे आगे रहे ट्रंप के खिलाफ संबंधित अभियोजन को आगे बढ़ाया जा सकता है या नही।

राष्ट्रपति अल्वी संभवतः नए प्रधानमंत्री को शपथ नहीं दिला पाएं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी शायद देश के नए प्रधानमंत्री को शपथ नही दिला पाएंगे क्योंकि उनके उत्तराधिकारी का चुनाव अगली संघीय सरकार के गठन से पहले हो जाएगा। मंगलवार को एक खबर मे यह दावा किया गया। द न्यूज इंटरनेशनल ने खबर प्रकाशित की कि नव निर्वाचित नेशनल असेंबली के सदस्यो का शपथ ग्रहण समारोह सदन का उद्घाटन सत्र बुलाने की समय सीमा से तीन दिन पहले 26 फरवरी को हो सकता है। दोनो सदनो के लिए निर्वाचित हुए सदस्य यदि नेशनल असेंबली मे शपथ लेंगे तो प्रांतीय विधानसभा के सदस्य नही रहेंगे।

महाराजा चार्ल्स तृतीय कैंसर के उपचार के लिए लंदन लौटे

लंदन। ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय कैंसर का पता लगने के बाद आगे के इलाज के लिए मंगलवार को सैंड्रिंघम से लंदन लौट आए। चार्ल्स (75) और उनकी पत्नी महारानी कैमिला ने पूर्वी इंग्लैंड के नॉरफॉक में शाही परिवार के सैंड्रिंघम एस्टेट से बकिंघम पैलेस के लिए हेलीकॉप्टर से उड़ान भरी। जब शाही जोड़ा महल से पास के क्लेरेंस हाउस जा रहा था तो महाराजा को शुभचिंतकों की तरफ हाथ हिलाते देखा गया। शाही परिवार के अधिकारियों ने पिछले सप्ताह बताया था कि महाराजा को कैंसर हो गया है और वह सार्वजनिक कार्यक्रमों को स्थगित करेंगे, हालांकि वह कागजात पर हस्ताक्षर करने जैसे राष्ट्र के काम जारी रखेंगे। अधिकारियों ने यह खुलासा नहीं किया कि महाराजा को किस प्रकार का कैंसर है, लेकिन कहा कि इसका प्रोस्टेट संबंधी उनके हालिया उपचार से कोई लेना-देना नहीं है। महाराजा ने पिछले सप्ताह कैंसर का उपचार शुरू करवाया था।

इजराइल और हमास युद्ध विराम, बंधक रिहाई पर वार्ता में प्रगति कर रहे : अधिकारी

भाषा। काहिरा

इजराइल और हमास एक समझौते की दिशा में प्रगति कर रहे हैं जिसका लक्ष्य गाजा पट्टी में युद्धविराम और बंधकों को मुक्त कराना है। इस समझौते से जुड़े दो अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मिस्र की राजधानी में संबंधित पक्षों की मंगलवार को बैठकें हुईं। मिस्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कतर, अमेरिका और इजराइल के प्रतिनिधियों की मंगलवार को काहिरा में एक निर्धारित बैठक से पहले मध्यस्थों ने इजराइल और हमास के बीच वार्ता में अपेक्षाकृत महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने कहा कि बैठक छह सप्ताह के युद्ध विराम समझौते के अंतिम मसौदे को तैयार करने पर केंद्रित होगी, जिसमें गारंटी दी जाएगी कि संबंधित पक्ष स्थाई संघर्ष विराम की दिशा में बातचीत जारी रखेंगे। मिस्र की राजधानी में मौजूद एक पश्चिमी राजनयिक ने भी कहा कि छह सप्ताह के समझौता पर प्रगति हो सकती है, लेकिन आगाह किया कि किसी समझौते पर पहुंचने के लिए अभी और काम करने की जरूरत है। युद्ध तेज होने के साथ, कतर, अमेरिका और मिस्र की मध्यस्थता से समझौता कराने के प्रयास हमास और इजराइल के बिल्कुल असमान रुख के कारण बाधित हो गए हैं। इस समझौते से गाजा में लोगों को युद्ध से राहत मिलेगी और गाजा में बंदी बनाकर रखे गए 100 लोगों में से कम से कम कुछ को आजादी मिलेगी। इजराइल ने हमास की शासन और सैन्य क्षमताओं को नष्ट करने और बंधकों को मुक्त कराने को अपने युद्ध का मुख्य लक्ष्य बनाया है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, युद्ध ने गाजा पट्टी में अकल्पनीय विनाश किया है, जिसमें 28,000 से अधिक लोग मारे गए। मृतकों में से 70 प्रतिशत से अधिक महिलाएं और नाबालिग थे। अंतराष्ट्रीय न्यायालय में इजराइल के खिलाफ नरसंहार के आरोप लगाने वाले दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को कहा कि उसने अदालत में इस बात पर विचार करने के लिए तत्काल अनुरोध किया है कि क्या राफा में इजराइल के सैन्य अभियान से आदेशों का उल्लंघन हुआ है।

अमेरिकी ने यूक्रेन, इजराइल और ताइवान को 95 अरब डॉलर का पैकेज पारित किया

वाशिंगटन। कई महीनों की कठिन बातचीत के बाद और विदेशों में अमेरिका की भूमिका पर रिपब्लिकन पार्टी में बढ़ते राजनीतिक विभाजन के बीच सीनेट ने मंगलवार को यूक्रेन, इज़राइल और ताइवान के लिए 95.3 अरब अमेरिकी डॉलर का सहायता पैकेज पारित कर दिया। यूक्रेन के लिए 60 अरब अमेरिकी डॉलर के पैकेज पर मतदान रिपब्लिकन पार्टी के एक छोटे समूह द्वारा सीनेट में विरोध किए जाने के बाद हुआ। बहस के अंतिम घंटों में विरोध करने वालों ने कहा कि अमेरिका को विदेशों में अधिक धन भेजने से पहले अपनी समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन एक दर्जन से अधिक रिपब्लिकन ने पैकेज को पारित करने के लिए लगभग सभी डेमोक्रेट सांसदों के साथ मतदान किया। समर्थकों ने तर्क दिया कि यूक्रेन को बीच में छोड़ने से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बढ़ावा मिल सकता है और इससे दुनिया भर में राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

अमेरिका: वैलेंटाइन दिवस के अवसर पर मियामी हवाईअड्डे से होकर गुजरते हैं करीब 18,000 टन फूल

भाषा। मियामी

वैलेंटाइन डे को हवाई यात्रा के लिए व्यस्त समय के रूप में नहीं जाना जाता लेकिन मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए यह एक व्यस्त समय है जहां इस अवसर पर दक्षिण अमेरिका से हजारों टन ताजे फूल पहुंचते हैं। यूएस सीमा शुल्क एवं सीमा गश्त विभाग के अनुसार, अमेरिका में वैलेंटाइन डे पर बिकने वाले लगभग 90 प्रतिशत गुलाब और अन्य फूल मियामी से होकर आते हैं। पूरे अमेरिका और कनाडा में फूल विक्रेताओं के पास और बाजारों में पहुंचने से पहले यह फूल सैकड़ों उड़ानों के जरिए मियामी पहुंचते हैं। लगभग 18,000 टन फूल मियामी से होकर गुजरते हैं। एविएंका कार्गो के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डिओगो इलियास ने सोमवार को मियामी में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, इस सीजन में हमने इक्वाडोर और कोलंबिया से लगभग 46 करोड़ फूल पहुंचाए। एविएंका ने एक बयान में कहा कि एयरलाइन द्वारा इस सीजन में सबसे अधिक निर्यात किए गए फूलों में बोगोटा के गुलाब तथा गुलाबी गुड़हल, मेडेलिन से पोम्पोन, हाइड्रेंजस तथा गुलदाउदी और क्विटो से गुलाब, गुलाबी गुड़हल एवं जिप्सोफिला आदि थे। इलियास ने कहा कि वास्तव में वैलेंटाइन सीजन जनवरी के मध्य में शुरू होता है और इसका समापन बुधवार को होगा। इस तीन सप्ताह की अवधि के दौरान लगभग 300 उड़ानों से फूल मियामी पहुंचे। यूएस सीमा शुल्क एवं सीमा गश्त विभाग के कृषि विशेषज्ञ इसी अवधि के दौरान हवाई अड्डे पर संभावित हानिकारक पौधे, कीट और विदेशी पशु रोग को देश में प्रवेश करने से रोकने के लिए फूलों की जांच करते हैं। हवाई अड्डे के पोर्ट निदेशक डैनी अलोंसो ने कहा कि विशेषज्ञों का काम यह सुनिश्चित करना है।

वैलेंटाइन डे को बनाएं सेहतमंद

प्यार का त्योहार दस्तक दे चुका है, आइए इस वैलेंटाइन डे पर एक अलग तरीका अपनाएं। अपने किसी स्पेशल के लिए ऐसे ही कुछ हेल्दी लेकिन अनूठे तोहफों में से एक हो सकता है चुनिंदा बादाम का एक बॉक्स। अच्छे व क्रंची स्वाद तथा कई तरह के सेहतमंद फायदों के बारे में मशहूर बादाम एक समझदारी भरा और पौष्टिकता से भरपूर व्यवहार साबित हो सकता है। अपने भोजन में बादाम को शामिल करने से आप स्वादिष्ट स्नैक के रूप में इसका मजा ले सकते हैं, वहीं कई सारे पौष्टिक तत्वों की भी पूर्ति करता है, जिससे आपकी सेहत पर कई प्रकार से अच्छा प्रभाव पड़ता है। प्यार के इस मौसम और रोजमर्रा के भोजन में बादाम को शामिल करने के महत्व के बारे में बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान कहती हैं, मेरे लिए वैलेंटाइन डे, प्यार का इजहार करने से अलग चीज है, यह अपनों की सेहत का ख्याल रखने के बारे में है। हम अपने खाने में नियमित रूप से बादाम को शामिल करते हैं। सबसे दिलचस्प बात है कि मेरी बेटी को जब भी थोड़ी भूख लगती है वह कुछ भी अनहेल्दी खाने की बजाय स्नैक में बादाम लेती है। जिंक, प्रोटीन, विटामिन ई और अन्य 15 पोषक तत्वों से युक्त बादाम अपने कई सारे सेहतमंद फायदों के साथए एक समझदारी भरा और पोषण से भरपूर गिफ्ट है। रोजाना के भोजन में मुट्ठीभर बादाम को शामिल करने के महत्व के बारे म रितिका समद्दर, रीजनल हेड डायटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयरए दिल्ली का कहना हैए श्मैं अपने क्लाइंट को नियमित आहार में मुट्ठीभर बादाम शामिल करने की सलाह देती हूं। यह सलाह इस तथ्य पर आधारित है कि बादाम में प्रोटीन और डाइटरी फाइबर समेत 15 आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। एक अध्ययन के मुताबिक बादाम को अपने रोजमर्रा के भोजन में शामिल करने सेए इसमें कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों के ब्लड शुगर पर प्रभाव को कम करने की क्षमता होती है। यास्मीन कराचीवाला फिटनेस एवं सेलिब्रिटी इंस्ट्रक्टर कहती हैं कि बादाम में हेल्दी फैट्स होते हैं, जिसका ऊर्जा के स्तर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

सैकड़ों यहूदियों के बारे में जानकारी प्रकाशित होने पर ऑस्ट्रेलिया डॉक्सिंग पर प्रतिबंध लगाएगा

मेलबर्न। फलस्तीन समर्थक कार्यकर्ताओं द्वारा ऑस्ट्रेलिया में सैकड़ों यहूदी लोगों का व्यक्तिगत विवरण प्रकाशित किए जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह डॉक्सिंग को गैरकानूनी घोषित करेगी। डॉक्सिंग का मतलब विषय संबंधी अनुमति के बिना दुर्भावनापूर्ण तरीके से व्यक्तिगत या पहचान उजागर होने संबंधी जानकारी को ऑनलाइन जारी करने से है। अटॉर्नी-जनरल मार्क ड्रेफस ने कहा कि प्रस्तावित कानून में इस तरह की चीजों के लिए सोशल मीडिया मंचों पर जुर्माना लगाने जैसे प्रावधान शामिल होंगे। सरकार ने नाइन एंटरटेनमेंट की इस खबर के बाद प्रतिक्रिया दी कि फलस्तीन समर्थक कार्यकर्ताओं ने शैक्षणिक और रचनात्मक उद्योगों में काम करने वाले यहूदी लोगों के नाम, चित्र, पेशे और सोशल मीडिया अकाउंट के बारे में जानकारी प्रकाशित की थी।

क्विक न्यूज

टाइटैनिक की रिलीज के बाद मिली लोकप्रियता बहुत खराब थी :केट विंसलेट

लंदन। ऑस्कर विजेता केट विंसलेट का कहना है कि टाइटैनिक फिल्म की वैश्विक सफलता के बाद उन्होंने छोटी फिल्मों में काम करने का निर्णय इसलिए लिया था क्योंकि मशहूर होने के बाद उनका जीवन काफी अप्रिय हो गया था। अभिनेत्री विंसलेट(48) को 1997 में जेम्स कैमरून की रोमांटिक ट्रेजडी के रिलीज होने के बाद खुद पर मीडिया के दबाव और उनकी फिगर को लेकर हुई चर्चाओं से निपटने में काफी मुश्किलें आई थी। अभिनेत्री ने पोर्टर मैगजीन से कहा, मुझे ऐसा महसूस होने लगा था कि जैसे मुझे स्वयं को एक खास तरीके से ही पेश करना है और उस समय मीडिया का दखल बहुत महत्वपूर्ण था जिससे मुझे जीवन काफी अप्रिय लगने लगा था। उन्होंने कहा, पत्रकार हमेशा सवाल करते थे कि टाइटैनिक के बाद आप कुछ भी कर सकती थीं लेकिन आपने यह छोटी-छोटी चीजें करना क्यों चुना। हां, आप कुछ भी दांव पर लगा सकते है और मैंने भी ऐसा ही किया लेकिन मशहूर होना भयानक था। विंसलेट ने कहा कि अप्रिय पहलुओं के बावजूद यह कोई बोझ नहीं है। यह पहली बार नहीं है कि अभिनेत्री ने टाइटैनिक के बाद अपनी लोकप्रियता के बारे में बात की है। इस फिल्म में लियोनार्डो डिकैप्रियो भी थे। उन्होंने 2021 में भी टाइटैनिक की सफलता से जीवन में आए बदलावों पर बयान दिया था क्योंकि उन्हें लगता था कि ब्रिटिश मीडिया ने उन्हें परेशान किया था।

न्यूयॉर्क में एक सबवे स्टेशन पर गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत, पांच घायल

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क सिटी के एक सबवे स्टेशन पर सोमवार को किशोरो के दो समूहो के बीच विवाद के बाद गोलीबारी मे एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा पांच अन्य घायल हो गए। प्राधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी शाम करीब साढ़े चार बजे ब्रॉन्क्स मे एक प्लेटफॉर्म पर हुई जब शहर के सभी स्टेशन पर स्कूल से आ रहे बच्चो की भीड़ होती है। पुलिस ने बताया कि घटना मे 34 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। घायलो मे 14 साल की लड़की और 15 साल का लड़का तथा 28, 29 और 71 साल के तीन व्यक्ति शामिल है। ऐसी जानकारी है कि कुछ पीड़ित विवाद मे शामिल थे और अन्य लोग ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। घायलो मे से चार को गंभीर चोटे आई है। न्यूयॉर्क सिटी पुलिस विभाग के ट्रांजिट प्रमुख माइकल केम्पर ने एक संवाददाता सम्मेलन मे बताया, आज हुई घटना एक ट्रेन मे दो समूहो के बीच हुए झगड़े का नतीजा है। उन्होने बताया कि जब ट्रेन स्टेशन पर रुकी तो गोलीबारी शुरू हो गई। केम्पर ने बताया, दरवाजे खुले और समूह मे शामिल कम से कम एक व्यक्ति ने बंदूक निकाली और गोलियां चलाई। लोग ट्रेन से उतरकर प्लेटफॉर्म की ओर भागने लगे तथा प्लेटफॉर्म पर और गोलियां चलाई गई। घटनास्थल से फरार हुए कम से कम एक हमलावर की तलाश की जा रही है।

लॉजिकल करेगा रिलेशनशिप की खोज

अमेज़न। अमेज़न मिनी टीवी अपने विश्व के दर्शकों के लिए एक नई रोमांटिक कॉमेडी दिल लॉजिकल के साथ हाजिर है, जिसमें नए ज़माने के प्यार और दोस्ती की झलक दिखाई देती है। अमेज़न मिनी टीवी ने आज मनोरंजन से भरे ट्रेलर के साथ इस सीरीज की घोषणा कीए जिसे एर्रे स्टूडियो ने क्रिएट किया है और इसमें अंशुमन मल्होत्रा, नूपुर नागपाल, प्रियांक शर्मा, चेतन धवन और प्रसन्ना बिष्ट ने मुख्य किरदार निभाए हैं। दर्शकों को जज़्बातों के उतार-चढ़ाव के सफ़र पर ले जाने वाली यह सीरीज 14 फरवरी से सिर्फ अमेज़न मिनीटीवी पर मुफ्त में स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। इसका ट्रेलर हमें बचपन के प्रेमी सारांश और जीनल की प्यार भरी ज़िंदगी की झलक दिखाते हुए उनके बीच तेजी से उलझते रिश्ते से रूबरू कराता हैए क्योंकि जीनल के ओपन रिलेशनशिप के प्रस्ताव से सारांश हैरत में पड़ जाता है। जीनल वडोदरा में रहने वाली एक होनहार और आज़ाद ख्यालों वाली लड़की हैए जो अनुमानों के दायरे में बंधी ज़िंदगी से नाता तोड़ना चाहती है। पागलपन भरीए मौज.मस्ती से भरपूर डेस्टिनेशन वेडिंग की पृष्ठभूमि पर आधारित यह कहानी एक ऐसे प्रेमी जोड़े की है, जो अपने जज़्बातों को समझने की कोशिश करते हैं और अपनी राह पर चलते हैं। ट्रेलर बड़े रोमांचक मोड़ पर ख़त्म होता है और दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देता है कि क्या दोनों एक.दूसरे के पास वापस आने का रास्ता ढूंढते हैं या नहीं! अमेज़न मिनी टीवी के कंटेंट हेड अमोघ दुसाद कहते हैं कि अमेज़न मिनीटीवी को बेमिसाल और यादगार मनोरंजन पेश करते हुए बेहद खुशी हो रही है।

पाकिस्तान में चुनाव के बाद की स्थिति पर करीबी नजर रख रहे हैं गुतारेस : प्रवक्ता

संयुक्त राष्ट्र। पाकिस्तान में आम चुनाव के बाद संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस देश मे हालात पर बहुत करीबी नजर रख रहे है और उन्होंने प्राधिकारियों तथा नेताओ से हिसा और ऐसे कदमो से बचने का अनुरोध किया है जो तनाव बढ़ा सकते है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने सोमवार को यहां नियमित संवाददाता सम्मेलन मे ए टिप्पणियां की। दुजारिक ने पाकिस्तान में पिछले सप्ताह हुए चुनाव के नतीजे पर महासचिव की प्रतिक्रिया पर एक सवाल पर कहा, मै आपको बता सकता हूं कि वह पाकिस्तान मे चुनाव पर और फिर बाद की स्थिति पर बहुत बारीकी से नजर रख रहे है। गुतारेस ने सभी मुद्दो और विवादो को स्थापित कानूनी ढांचे के माध्यम से हल करने तथा पाकिस्तान के लोगो के हित मे मानवाधिकारों और कानून के शासन का पूरी तरह से सम्मान करने का आह्वान किया। दुजारिक ने कहा, महासचिव ने प्राधिकारियो और नेताओ से शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने और सभी प्रकार की हिसा और ऐसे कदमो से बचने का अनुरोध किया है जिससे तनाव बढ़ सकता है। पाकिस्तान मे आम चुनाव पिछले सप्ताह हुए लेकिन नतीजो की घोषणा मे असामान्य विलंब हुआ जिससे देशभर मे कई निर्वाचन क्षेत्रो मे मतदान मे धांधली के आरोप लगे है।

भारतीय मूल के दो व्यक्तियों पर वीजा धोखाधड़ी की साजिश के लिए अभियोग लगाया गया

न्यूयॉर्क। भारतीय मूल के दो व्यक्तियो पर फर्जी सशस्त्र डकैती करने और वीजा धोखाधड़ी की साजिश के लिए अभियोग लगाया गया है। रामभाई पटेल (36) और बलविंदर सिंह (39) पर बोस्टन, मैसाच्युसेट्स मे वीजा धोखाधड़ी की साजिश रचने के आरोप मे अभियोग लगाया गया है।रामभाई पटेल को पिछले साल दिसंबर मे सिएटल मे गिरफ्तार कर, मुकदमा लंबित रहने तक हिरासत मे रखा गया था। बलविंदर सिंह को उसी समय यहां क्वींस मे गिरफ्तार किया गया था और दिसंबर 2023 मे प्रारंभिक उपस्थिति के बाद कुछ शर्तों पर रिहा कर दिया गया था।आरोप संबंधी दस्तावेज के अनुसार, मार्च 2023 से पटेल और सिंह तथा उनके साथ साजिश मे शामिल अन्य लोगो ने अमेरिका के मैसाचुसेट्स समेत अन्य हिस्सो मे शराब की कम से कम नौ दुकानो और फास्ट फूड रेस्तरां मे फर्जी सशस्त्र डकैतियो की साजिश रची। आरोप है कि डकैती का दिखावा करने का उद्देश्य यह साबित करना था कि पीड़ित हिंसक अपराध के शिकार है ताकि वे यू गैर-आव्रजन (यू वीजा) के लिए आवेदन कर सकें वीजा धोखाधड़ी की साजिश रचने का आरोप साबित होने पर पांच साल तक की जेल, तीन साल की निगरानी मे रिहाई और 250,000 अमेरिकी डॉलर के जुर्माने का प्रावधान है।

सीसीटीवी बाजार 3.30 बिलियन अमेरिकी डालर से आगे बढ़ेगा

अमेरिकाना। सीसीटीवी एप्लीकेशंस के विकसित होते परिवेश में सिक्योरिटी के लिए पारंपरिक क्षेत्रों के अलावा अन्य विभिन्न सेक्टर्स जैसे रिटेल मैनेजमेंट और परिवहन में भी स्मार्ट वीडियो का महत्व बढ़ा है। यूज़र फ्रेंडली विकल्पों से लेकर आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस -एआई युक्त डिवाईसेज़ तक विभिन्न कैमरों की उपलब्धता के साथ भारत में सीसीटीवी बाजार के तेजी से विस्तार करते हुए 3.30 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2028 तक 8.43 बिलियन डॉलर तक पहुँच जाने की संभावना है। स्मार्ट वीडियो सेटअप के महत्वपूर्ण तत्वों में विशेष स्टोरेज की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। वेस्टर्न डिजिटल द्वारा डब्लूडी पर्पल प्रो स्मार्ट वीडियो एचडीडी 22 टीबी तक की स्टोरेज क्षमता प्रदान करती हैए जो सीसीटीवी सेटअप के लिए अति उत्तम है। इसी प्रकार ऑन.कैमरा स्टोरेज विकल्पए डब्लूडी पर्पल एससी क्यूडी101 अल्ट्रा एंड्योरेंस माईक्रो एसडी कार्ड 1 टीबी तक की स्टोरेज क्षमताएं प्रदान करता है। वेस्टर्न डिजिटल के सीनियर डायरेक्टर सेल्स इंडिया खालिद वानी ने कहा कि डब्लूडी पर्पल पोर्टफोलियो को सीसीटीवी की विकसित होती हुई जरूरतों के अनुरूप बनाया गया है, ताकि 22 टीबी तक के डब्लूडी पर्पल प्रो स्मार्ट वीडियो एचडीडी जैसे उच्च क्षमता के समाधान प्रदान किए जा सकें।

अमेरिका के रक्षा मंत्री ऑस्टिन अस्पताल में भर्ती, नाटो बैठक के लिए ब्रसेल्स नहीं जाएंगे

वाशिंगटन। प्रोस्टेट कैंसर सर्जरी के बाद अन्य स्वास्थ्य समस्याओ के कारण अस्पताल मे भर्ती अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य देशों के मंत्रियो के साथ बैठक के लिए ब्रसेल्स जाने के अपने कार्यक्रम को रद्द कर दिया है। रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने सोमवार को यह जानकारी दी। ऑस्टिन (70) को मूत्राशय संबंधी समस्याओ के कारण रविवार दोपहर को वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर ले जाया गया और गहन चिकित्सा इकाई मे भर्ती कराया गया। इससे पहले दिसंबर मे उनके प्रोस्टेट कैंसर की सर्जरी हुई थी। पेंटागन द्वारा जारी एक बयान मे ऑस्टिन के चिकित्सको ने कहा कि मूत्राशय की समस्या के उपचार के लिए सोमवार को रक्षा मंत्री को सामान्य एनेस्थीसिया के तहत गैर-सर्जिकल प्रक्रियाओ से गुजरना पड़ा।

भारतीय-अमेरिकी कोर्डे ने यूएसएड प्रशासक की सहायक के रूप में शपथ ली

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी सोनाली कोर्डे ने अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए अमेरिकी एजेंसी (यूएसएड) की प्रशासक सामंथा पावर की सहायक के रूप में सोमवार को शपथ ली। पावर ने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कहा, मैंने सोनाली को जानती हूं और मुझे लगता है कि यहां मौजूद कई लोगो का यही कहना होगा कि सोनाली वास्तव मे हम सभी के लिए एक उपहार है। समय के साथ हमे उनके बारे मे बहुत कुछ जानने को मिला है और हम उनके कई गुणो से परिचित हुए है। उन्होने कहा कि भारत से आए कोर्डे के माता-पिता ने उन्हे एक बेहतरीन परवरिश दी है।

जुरेल, सरफराज को मिल सकता है पदार्पण का मौका

● गिल ने वैकल्पिक अभ्यास सत्र में नहीं लिया हिस्सा

भाषा। राजकोट

खिलाड़ियों के चोटिल होने से परेशान भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे मुकाबले में घरेलू दिग्गज सरफराज खान और विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को पदार्पण का मौका दे सकती है। श्रृंखला।-। की बराबरी पर है और तीसरा मैच यहां 15 फरवरी से खेला जाएगा। मैच से पहले टीम के अभ्यास सत्र को देखे तो सरफराज ने स्लिप और गली क्षेत्र में क्षेत्ररक्षण का अभ्यास किया जबकि जुरेल ने विकेटकीपिंग का अभ्यास किया। पिछले मैच की दूसरी पारी में शतक जड़ने वाले शुभमन गिल ने टीम के इस वैकल्पिक अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया। गिल को विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट में क्षेत्ररक्षण के दौरान दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लग गई थी। उन्होंने इंग्लैंड की दूसरी पारी के दौरान क्षेत्ररक्षण नहीं की लेकिन यह भी कहा कि उनकी चोट ज्यादा गंभीर नहीं है। श्रेयस अय्यर के बाहर होने और केएल राहुल के चोट से उबरने में नाकाम रहने से सरफराज के लिए दरवाजे खुल गए हैं, जो पिछले कुछ वर्षों से रणजी ट्रॉफी में सबसे शानदार प्रदर्शन करने वालों में से एक रहे हैं। जुरेल को बेहतर बल्लेबाज होने के तमगे के कारण कोना भरत पर तरजीह मिल सकती है। भरत लगातार सात टेस्ट मैचों में एक भी अर्धशतक बनाने में असफल रहे हैं। रजत पाटीदार, सरफराज और जुरेल चौथे से सातवें क्रम के बीच बल्लेबाजी करेंगे। ऐसे में मध्य क्रम के चार खिलाड़ियों में से तीन (रविंद्र जडेजा को छोड़कर) कुल मिला कर एक टेस्ट के सामूहिक अनुभव के साथ मैच में उतरेंगे। पाटीदार ने विशाखापत्तनम में पदार्पण किया था। भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजरने को तैयार है, ऐसे में इस मैच को टीम के भविष्य की झलक देखने को मिलेगी। टीम के अभ्यास सत्र में पाटीदार और सरफराज दोनों को स्लिप क्षेत्ररक्षण में अभ्यास करते देखा गया। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ यहां पिच का मुआयना करने के बाद लंबे समय तक गुफ्तगू करते हुए दिखे। रोहित इसके बाद क्षेत्ररक्षण अभ्यास के लिए चले गए लेकिन द्रविड़ मैदानकर्मियों से बात करते दिखे। इस मैदान पर पिछले मैच में शतक जड़ने वाले जडेजा ने नेट में बल्लेबाजी अभ्यास करते हुए सबसे ज्यादा समय बिताया। टीम के चारों स्पिनर भारतीय बल्लेबाजों के साथ अभ्यास करते दिखे।

आईपीएल में भागीदारी के लिए रणजी में खेलना अनिवार्य कर सकता है बीसीसीआई

भाषा। मुंबई

झारखंड के विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन का प्रथम श्रेणी क्रिकेट में नहीं खेलना और केवल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) पर ध्यान केंद्रित करने के कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस धनाढ्य टी20 लीग में भागीदारी के लिए रणजी ट्रॉफी के कुछ मैचों में खेलना अनिवार्य कर सकता है। पता चला है कि बीसीसीआई के अधिकारी पहले ही किशन को 16 फरवरी से जमशेदपुर में राजस्थान के खिलाफ होने वाले झारखंड के अंतिम लीग मैच में खेलने का निर्देश दे चुके हैं। किशन यात्रा से जुड़ी थकान के कारण दक्षिण अफ्रीका दौरे के बीच से स्वदेश लौट गए थे और इसके बाद उन्होंने कोई मैच नहीं खेला जो बीसीसीआई के अधिकारियों को नागवार गुजरा। यही नहीं इस बीच उन्हें मुंबई इंडियंस के नवनियुक्त

ईशान मामले पर बवाल

कप्तान हार्दिक पंड्या के साथ बड़ौदा में अभ्यास करते हुए देखा गया जबकि उनकी रणजी टीम झारखंड अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही थी। इस बात पर आम सहमति है कि इसको लेकर कड़ी नीति बनाने की जरूरत है ताकि युवा खिलाड़ी केवल आईपीएल में खेलने को अपनी आदत नहीं बना सकें। बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, बीसीसीआई के नीति निर्धारक इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं की कुछ खिलाड़ी लाल गेंद की क्रिकेट में नहीं खेलना चाहते हैं। अगर वह भारतीय टीम से बाहर हैं तो वह मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट के कुछ मैच में खेलकर उसके बाद प्रथम श्रेणी सत्र के दौरान अपनी राज्य की टीम से नहीं जुड़ते हैं। खिलाड़ियों को ऐसा करने से रोकने के लिए बोर्ड रणजी ट्रॉफी के तीन-चार मैच में खेलना अनिवार्य कर सकता है। अगर खिलाड़ी ऐसा नहीं करता है तो वह आईपीएल में नहीं खेल सकता है और यहां तक कि अगर उनकी फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिलीज कर दिया तो वह आईपीएल नीलामी में भाग नहीं ले सकते हैं। अधिकारी ने कहा, राज्य इकाइयों का मानना है कि बीसीसीआई को इस संबंध में कुछ कड़े नियम बनाने चाहिए ताकि युवा खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी को हेय दृष्टि से ना देखें।

अर्जेंटीना ओपन टेनिस: वावरिंका अंतिम 16 में पहुंचे, सिलिच बाहर हुए

ब्यूनस आयर्स। तीन ग्रैंड स्लैम खिताब के विजेता स्टैन वावरिंका अर्जेंटीना ओपन टेनिस के प्री-क्वार्टर फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त निकोलस जैरी का सामना करेंगे। विश्व रैंकिंग मे 60वें स्थान पर काबिज वावरिंका ने सोमवार को स्थानीय खिलाड़ी पेड्रो कैचिन के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए 6-7, 6-1, 6-2 से जीत दर्ज की। अमेरिका ओपन (2014) के चैंपियन रहे मारिन सिलिक को लास्लो जेरे ने 4-6, 6-3, 6-0 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर किया।

अर्जुन ने 62 का कार्ड खेला, पहले दौर के बाद एकल बढ़त पर

कोलकाता। दिल्ली के गोल्फर अर्जुन प्रसाद ने मंगलवार को यहां एक करोड़ रुपए इनामी पीजीटीआई प्लेयर्स चैंपियनशिप के पहले दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ अंडर 62 का कार्ड खेला। सोमवार को अपना 25वां जन्मदिन मनाने वाले अर्जुन प्रसाद पहले दौर के बाद एकल बढ़त पर हैं। उनके बाद दिल्ली के एक अन्य गोल्फर और मौजूदा चैंपियन सचिन बैसोया (63) का नंबर आता है। वह अर्जुन से एक शॉट पीछे हैं। चेक गणराज्य की स्टीपन दानेक तथा भारत के उदयन माने, करण प्रताप सिंह और मोहम्मद संजू ने 64 का कार्ड खेला। यह चारों खिलाड़ी संयुक्त तीसरे स्थान पर है।

बोपन्ना को नकद पुरस्कार देगी कर्नाटक सरकार

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को रोहन बोपन्ना को ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पुरुष युगल का खिताब जीतने पर बधाई देते हुए इस स्टार टेनिस खिलाड़ी के लिए 50 लाख रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की। बोपन्ना को यहां सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनका परिवार भी उपस्थित था। सिद्धारमैया ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, रोहन बोपन्ना से मिलकर उन्हे ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष युगल का खिताब जीतने पर बधाई दी और उनके लिए 50 लाख रुपए की पुरस्कार राशि की घोषणा की।

ऑस्ट्रेलिया के अधिक उम्र वाले खिलाड़ियों पर थकान हावी थी: वॉन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ हालिया घरेलू टेस्ट श्रृंखला मे ऑस्ट्रेलिया पर थकान हावी दिखी और अगर यही खिलाड़ी अगले साल एशेज श्रृंखला में शामिल रहेंगे तो चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के पास जीत दर्ज करने का शानदार मौका होगा। वॉन ने कहा कि मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई टीम के अधिकांश खिलाड़ी उम्रदराज हैं और विश्व क्रिकेट पर दबदबा बनाए रखने के लिए उन्हे नई प्रतिभा को मौका देने का समय आ गया है। ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही मे वेस्ट इंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचो की श्रृंखला ड्रॉ खेली है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में वेस्टइंडीज का रिकॉर्ड काफी खराब रहा है।

तमीम इकबाल को बीसीबी की केंद्रीय अनुबंध सूची में नहीं मिली जगह

ढाका। पूर्व कप्तान और सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल को बीसीबी (बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड) के वार्षिक केंद्रीय अनुबंध सूची (2024) से बाहर कर दिया गया है, जिससे इस अनुभवी क्रिकेटर के अंतरराष्ट्रीय करियर पर सवालिया निशान लग गया है। तमीम ने पिछले साल जुलाई मे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने उन्हे खेल जारी रखने के लिए कहा जिसके बाद तमीम ने 24 घंटे के अंदर अपना फैसला पलट दिया था।

जीवंत विकेट क्रिकेट के लिए अच्छा : कुलदीप

लेकिन आगे टर्निंग विकेट देखने को मिल सकते है

राजकोट। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने मंगलवार को कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ वर्तमान टेस्ट श्रृंखला के आगामी मैचों में टर्निंग विकेट देखने को मिल सकते हैं लेकिन इसके साथ ही उन्होंने स्वीकार किया कि पहले दो टेस्ट मैचों के लिए तैयार किए गए जीवंत विकेट क्रिकेट के लिए अच्छा है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला अभी।-। से बराबरी पर है। तीसरा टेस्ट मैच गुरुवार से सौराष्ट्र क्रिकेट संघ (एससीए) स्टेडियम में खेला जाएगा। कुलदीप ने मंगलवार को भारतीय टीम के अभ्यास सत्र से पूर्व संवाददाता सम्मेलन में कहा, कुल मिलाकर सभी चीज महत्वपूर्ण हैं। तेज गेंदबाज अपनी भूमिका निभा रहे हैं जैसे कि पिछले मैच में आपने देखा होगा। इसलिए जीवंत विकेट क्रिकेट के लिए अच्छा होता है। लेकिन ऐसा नहीं है की आपको आगे टर्निंग विकेट देखने को नहीं मिलेंगे। उम्मीद है कि आपको आगे इस तरह के विकेट देखने को मिलेंगे। भारतीय टीम को अभी तक इंग्लैंड के आक्रामक खेल का सामना करना पड़ा है। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट मैच आसानी से जीता था लेकिन भारत ने दूसरे टेस्ट मैच में जीत दर्ज करके शानदार वापसी की। पहले दोनों मैच पूरी तरह से स्पिनरों के मददगार विकेट पर नहीं खेले गए। कुलदीप से पूछा गया कि पहले दो टेस्ट मैच के लिए स्पिनरों के अनुकूल विकेट तैयार क्यों नहीं किए गए, उन्होंने कहा, मुझे पता नहीं। मैं पूरी तरह से स्पिनरों को मदद करने वाले विकेट पर नहीं खेला हूं। मैं (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) घरेलू मैदानों पर खेली गई पिछली श्रृंखला में नहीं खेला था। मुझे नहीं पता कि हमारा दृष्टिकोण या सोच क्या होगी। असल में यह टीम प्रबंधन का फैसला होता है। निश्चित तौर पर आप सब भी अच्छी क्रिकेट देखना चाहते हो। अच्छी क्रिकेट के लिए अच्छे विकेट का होना महत्वपूर्ण है। कुलदीप से पूछा गया कि तीसरे टेस्ट मैच में टर्निंग विकेट होना चाहिए या नहीं, उन्होंने कहा, मैं इस बारे में नहीं जानता। मुझे जब भी खेलने का मौका मिलता है तो मैं उसका पूरा लुत्फ उठाता हूं फिर चाहे विकेट सपाट हो या टर्निंग।

स्टोक्स ने कई मामलों में क्रिकेट को बदल दिया है: पोप

राजकोट। इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप ने अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने की तैयारी कर रहे टीम के कप्तान बेन स्टोक्स की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने कई मामलों में क्रिकेट खेलने के तरीके को बदल दिया है। अपने हरफनमौला खेल से बल्लेबाजी और गेंदबाजी में प्रभाव छोड़ने वाले स्टोक्स ने कप्तानी का दारोदार मिलने के बाद बैजबॉज रणनीति से टेस्ट क्रिकेट खेलने का नजरिया बदल दिया। स्टोक्स 15 फरवरी को राजकोट में तीसरे टेस्ट मैच के लिए मैदान में उतरते ही इंग्लैंड के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो जाएंगे। पोप ने यहां एससीए स्टेडियम मे मंगलवार को इंग्लैंड के अभ्यास सत्र के इतर कहा, उन्होंने शायद खेल को कई मायनों मे बदल दिया है। उनके पास वह तरीका है जिससे वह जरूरत पड़ने पर टीम से उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवा सकते है। एशेज श्रृंखला के उस लॉर्ड्स टेस्ट को कौन भूल सकता है जब पूरी तरह से दबाव में होने के बाद भी उन्होंने टीम को जीत दिलाई। अपने 99 टेस्ट के अब तक के करियर में उन्होंने कई बार ऐसा किया है और यह अविश्वसनीय है। इस बल्लेबाज ने कहा, किसी के लिए भी 100 टेस्ट मैच खेलना शानदार है। जाहिर तौर पर उनके करियर में उतार-चढ़ाव आए, लेकिन जब से वह कप्तान बने है तब से उनका प्रदर्शन अद्भुत रहा है। पोप ने कहा कि खिलाड़ियों का प्रबंध करने का स्टोक्स का तरीका उन्हें दूसरों से अलग बनाता है।

स्मृति मंधाना महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंची

भाषा। दुबई

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में दो पायदान ऊपर चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। मुंबई की 27 वर्षीय खिलाड़ी ने दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट का स्थान लिया जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे श्रृंखला में लचर प्रदर्शन के कारण पांचवें स्थान पर खिसक गई हैं। इंग्लैंड की नेट साइवर ब्रंट, श्रीलंका की चमारी अटापट्टू और ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी बल्लेबाजी रैंकिंग में पहले तीन स्थान पर काबिज हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर दसवें स्थान पर बनी हुई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा एक पायदान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गई हैं लेकिन ऑलराउंडर की सूची में वह एक पायदान ऊपर पांचवें स्थान पर पहुंच गई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड की सोफी एक्लेसटोन शीर्ष पर बनी हुई हैं।

चंडीगढ़ के खिलाफ कर्नाटक की अगुवाई करेंगे मयंक

बेंगलुरु। अनुभवी सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल चंडीगढ़ के खिलाफ शुक्रवार से हुबली में शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी के अंतिम लीग मैच मे कर्नाटक की अगुवाई करेंगे। पूर्व चैंपियन कर्नाटक 24 अंक लेकर ग्रुप सी मे शीर्ष पर काबिज है और उसे नॉकआउट चरण मे जगह बनाने के लिए चंडीगढ़ के खिलाफ केवल पहली पारी मे बढ़त हासिल करने की जरूरत है। कर्नाटक को हालांकि बेहतरीन फॉर्म मे चल रहे देवदत्त पडीक्कल की सेवाएं नही मिलेगी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को इंग्लैड के खिलाफ टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम मे शामिल किया गया है।

रसेल, रदरफोर्ड की आक्रामक पारियों से वेस्टइंडीज ने तीसरे टी20 में ऑस्ट्रेलिया को हराया

पर्थ। आंद्रे रसेल और शेरफेन रदरफोर्ड की ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारियों और दोनो के बीच छठे विकेट के लिए रिकॉर्ड साझेदारी से वेस्टइंडीज ने मंगलवार को तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 37 रन की सांत्वना जीत हासिल की। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शुरुआती दो मैचो को जीतकर पहले ही श्रृंखला अपने नाम कर ली थी। रसेल ने आखिरी ओवर में एडम जम्पा को खासतौर पर निशाना बनाते हुए सिर्फ 29 गेदो में 71 रन बनाए, जबकि रदरफोर्ड ने 40 गेंदो में नाबाद 67 रन का योगदान दिया, जिससे वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 220 रन का स्कोर बनाया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया पांच विकेट पर 183 रन ही बना पाया। डेविड वॉर्नर ने 49 गेदो मे 81 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत की दौड़ मे बनाए रखा था। ऑफ स्पिनर रोस्टन चेज ने पारी के 14वें ओवर में वार्नर और जोस इंग्लिस को आउट कर मैच का रुख मोड़ दिया। इस मैच के लिए टीम में वापसी करने वाले इस गेंदबाज ने अपने चार ओवर में सिर्फ 19 रन दिए।

रविंद्र ने तीन विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें बढ़ाई

हैमिल्टन (न्यूजीलैंड)। हरफनमौला रचिन रविंद्र के तीन विकेट से न्यूजीलैंड दो मैचों की श्रृंखला के अंतिम टेस्ट के पहले दिन 220 रन पर छह विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका पर मानसिक बढ़त बनाने में सफल रहा। वामहस्त स्पिनर रविंद्र ने मध्यक्रम में जुबैर हमजा (20), कीगन पीटरसन (दो) और डेविड बेडिंघम (39) के अहम विकेट चटकाए। उन्होंने अपने 21 ओवर में केवल 33 रन खर्च किए। रुआन डी स्वार्ट् ने अपना पहला अर्धशतक लगाकर हालांकि मैच में दक्षिण अफ्रीका की वापसी करवाई। उन्होंने 37 साल की उम्र में टेस्ट पदार्पण कर रहे ऑलराउंडर शॉन वॉन बर्ग के साथ सातवें विकेट के लिए 70 रन की अटूट साझेदारी कर ली है। स्टंप्स के समय डी स्वार्डट 55 रन और वॉन बर्ग 34 रन बनाकर क्रीज पर थे। न्यूजीलैंड ने श्रृंखला के पहले मैच में छह विकेट चटकाने वाले मिशेल सैंटनर को अंतिम एकादश में मौका नही दिया।

दत्ताजीराव गायकवाड़ का निधन: हजारे के कौशल को टक्कर देने वाले बल्लेबाज

नई दिल्ली। किस्मत के सहारे भारतीय कप्तान बने दत्ताजीराव गायकवाड़ कवर ड्राइव के साथ क्रिकेट के अन्य शॉट खेलने के मामले में विजय हजारे को टक्कर देते थे लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वह अपनी प्रतिभा के साथ न्याय करने में विफल रहे। बड़ौदा के इस बल्लेबाज को अपनी प्रतिभा के दम पर 11 से अधिक टेस्ट खेलने चाहिए थे। दत्ताजीराव का मंगलवार को 95 वर्ष की आयु में उनके गृहनगर बड़ौदा में निधन हो गया। आंकड़ों के मुताबिक वह 2016 में दीपक शोधन की मृत्यु के बाद सबसे उम्रदराज जीवित भारतीय टेस्ट क्रिकेटर थे। अपने शानदार कवर ड्राइव से 1950 के दशक की बॉम्बे (अब मुंबई) की मजबूत टीम को परेशान करने वाले दत्ताजीराव का अंतरराष्ट्रीय करियर घरेलू क्रिकेट जितना परवान नहीं चढ़ा। उन्हें 1952 से 1961 तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वैसी सफलता नहीं मिली। उनके बेटे अंशुमान ने 1970 से 80 के दशक तक 40 टेस्ट खेले। अंशुमान का रक्षात्मक खेल अपने पिता से मजबूत था। देश की आजादी के बाद के पहले ढाई दशकों में हालांकि हर क्रिकेटर को हमेशा आंकड़ों के चश्मे से नहीं आंका जा सकता था। टेस्ट में दत्ताजीराव का औसत 20 से कम का रहा लेकिन यह ऐसा समय था जब टीम को जीत से ज्यादा मैचों में हार का सामना करना पड़ता था। दत्ताजीराव ने 1959 के इंग्लैंड दौरे पर पांच टेस्ट मैचों में से चार में भारत की कप्तानी भी की थी। इस दौरे में टीम को पांचों मैच में शिकस्त का सामना करना पड़ा था। उनके आलोचकों ने आरोप लगाया था कि दत्ताजीराव को भाई-भतीजावाद के कारण टीम की बागडोर सौंपी गई थी। उन्हें वडोदरा के पूर्व महाराजा फतेहसिंह गायकवाड़ का करीबी माना जाता था, जो राष्ट्रीय टीम के प्रबंधक थे।

जोसेफ और एमी हंटर आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में मैच में शानदार गेंदबाजी करने वाले वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शामर जोसेफ मंगलवार को आईसीसी मासिक पुरस्कार को जीतने वाले वेस्टइंडीज के पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। आयरलैंड की आक्रामक युवा बल्लेबाज एमी हंटर जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने दमदार प्रदर्शन के बाद महिला वर्ग में यह खिताब जीतने में सफल रही। पिछले सप्ताह खिलाड़ियों की सूची की घोषणा के बाद आईसीसी ने मंगलवार को जनवरी के लिए पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की। जोसेफ ने वेस्टइंडीज के लिए अपनी पहली ही गेंद पर स्टीव स्मिथ को आउट कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का शानदार आगाज किया था। उन्होंने अपने पहले टेस्ट में स्मिथ के अलावा मार्नस लाबुशेन और कैमरून ग्रीन सहित पांच विकेट चटकाए थे। इस दौरे के दूसरे और आखिरी टेस्ट में उनका प्रदर्शन काफी अहम साबित हुआ। 216 रन के लक्ष्य का बचाव करते हुए जोसेफ ने 68 रन पर सात विकेट झटक कर टीम को आठ रन की यादगार जीत दिलाई थी। उन्होंने इस दौरान चार बल्लेबाजों को बोल्ड किया था। इस जीत से वेस्टइंडीज दो मैचों की श्रृंखला को।-। से बराबर करने में सफल रहा और जोसेफ मैन ऑफ द सीरीज चुने गए। वह 2021 में शुरू हुए आईसीसी मासिक पुरस्कारों में खिताब जीतने वाले वेस्टइंडीज के पहले खिलाड़ी है। जोसेफ ने आईसीसी से जारी विज्ञप्ति में कहा, विश्व स्तर पर ऐसा खिताब जीतना शानदार है। मैंने वेस्टइंडीज के लिए ऑस्ट्रेलिया में खेलने के हर पल का लुत्फ उठाया था।

एफआईएच महिला प्रो-लीग: भारत के सामने मजबूत नीदरलैंड की चुनौती

राउरकेला। पिछले कुछ समय से खराब प्रदर्शन कर रही भारतीय महिला हॉकी टीम जब बुधवार को यहां एफआईएच प्रो लीग के मौजूदा सत्र में अब तक अजेय रहे नीदरलैंड के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसके सामने लय हासिल करने की चुनौती होगी। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद से भारतीय टीम के प्रदर्शन मे लगातार गिरावट आई है। भुवनेश्वर और राउरकेला में जारी मौजूदा प्रो लीग में टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। सविता पूनिया की कप्तानी मे टीम मौजूदा सत्र मे पांच मैचो मे सिर्फ एक मुकाबला जीतने में सफल रही है। भारतीय टीम को अपने घरेलू मैदान मे चीन (1-2), नीदरलैंड (1-3) और ऑस्ट्रेलिया (0-3) के खिलाफ लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा है। टीम ने इसके बाद अमेरिका को 3-। हराकर वापसी की लेकिन सोमवार को उसे चीन से फिर से।-2 की शिकस्त का सामना करना पड़ा। भारत को अपने अगले मुकाबले मे सबसे कठिन चुनौती का सामना करना पड़ेगा। नीदरलैंड की टीम नौ मैचो मे 27 अंक के साथ तालिका मे शीर्ष पर है।

हाशिम के चौके से यूके अकादमी की खिताब जीत

लखनऊ। मोहम्मद हाशिम की घातक गेंदबाजी की बदौलत यूके क्रिकेट अकादमी ने प्रथम अंडर.16 यूके प्रीमियर लीग के खिताबी मुकाबले में केडी सिंह बाराबंकी को 6 विकेट से पराजित कर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। यूके क्रिकेट अकादमी और स्पोर्ट्स ग्राउंड बाराबंकी में खेले गए इस फाइनल मुकाबले में केडी सिंह बाराबंकी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 121 रन का मामूली स्कोर बनाया। जवाब में यूके क्रिकेट अकादमी ने 16.3 ओवर में चार विकेट होकर 125 रन बनाकर मुकाबला 6 विकेट से अपने नाम कर लिया। केडी सिंह बाराबंकी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ओम ठाकुर के 39 रन और कप्तान अशद हुसैन के 29 रन के साथ.साथ सम्राट तिवारी के 21 रन की बदौलत 20 ओवर में 7 विकेट पर 121 रन का स्कोर खड़ा किया। यूके क्रिकेट अकादमी के गेंदबाजों के आगे केडी सिंह बाराबंकी की टीम संघर्ष करती हुई नजर आई और उसके 6 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके।

एसए20 की सफलता में आईपीएल फ्रेंचाइजी की भूमिका महत्वपूर्ण: ग्रीम स्मिथ

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ का मानना है कि हाल में समाप्त हुए एसए20 टूर्नामेंट की सफलता में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की छह फ्रेंचाइजी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एसए20 में छह फ्रेंचाइजी टीमो एमआई केप टाउन, जॉबर्ग सुपर किंग्स, डरबन सुपर जाइंट्स, पार्ल रॉयल्स, प्रिटोरिया कैपिटल्स और सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने हिस्सा लिया। इन सभी टीमो का स्वामित्व आईपीएल टीमो के मालिको के पास है। स्मिथ ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम सौभाग्यशाली हैं कि आईपीएल की छह फ्रेंचाइजी हमारे साथ है। यह विश्व क्रिकेट की सबसे मजबूत फ्रेंचाइजी है। कई स्तरो पर उनकी विशेषज्ञता हमारे काम आई।

गियर क्लब ने ट्रंप स्टारलेट्स को 4 विकेट से हराया

लखनऊ। ललित मौर्य की अगुवाई में शानदार गेंदबाजी की बदौलत गियर क्रिकेट क्लब ने द्वितीय तारा देवी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के रोमांचक लीग मुकाबले में ट्रंप स्टारलेट्स क्लब के खिलाफ चार विकेट से जीत दर्ज की। गियर क्रिकेट ग्राउंड पर ट्रंप स्टारलेट्स ने निर्धारित 35 ओवर में 9 विकेट पर 131 रन का मामूली स्कोर बनाया। टीम से राहुल भारती ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाए जबकि दुर्गेश सिंह ने 26 रन की पारी खेली। वहीं अन्य बल्लेबाज ज्यादा टिक नहीं सके। गियर क्रिकेट क्लब से ललित मौर्य ने सात ओवर में दो मेडन देते हुए आठ रन देकर दो विकेट हासिल किए। प्रदीप यादवए प्रशांत यादव और प्रिंस पटेल ने भी क्रमशः दो दो विकेट अपने नाम किए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करते हुए गियर क्रिकेट क्लब ने 25०3 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 133 रन बनाकर जीत के लिए जरूरी रनों का लक्ष्य आसानी से पा लिया। सलामी बल्लेबाज आशुतोष पाल ने 25 और अरीब किदवई ने 27 रन की अहम पारी खेल टीम को उम्दा शुरुआत दी। अमन सिंह ने 17ए अल्तमश खान ने 15 व विशाल ने नाबाद 14 रन का योगदान किया। ट्रंप स्टारलेट्स से राहुल भारती ने तीन विकेट हासिल किए। ललित मौर्या को मैन ऑफद मैच का पुरस्कार दिया गया।

यूपी की शुभी, लावण्या और सौंदर्या बालिका वर्ग के क्वार्टर फाइनल में

लखनऊ। एसआरजीआई अंडर.12 बालक व बालिका ऑल इंडिया आइटा टेनिस चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश की शुभी रंजन, लावण्या सिंह व सौंदर्या जायसवाल ने जीत के साथ बालिका वर्ग क्वार्टर फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। बालक वर्ग में उत्तर प्रदेश के कृष्णा सिंह, तेजस सिंह, अणर्व श्रीवास्तव ने अपने-अपने प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीते। अवध स्कूल गोमतीनगर स्थित कमलेश शुक्ला टेनिस अकादमी में आयोजित चैंपियनशिप में बालिका प्री क्वार्टर फाइनल में शुभी रंजन ने मध्य प्रदेश की अनाया खान को 6-2, 6-3 से हराया। लावण्या सिंह ने मध्य प्रदेश की अहाना दोषी को 6-2, 6-2 से और सौंदर्या जायसवाल ने यूपी की शिवान्या गौतम को 6-2,6-1 से हराया। बालिका वर्ग के अन्य प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में मध्य प्रदेश की अनाया राठी ने मध्य प्रदेश की गीतिका बोथरा को 6-3,6-4 से उत्तर प्रदेश की अदित्रि सिंह ने उत्तर प्रदेश की वाही पी कौर को, उत्तर प्रदेश की सिद्धि सिंह ने उत्तर प्रदेश की रीत पी.सिंह को उत्तर प्रदेश की आशी किरन ने उत्तर प्रदेश की प्रणवी कश्यप को हराया। बालक वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश के कृष्णा सिंह ने उत्तर प्रदेश के आरव पटेल को 6.1ए 6.0 से उत्तर प्रदेश के अणर्व श्रीवास्तव ने दिल्ली के सात्विक सिंह को ,उत्तर प्रदेश के तेजस सिंह ने उत्तर प्रदेश के प्रणव शर्मा को , उत्तर प्रदेश के आयुष्मान पाठक ने उत्तर प्रदेश के शिवांश सिंह को ,पश्चिम बंगाल के कबीर पारेख ने उत्तर प्रदेश के अथर्व श्रीवास्तव को ,उत्तर प्रदेश के पविथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के आरव शुक्ला को, उत्तर प्रदेश के कबीर शर्मा ने उत्तर प्रदेश के अथर्व गोयल को,और दिल्ली के रेयांश भल्ला ने निकुंज अरोड़ा को हराया।

संयम ने जीता ज़िह-ए-लखनऊ ओपन शतरंज

रामऔतार मिश्र स्मारक हॉकी का उद्घाटन करते खेल निदेशक आरपी सिंह

लखनऊ। वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों के खिलाफ जीत से 13 साल के संयम श्रीवास्तव ने ज़िह.ए.लखनऊ ओपन शतरंज टूर्नामेंट में सर्वाधिक अंक के साथ खिताबी जीत दर्ज की। चेस क्लब ब्लैक एंड व्हाइट सीसीबीडब्ल्यू लखनऊ द्वारा शहर के एक निजी होटल में लखनऊ की शतरंज विरासत 1750-2024 पर अपने शोध कार्य को दर्शाने के लिए डांस पार्टी के साथ आयोजित टूर्नामेंट में संयम श्रीवास्तव ने सातवें राउंड के बाद सर्वाधिक 6.5 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।संयम से एक अंक से पिछड़े वरिष्ठ खिलाड़ी आरिफ अली 5.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे। सईद अहमद को 5 अंक के साथ तीसरा स्थान मिला। वरिष्ठ नागरिक वर्ग में केके खरे 5 अंक के साथ चैंपियन बने। शकीलुद्दीन 3.5 अंक के साथ दूसरे जबकि केके गुप्ता और केके केसरवानी 3 अंक के साथ संयुक्त तीसरे पायदान पर रहे। अनरेटेड श्रेणी में सीएसजेएमयूए कानपुर के प्रशांत पांडेय 6.5 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहते हुए विजेता बने। उनके बाद मोहम्मद इरफान, रत्नेश शंकर वर्मा और अंकित शुक्ला प्रत्येक 5.5 अंक ने संयुक्त रूप से दूसरा स्थान साझा किया। वरिष्ठ नागरिक अनरेटेड श्रेणी में अजीत कुमार श्रीवास्तव और राजिंदर महाना दोनों 4.4 अंक के साथ अव्वल रहे। महिला वर्ग में वर्तिका आर वर्मा को 4 अंक के साथ पहला व आंचल मौर्य को 3 अंक के साथ दूसरा स्थान मिला। अंडर 16 के परिणाम- प्रथम रू अक्षज निगमए कानपुरए 6 अंक, द्वितीय विघ्नेश त्रिपाठी 5.5 अंक। सर्वश्रेष्ठ टीम ट्रॉफी, प्रथम डीपीएस एल्डिको, द्वितीय सीसीबीडब्ल्यू और तृतीय लामार्टिनियर।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उनके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उनका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यावसायिक कार्यालय- 201-205, द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।